समर्पण 2010

सेवा! सहयोग! समर्पण!

समर्पण संस्था (रजि.)

पंजीकृत कार्यालय : 192/38, कुम्भा मार्ग, प्रताप नगर, सांगानेर,
जयपुर (राज.)–302033 फोन: 0141.6595726
E-mail: malyaaone@gmail.com, Website: www.samarpansanstha.org

IS:2494

ISO 9001:2008
ISO 14001:2004

GALAXY® gold

Buy-'N'-Forget V-Belts

GG - SET

Tractor size packed belts

Auto belts

GAURAV PETROCHEM PRIVATE LIMITED

Adm Office : 100, Gurunanakpura, Raja Park, Jaipur
Phone : 91 0141 2624328
Works : 165-A, RIICO Industrial Area, Jhotwara Jaipur
Mob No. 09829065288, 09314924328

Sukriti

CREATING WORLD IN 3D

DINESH SHARMA

C-49, Vidhya Appartment, Near Janta Store Circle, Paras Marg
Bapu Nagar, Jaipur Mob.: 9314501808, Off.: 0141-3229102

SUPER Palco®

An ISO 9001-2000 Certified Organization

Gear Oil

Car Care

Greases

Engine Oil

PARAS LUBRICANTS LIMITED

Regd. & H.O. : C-573, IIFloor, Saraswati Vihar, Outer Ring Road, Delhi - 110034
Ph. 91-11-27035422 (5 Lines), Fax : 27035421

W.O. : 102, Birya House, 265, Perin Nariman Street, Fort, Mumbai - 400001
Ph. 91-22-22634421, 66357422-23, Fax : 66357421

www.palco.co.in, E-mail : info@palco.co.in

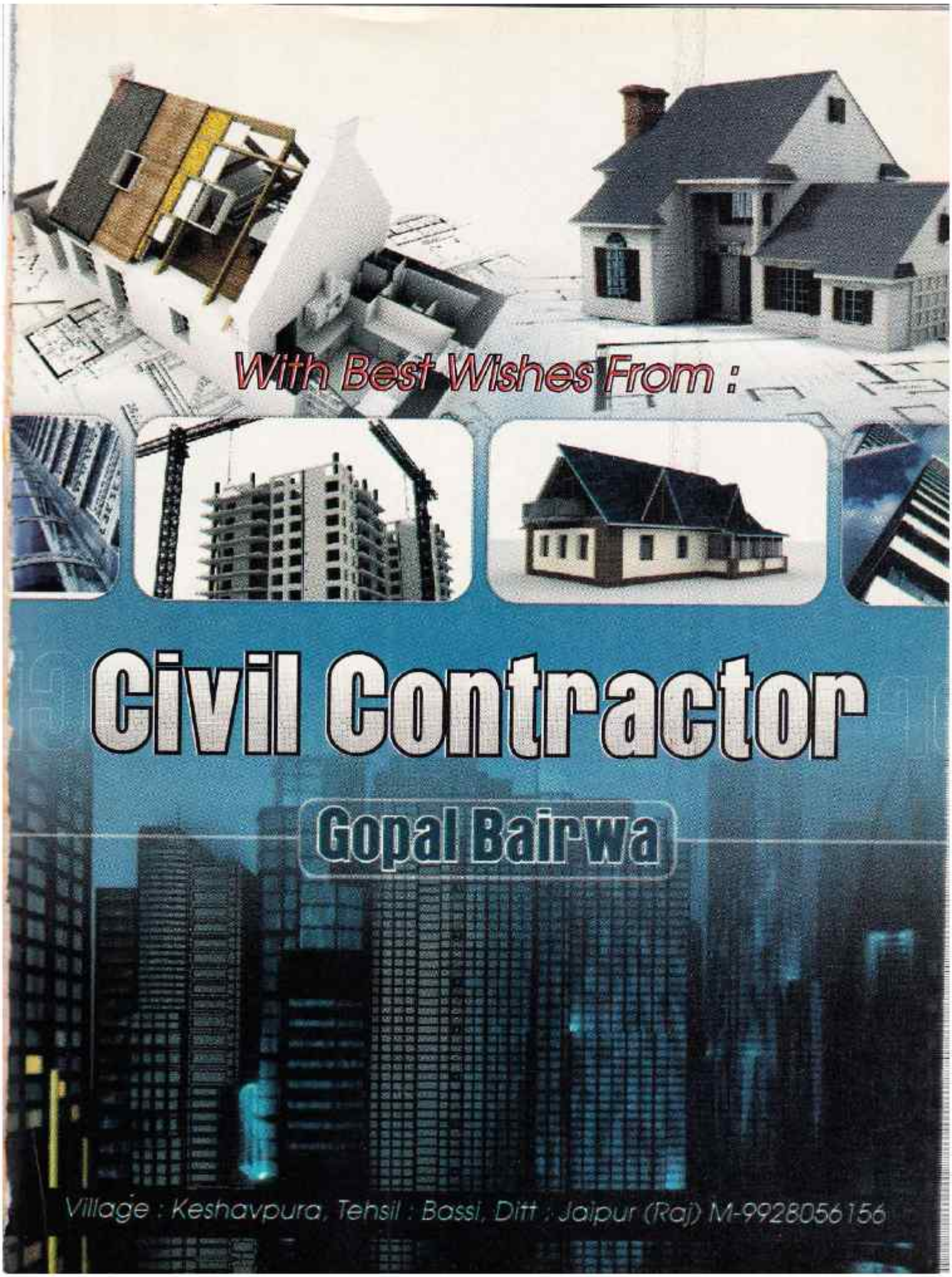
With Best Wishes From :
Civil Contractor
Gopal Bairwa
Village : Keshavpura, Tehsil : Bassi, Ditt : Jaipur (Raj) M-9928056156

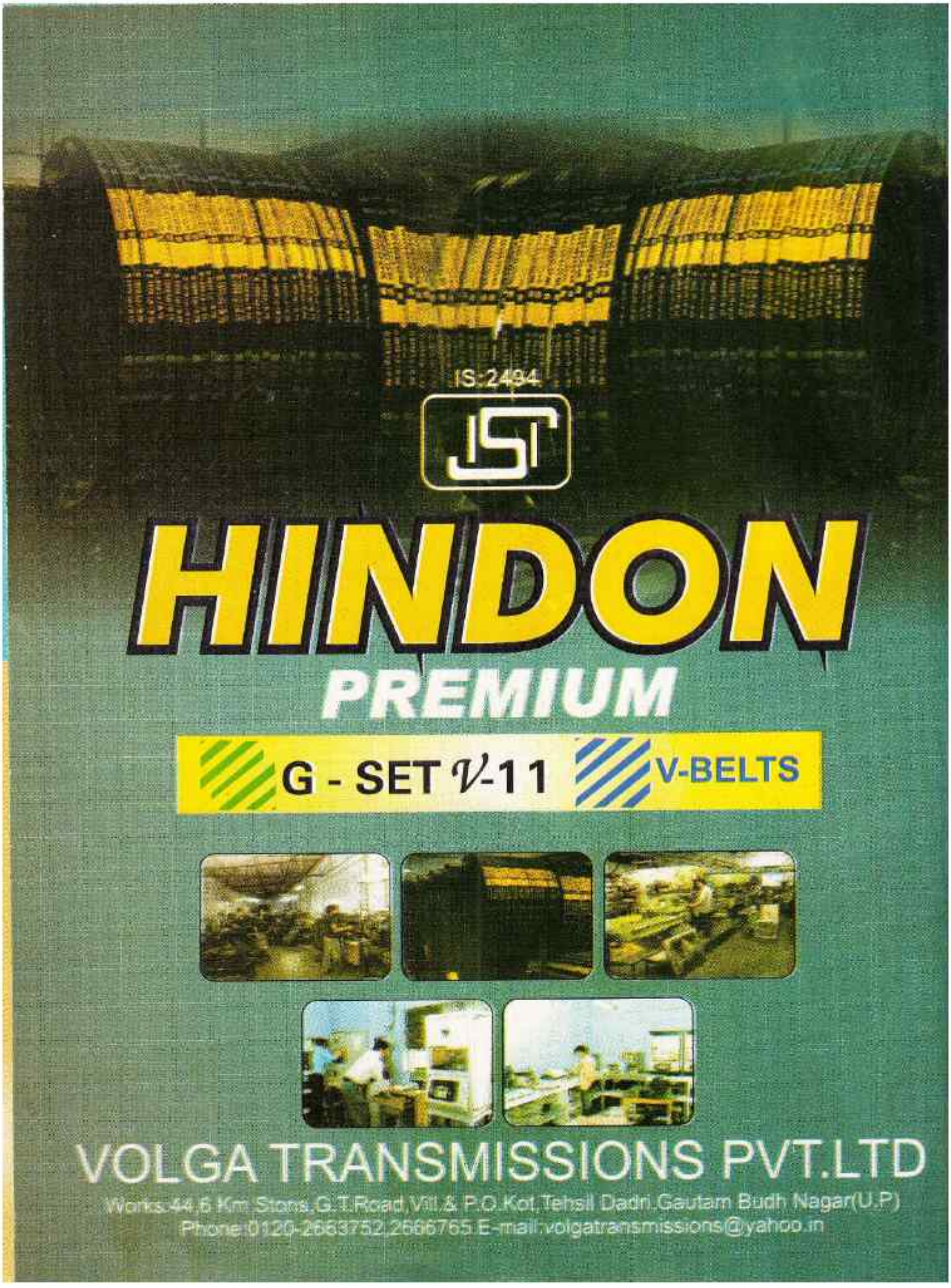

IS:2494
HINDON
PREMIUM
G - SET V-11
V-BELTS
VOLGA TRANSMISSIONS PVT.LTD
Works:44,6 Km Stone,G.T.Road,Vill.& P.O.Kot,Tehsil Dadri,Gautam Budh Nagar(U.P)
Phone:0120-2663752,2666765 E-mail:volgatransmissions@yahoo.in

With best compliments from

ShriNath
CAMPUS

Shyam Vatika Near Malviya Nagar, Underpass, Jaipur
Mob-9828001133, 9214311333

Adinath nagar

nostalgia of a lifestyle...

An Affordable Housing Scheme In Chaksu.

Features...

Ideal Location (main Chaksu town). 90-B obtained. Pillution free environment. Park and play ground for children. Adequate water supply. Smooth wide roads. 24 hours security system. Outer boundary wall. Sewerage treatment plant. Provision for school & hospital. Vastu Friendly layout and design.

PATNI BUILDERS (P.) Ltd.

City Office : F-10, Divya Mall, IInd Floor, Near Apex Mall Tonk Road, Jaipur Phone : 0141-3208134, 9314505750

अनुक्रमणिका

क्रमांक	शीर्षक	पृष्ठ सं.
1	संस्था का परिचय	30
2	कार्यकारिणी	32
3	अतिथि सदस्य	33
4	संरक्षक सदस्य	34
5	विशिष्ट सलाहकार / विशिष्ट सदस्य	35
6	सम्मानीय सदस्य	36
7	साधारण सदस्य	42
8	विद्यार्थी सदस्य	48
9	संस्था की गतिविधियाँ	58
10	इमरजेन्सी नम्बर	106
11	भवन निर्माण एक कला	109
12	समर्पण है जीवन जिनका	112
13	आधुनिक युग में आसनों की उपयोगिता	113
14	नारी शिक्षा का महत्व	115
15	उदारता	115
16	समर्पण ज्योति	116
17	रक्त की बूंद बूंद अमूल्य है।	117
18	हर मानव का सत्कार करें	120
19	संकल्प समर्पण का	120
20	संकल्प जीने की पगडंडी	121
21	समर्पण से ही प्रभु प्राप्ति	122
22	खलनायक नहीं नायक बनें	123
23	जिन्दगी जीने की है काटने की नहीं	124
24	सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता विभाग	126
25	व्यक्तित्व का आइना है वाणी	133
26	राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग	134
27	मानवता की आधारशिला परोपकार	137
28	मुख्यमंत्री सहायता कोष	138
29	सूचना का अधिकार	139
30	भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो	139
31	भवन निर्माण में ध्यान देने योग्य आवश्यक बातें	140
32	आत्मविश्वास	142
33	जीना इसी का नाम है	143
34	समाचार पत्रों की नजर में समर्पण संस्था	144

प्रकाशक
समर्पण संस्था (रजि.)
192 / 38, कुम्भा मार्ग,
प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर
फोन न.: 0141–6595726

संपादक
राम कुमार 'सेवक'
मो. 09868710076

संपादकीय सहयोग
दौलत राम माल्या
विजय आनन्द शर्मा,
रामलाल 'रोशन',
अशोक कुमार शर्मा,
ध्रुव कुमार निरंकारी,
राजेश जांगिड,

मुद्रक
D B Print Solution
10, JLN Marg,
Jaipur

ग्राफिक्स एवं डिजायनिंग
मेविक (विजय आनन्द शर्मा)
मो. 9929133886

Keshav Properties
Selling & Purchasing of
Residential
Commercial
Plots Agricultural Lands
Naresh Agarwal
Office Address: KESHAV PROPERTIES 160/13 Sect. 16,
Kumbha Marg, Pratap Nagar, Sanganer,Jaipur
Phone:9828529105, 9314929105, 9950550766
Email : nareshagarwal@keshavproperties.com
Website : keshavproperties.com

सम्पादकीय

समर्पण की ओर

दो महीने के करीब का समय बीता है, जब हमने अपना तरेसठवाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया। हर वर्ष की तरह स्कूलों व सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय झंडे फहराये गये। बिजनेस करने वालों ने अपने उत्पादों पर विशेष छूट दी तथा लोगों को आजादी के दिवस को कुछ कीमती चीजें खरीदकर मनाने को प्रेरित किया।

तरेसठ वर्ष बाद हम आजादी के जिस मुकाम पर खड़े हैं वहाँ कुछ लोग इतने आजाद हैं कि हत्या करके भी खुले घूमते हैं और कुछ लोग पेट भरने के लिए औलाद तक बेचने को मजबूर हैं। जिनके पास बेचने को कुछ नहीं वे आत्महत्या करने को विवश हैं।

आजादी के दर्पण में भारत का चेहरा देखते हैं तो मिला–जुला प्रतिबिम्ब पाते हैं। एक तरफ खुशहाल भारत है, दूसरी तरफ हैं उजड़े हुए लोग, आकांशित नौजवान और आत्महत्या करते हुए किसान।

ऐसे अजीबोगरीब हालातों में मुझे स्वामी विवेकानन्द की याद आती है, जिन्होंने कहा था–जब तक देश में एक भी आदमी अशिक्षित, लाचार और भूखा है तब तक मैं हर उस आदमी को कृतघ्न कहूँगा जो उन्हीं की तरफ ध्यान नहीं देता जिनके बल पर वह शिक्षित व उन्नत बना।

यह कृतघ्नता महामारी की तरह चारों ओर फैली है। अधिकांश राजनीतिक नेता जब वोट मांगने आते हैं तो ऐसे–ऐसे वादे करते हैं जो अपनी कोमलता व सुगन्ध में मक्खन को भी मात कर दें। चुनाव जीतने के बाद वे प्रायः कृतघ्नता का बड़े से बड़ा नमूना पेश करने में भी शर्म नहीं करते।

देश जिस विद्यार्थी को चिकित्सक बनाने में काफी खर्चा करता है, वह चिकित्सक गाँव के गरीबों के बीच रहना पसन्द नहीं करता। वह भी सुविधाओं की तरफ यूँ दौड़ता है–जैसे चूहे के पीछे बिल्ली (शेष लगभग सभी की तरह)। हमारे प्रजातन्त्र का चेहरा ऐसा है कि देश का सर्वोच्च न्यायालय कहता है कि गेहूँ को सरकारी गोदामों में सड़ाने की बजाय गरीबों को बाँट दिया जाये ताकि वे भूख से ना मरें लेकिन हमारे प्रजातन्त्र के भाग्य विधाता कहते हैं कि सर्वोच्च न्यायालय को अपनी सीमा में रहना चाहिए, हमारे काम में दखल देने की बजाय।

आज यदि स्वामी विवेकानन्द साकार रूप में हमारे बीच होते तो शायद कहते कि मैं हर उस सरकार के हर उस मंत्री को कृतघ्न कहूंगा जो कि अब उस जनता की तरफ ध्यान नहीं देता, जिसके वोट के बल पर यह मंत्री बना है।

चलो आज हम इस बात को कह देते हैं लेकिन कोई सुने–समझे तो सही। महंगाई की हालात ऐसी है कि दाल तक पहुँच से दूर होती जा रही है, मुर्ग–मुसल्लम की तो कोई क्या कहे। देश के हर नागरिक को यह सोचना होगा कि कहीं वह तो कृतघ्न नहीं है ? देश सिर्फ एक भूखण्ड का नाम नहीं होता बल्कि देश तो बनता है इसके नागरिकों से। आज हम आजाद हैं। अपनी कमजोरियों और लापरवाहियों का दोष हम अंग्रेजों को नहीं दे सकते।

भ्रष्टाचार का प्रवाह देश में यूँ सहज हो चला है जैसे रक्त कोशिकाओं में रक्त। पुल का निर्माण होते–होते पुल गिर जाता है। मजदूर मर जाते हैं। जो हादसे की जाँच का कार्य कर रहा होता है, वह पहले ही भ्रष्टाचार के सामूहिक अनाचार में शामिल होता है। कैसी नैतिकता, कैसी न्यायिकता ? न्यायमूर्ति भी भ्रष्टाचार से बच नहीं सके हैं।

इसके बावजूद देश तरक्की कर रहा है क्यों कि लोगों में से जयादातर अभी भी समर्पित व आस्थावान हैं। आस्था का केन्द्र बिन्दु चाहे कोई भी धर्म अथवा मजहब हो लेकिन मेहनत में प्रायः सबकी आस्था है। एक सर्वोच्च सत्ता का प्रत्यक्ष –अप्रत्यक्ष डर भी मौजूद है इसलिए समर्पण का चिराग अब भी जल रहा है।

समर्पण–प्रेम के प्रति, शान्ति के प्रति, मानवता के प्रति। इस समर्पण की लौ को हर किसी को प्रज्ज्वलित रखना होगा तभी देश की आजादी बची रह सकेगी और कृतघ्नता के कलंक से उभरा जा सकेगा।

रामकुमार 'सेवक'
rksewak@yahoo.co.in

H.S.CONSTRUCTION and STONE CONTRACTOR

HARGYAN SINGH

Mob. : 9414236474, 9352434278

Specialist in.

ALL BUILDING WORK • ITALIAN MARBAL • GRANITE

DHOLPUR • KARAULI • BANSIPHADPUR • TILES • MARBLE

ALL TYPE OF STONE FITTING • FINISHING • CORBEN WORK ETC.

Add : 306,Old Nirankari Bhawan, Near Govt. Sec. School,
Kanota, Jaipur (Raj)303012 E-mail : singh_hargyan1@yahoo.in

संस्थापक-अध्यक्ष
की कलम से

ईश्वर ने प्रत्येक मानव को तीन चीजें तन-मन-धन प्रदान की है। इनको मानवता की भलाई में लगायें यही समर्पण है। अपने लिए तो पूरी दुनिया जीती है लेकिन जो दुसरों के लिए जीते है असली जीना तो उन्हीं का होता है। जरूरतमन्द,असहाय, पीड़ित मानवता की सेवा करना ही

सही मायनों मे ईश्वर की सच्ची पूजा है। जीवन में यदि आनन्द चाहिए तो हम दूसरों की सेवा करें। क्योंकि सुख का सम्बन्ध शरीर से और आनन्द का सम्बन्ध आत्मा से होता है। जीवन के बारे में किसी कवि ने लिखा है कि -

जिन्दगी न केवल जीने का बहाना। जिन्दगी न केवल सांसो का खजाना।।
जिन्दगी मे बन सके तो प्राण बन। जिन्दगी मे बन सके तो गान बन।।
जिन्दगी मे गिरे हुए का उत्थान बन।

सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के अनुसार किये गये कर्म ही मानव को ऊँचा उठाते है। इसी से मनुष्य की आत्मा को पहचान मिलती है। इन्हीं सब बातो को लेकर समर्पण संस्था का निर्माण किया गया है। समर्पण संस्था अपने समर्पित भाव से निरन्तर मानवता की सेवा में कार्यरत है। इस अल्प समय में संस्था के सभी समर्पित सदस्यों के सहयोग से मानवता के हितार्थ अनेक कार्यक्रम किये गयें। मानव जीवन की सार्थकता भी तभी बनती है जब हम भले कार्य करें।

समर्पण संस्था गत एक वर्ष से कार्य कर रही है। जिसमें किसी भी प्रकार की सरकारी, अर्द्ध सरकारी, गैर सरकारी सहायता के बिना सदस्यों की मेहनत व सहयोग से अनेक सामाजिक कार्य कर एक इतिहास रचा गया है। संस्था द्वारा गत दिनों 18 जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के लिए गोद लिया गया। इसके साथ ही 'समर्पण शिक्षा केन्द्र' की स्थापना भी की गई जहां सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले निर्धन बच्चों को निःशुल्क अग्रेंजी पढ़ाई जा रही है। केन्द्र पर निरक्षर महिलाओं को शिक्षित करने हेतु भी कक्षा चल रही हैं जिसमें 46 महिलाऐं नियमित शिक्षा ले रही है। आगें भी अलग-2 जगह पर इस तरह के केन्द्र खोलने की योजना हैं क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में की गई मदद सबसे बड़ा धर्म माना गया है। संस्था द्वारा जल सेवा, वृक्षारोपण व रक्तदान शिविर का भी सफल आयोजन किया गया। आगामी समय में विकलांग बच्चों की चिकित्सा, नेत्र चिकित्सा शिविर, सामान्य जांच शिविर भी आयोजित करने का प्रावधान रखा गया है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे कि अत्यन्त निर्धन व लाचार व्यक्ति के चेहरे को याद करो और कोई कार्य करने से पहले स्वयं से पूछो कि इससे उस व्यक्ति का क्या भला होने वाला है। हमारी धार्मिक पुस्तकों में बताया गया है कि जितना हम दान करते है उससे चार गुना वापस मिलता है। समर्पण संस्था मानव हितार्थ छोटा सा कदम है अब इसको संगठन के साथ और आगे बढ़ायें। अन्त में यहीं कहा जा सकता है कि -

आज नहीं तो कल होगी, मुश्किल है तो हल होगी।
फिक्र न कर प्यारे पंछी, एक दिन बर्फ तरल होगी।।

विश्व की मंगल कामना के साथ .... जय मंगल !

दौलतराम माल्या

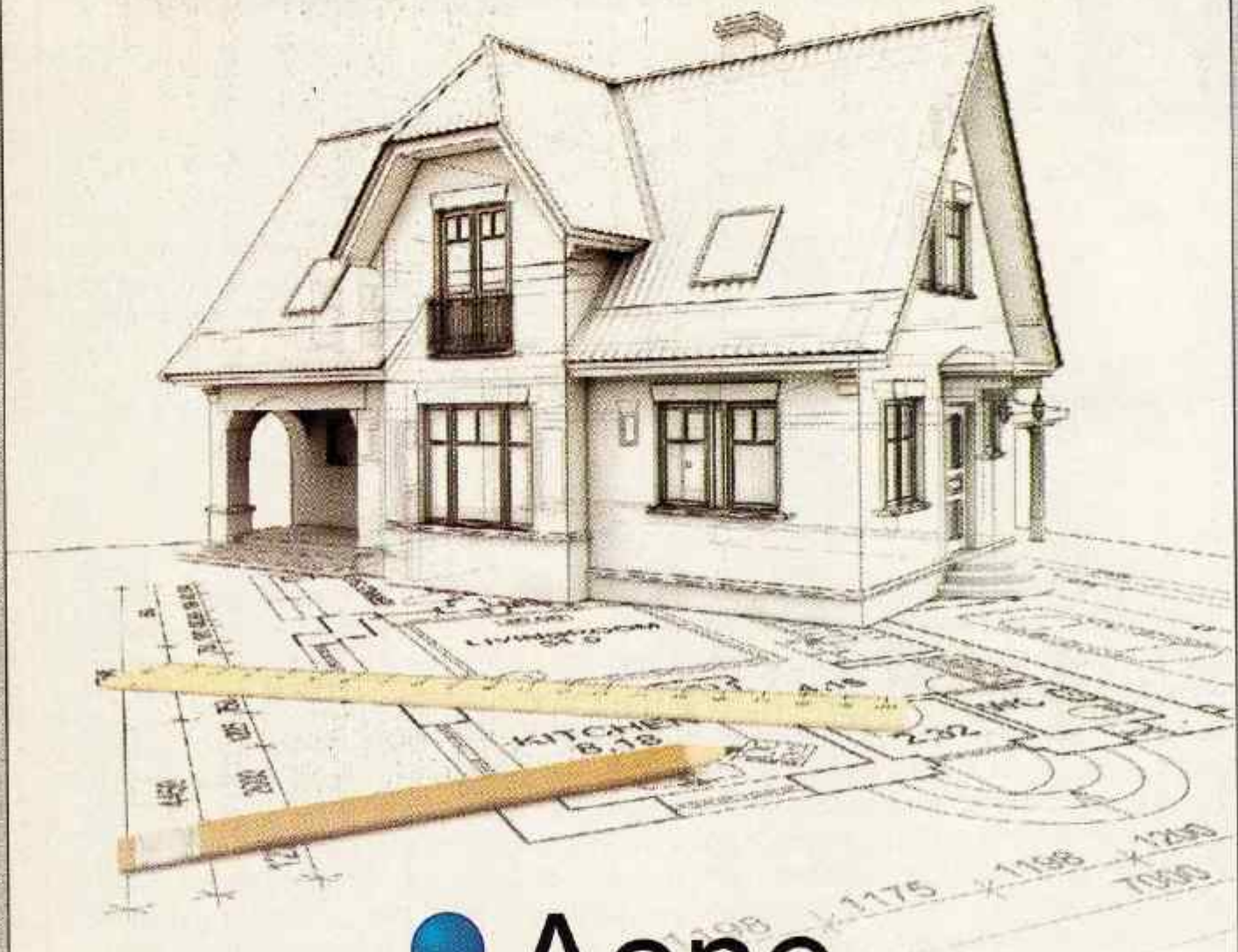

Aone
Architects (P) Ltd.

WE BUILD YOUR DREAMS

Planning, Designing & Supervision of Buildings

H.Office :- B-8, Bhagwati Nagar-I, Dhobi Mod, Kartarpura, Jaipur-6
U.Office :- 192/38 & 39, Kumbha Marg, RHB, Pratap Nagar, Jaipur-33
Website :- www.aonearchitects.com, E-mail :- info@aonearchitects.com
Phone-0141-2501563, Mobile:094140-51161,09414336431

मुख्य संरक्षक
की कलम से

समर्पण एक निरपेक्ष परन्तु शक्तिशाली भाव है इसलिए जीवन में जिस भी कार्य के साथ इसका जुड़ाव होगा उस कार्य की सफलता निश्चित है। समर्पण संस्था द्वारा सभी सदस्यों के स्नेह और त्याग से मानव सेवा कार्य भली प्रकार से हो रहा है। इस कार्य को करने में जो आनन्द व सुकून मिलता है उसको शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। जो तन–मन–धन ईश्वर की कृपा से इन्सान को प्राप्त होते हैं अब इन्हें हमें मानव समाज को समर्पित करना चाहिए। जिस व्यक्ति का मन व हृदय का भाव एक हो जाता है वह समर्पित है। समर्पण मन की एक अवस्था का ही भाव है। समर्पण संस्था का हर सदस्य समर्पित भाव से निस्वार्थ सेवा कर रहा है। यह सेवा मन को निर्मल बनाती है। यहां बिना प्रतिफल की इच्छा के परोपकार किया जा रहा है।

सही मायनों में मनुष्य वही है जो परहित कि लिए कार्य करता है दुनिया में हर व्यक्ति अपने परिवार व स्वयं के लिए ही भाग दौड़ करता है लेकिन जो स्वयं की परवाह न करते हुए दुसरो के लिए कार्य करते है वे विरले ही होते है। यही मनुष्यता का प्रमुख लक्षण है। भौतिक सुख इन्सान को शारीरिक दृष्टि से सुख दे सकते है लेकिन आत्मिक आनन्द के लिए तो परहित की भावना रखनी होगी। आनन्द तो प्रेम, दया, करूणा और समर्पण की भावना से ही आ सकता है।

सतीश खुराना

D.H. College of NURSING

Run by DHYAWAN VIKAS SANSTHA, LUNIYAWAS, JAIPUR

LABORATORIES

- Nursing art laboratory
- Anatomy and Physiology laboratory
- Nutrition/Biochemistry laboratory
- Community health nursing laboratory
- M.C.H laboratory
- Computer laboratory
- AV Aids laboratory

College Campus
DHAN VIHAR, LUNIYAWAS BUS STAND, JAIPUR
Location : Just 1 Km. from Hotel Raj Vilas, Goner Road, Jaipur

City Office
53/204, V.T. Road Mansarovar, Jaipu
Mob. : 982948220

हरदेव सिंह

निरंकारी बाबा

सन्त निरंकारी मिशन,

सन्त निरंकारी कालोनी, दिल्ली - 9

फोन नं. - 011-27605465&74, 224,225

वैबसाइट : http:www.nirankari.org

ई-मेल : snm@nirankari.org

संदेश

मानवता के प्रति समर्पण, ईश्वर के प्रति समर्पण के तुल्य होता है। हम यदि किसी दु:खी मानव का कष्ट दूर करने का प्रयास करते हैं, उसकी किसी कमजोरी से उसे छुटकारा दिलाने की कोशिश करते हैं तो समझिए ईश्वर प्रभु परमात्मा को प्रसन्न करने की ओर अपने कदम बढ़ा रहे हैं। प्रभु प्रसन्न होंगे तो हमारे जीवन में भी प्रसन्नता आयेगी, हमारे जीवन को भी सार्थकता प्राप्त हो सकेगी।

यह प्रसन्नता का ही विषय है कि 'समर्पण संस्था' समाज सेवा के विभिन्न कार्यों में बड़ी लग्न तथा निष्ठा के साथ अपना योगदान दे रही है। साधारण परिवारों के बच्चों को आने वाले समय की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना अथवा अनपढ़ महिलाओं को साक्षर बनाना एक बहुत बड़ा परोपकार है।

दातार से प्रार्थना है कि 'समर्पण संस्था' के साथ जुड़े सभी महानुभावों को शक्ति तथा सामर्थ दें ताकि समाज के कमजोर वर्गों की सेवा करते रहें और जन जन की शुभकामनाओं के पात्र बनते रहें।

हरदेव सिं
निरंकारी बाबा

अशोक गहलोत

मुख्य मंत्री

राजस्थान

दिनांक : 18 मई, 2010

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता है कि मानवता एवं परोपकार के कार्यों मे लगी समर्पण संस्था कं स्मारिका-2010 का प्रकाशन किया जा रहा है।

मानवता की सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं हो सकती। समाज के निर्धन असहाय व्यक्तियों बच्चों और महिलाओं को सम्बल प्रदान करना, समाज और स्वयंसेवी संस्थाओं का दायित्व है। इसके निर्वहन से आत्मिक सुख की अनुभूति होती है।

आशा है स्मारिका में संस्था द्वारा इन वर्गों को दी जा रही विभिन्न सेवाओं गतिविधियों और भावी योजनाओं का समावेश हो सकेगा।

मैं इस स्मारिका के प्रकाशन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

अशोक गहलोत

सत्यमेव जयते

मा. भँवरलाल मेघवाल

मंत्री

प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा

श्रम एवं रोजगार विभाग

राजस्थान सरकार

दिनांक : 30.4.10

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि समर्पण संस्था,जयपुर द्वारा स्मारिका "समर्पण 2010" का प्रकाशन किया जा रहा है। मुझे विश्वास है कि यह स्मारिका समर्पण संस्था द्वारा शिक्षा, आध्यात्म एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों एवं योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाने में उपयोगी एवं प्रेरणास्पद सिद्ध होगी।

मैं स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित करता हूँ।

30/4

मा-भँवरलाल मेघवाल

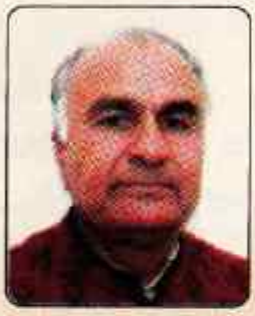

एमादुद्दीन अहमद खान
मंत्री
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार
कल्याण, आयुर्वेद एवं चिकित्सा शिक्षा
राजस्थान सरकार, जयपुर
दिनांक : 25.5.10

संदेश

मुझे जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि समर्पण सस्था एक स्मारिका 'समर्पण 2010' का प्रकाशन करने जा रही है। समर्पण संस्था जरूरतमंद, असहाय, निर्धन बच्चों के लिये उन्हें गोद लेकर शिक्षा मुहैया करवाने, निरक्षर महिलाओं को साक्षर करने का कार्य करती है।

नि:सन्देह यह सराहनीय कार्य है।

इसके लिये आप धन्यवाद के पात्र हैं। मैं आपको स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

सदभावी

ए.ए.खान

सचिन पायलट

संचार एंव सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री

भारत सरकार

नई दिल्ली:

दिनांक : 24 मई, 2010

संदेश

यह अत्यन्त हर्ष की बात है। कि समर्पित समर्पण संस्था द्वारा जयपुर के झालाना क्षेत्र में 'समर्पण शिक्षा केन्द्र' का संचालन किया जा रहा है जिसमें सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अंग्रेजी में निपुण करने के लिए नियमित नि:शुल्क अंग्रेजी कक्षाएं चल रही है इस अवसर पर एक स्मारिका "समर्पण 2010" के सभी पंजीकृत सदस्यों का विवरण, संस्था की गतिविधियाँ, सामाजिक लेख की द्वरभाष निर्देशिका प्रकाशित की जा रही है।

आशा है इसमें प्रकाशित विवरण एवं सूचनाएँ आम जन के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। मैं इस संस्करण के सफलतम प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ,

आपका

सचिन पायलट

दीपेन्द्र सिंह शेखावत
अध्यक्ष
राजस्थान विधान सभा, जयपुर
दिनांक : 24 मई, 2010

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि सामाजिक सेवा और शिक्षा को समर्पित समर्पण संस्था, जयपुर द्वारा 'समर्पण 2010' स्मारिका प्रकाशित की जा रही है मनुष्य के सर्वांगीण विकास में शिक्षा की अहम भूमिका है। समर्पण संस्था द्वारा जरूरतमंद,असहाय, निर्धन बच्चों को शिक्षा के लिए गोद लेकर उन्हें शिक्षा प्रदान करना तथा समाज की निरक्षर महिलाओं को साक्षर करने के लिए किये जा रहे प्रयास नि:सन्देह सराहनीय है।

आशा है संस्था द्वारा इस दिशा में किये जा रहे प्रयास अनवरत जारी रहेंगे तथा प्रकाशित स्मारिका में समाज के कमजोर,निर्धन एवं असहाय बच्चों तथा महिला शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं की जानकारी समाहित होने से स्मारिका आमजन के लिए एक उपयोगी प्रकाशन सिद्ध होगी।

मैं प्रकाश्य स्मारिका की सफलता की कामना करता हूँ

दीपेन्द्र सिंह शेखावत

रामकिशोर सैनी

राज्य मंत्री

कारागार व सामाजिक न्याय एवं

अधिकारिता विभाग

दिनांक : 29.4.10

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा "समर्पण 2010" नामक स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है। यह प्रसन्नता का विषय है कि संस्था जरूरतमंद, असहाय एवं निर्धन बच्चों को शिक्षा के लिए गोद लेकर उन्हें शिक्षा मुहैया करवा रही है। साथ ही निरक्षर महिलाओं कों साक्षर किये जाने की दिशा में कक्षाऐं चलाई जा रही है।

संस्था द्वारा प्रकाशित स्मारिका मे पंजीकृत सदस्यों का विवरण संस्था की गतिविधियों सामाजिक लेख महत्वपूर्ण दूरभाष नम्बर तथा सरकारी योजनाओ की भी जानकारी प्रकाशित की जा रही है।

मुझे आशा है कि प्रकाशित स्मारिका संस्था के सदस्यों एवं आमजन के लिए बहुपयोगी साबित होगी। मैं स्मारिका के सफल प्रकाशन की कामना करते हुए अपनी शुभकानाऐं एवं हार्दिक बधाई प्रेषित करता हूँ।

रामकिशोर सैनी

मांगीलाल गरासिया

राज्य मंत्री

युवा मामले एवं खेल, प्राथमिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा, श्रम एवं नियोजन विभाग

राजस्थान सरकार

दिनांक : 29.4.10

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि समर्पण संस्था एक स्मारिका "समर्पण-2010" प्रकाशित करने जा रही है। संस्था जरूरतमंद, असहाय, निर्धन बच्चों को शिक्षा के लिए गोद लेकर उन्हे शिक्षा मुहैया करवाती है।

स्मारिका "समर्पण-2010" में संस्था के सभी पंजीकृत सदस्यों का विवरण, संस्था की गतिविधियों, सामाजिक लेख, महत्वपूर्ण फोन नम्बरों की सूची,सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी आदि प्रकाशित करने जा रही है। यह सभी महत्वपूर्ण जानकारियां आमजन के लिये काफी उपयोगी सिद्ध होगी। यह एक बहुत ही अच्छा प्रयास है। मैं इसकी सराहना करता हूँ।

मैं अपनी ओर से प्रकाशित की जाने वाली स्मारिका के प्रकाशन की सफलता के लिए शुभकामनाऐं प्रेषित करता हूँ।

मांगीलाल गरासिया

रामदास अग्रवाल
लोकसभा सदस्य
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी
राजस्थान

दिनांक : 3-5-2010

संदेश

मानवता के परोपकार के लिए आपने 'समर्पण संस्था' की स्थापना की उसके लिए बधाई। समाज सेवा में जो भी कार्य किये जाए वह नि:स्वार्थ भाव के साथ हो तो उनकी कीमत कई गुणा हो जाती है।

आप शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे कार्य करने का प्रयास कर रहे है। मैं आपके एवं आपके साथियों को इस शुभ कार्य की सफलता के लिए शुभकानाऐं प्रेषित करता हूँ।

हार्दिक बधाई।

आपका
रामदास अग्रवाल

अशोक परनामी

विधायक

आदर्श नगर, जयपुर

दिनांक : 15.07.10

संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था, द्वारा 'समर्पण 2010' स्मारिका प्रकाशित की जा रही है।

समर्पण संस्था द्वारा जरूरतमंद, असहाय, पीड़ितों के लिए किये जा रहे कार्य बहुत ही सराहनीय है।

जो इन्सान परमार्थ का कार्य करता है वही सही मायनों में सच्चा इन्सान है। संस्था द्वारा निर्धन बच्चों को गोद लेकर शिक्षा प्रदान करना, निरक्षर महिलाओं को साक्षर करना, बहुत सुन्दर कार्य है। संस्था की इस स्मारिका में सरकारी योजनाओं की जानकारी, सामाजिक लेख आदि प्रकाशित होगें। मुझे आशा है कि यह स्मारिका मानव समाज के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।

मैं इस स्मारिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

अशोक परनामी

With best Compliments from

Krishana construction co.

All Type of Civil Construction Work

Madan Lal Verma

Plot No-15, Tirupati Balaji Nagar,
near Surajbhan School Sanganer, Jaipur
Mob.9414442285, 9887039011

Ekta Architect

Gauri Shankar Nirankari

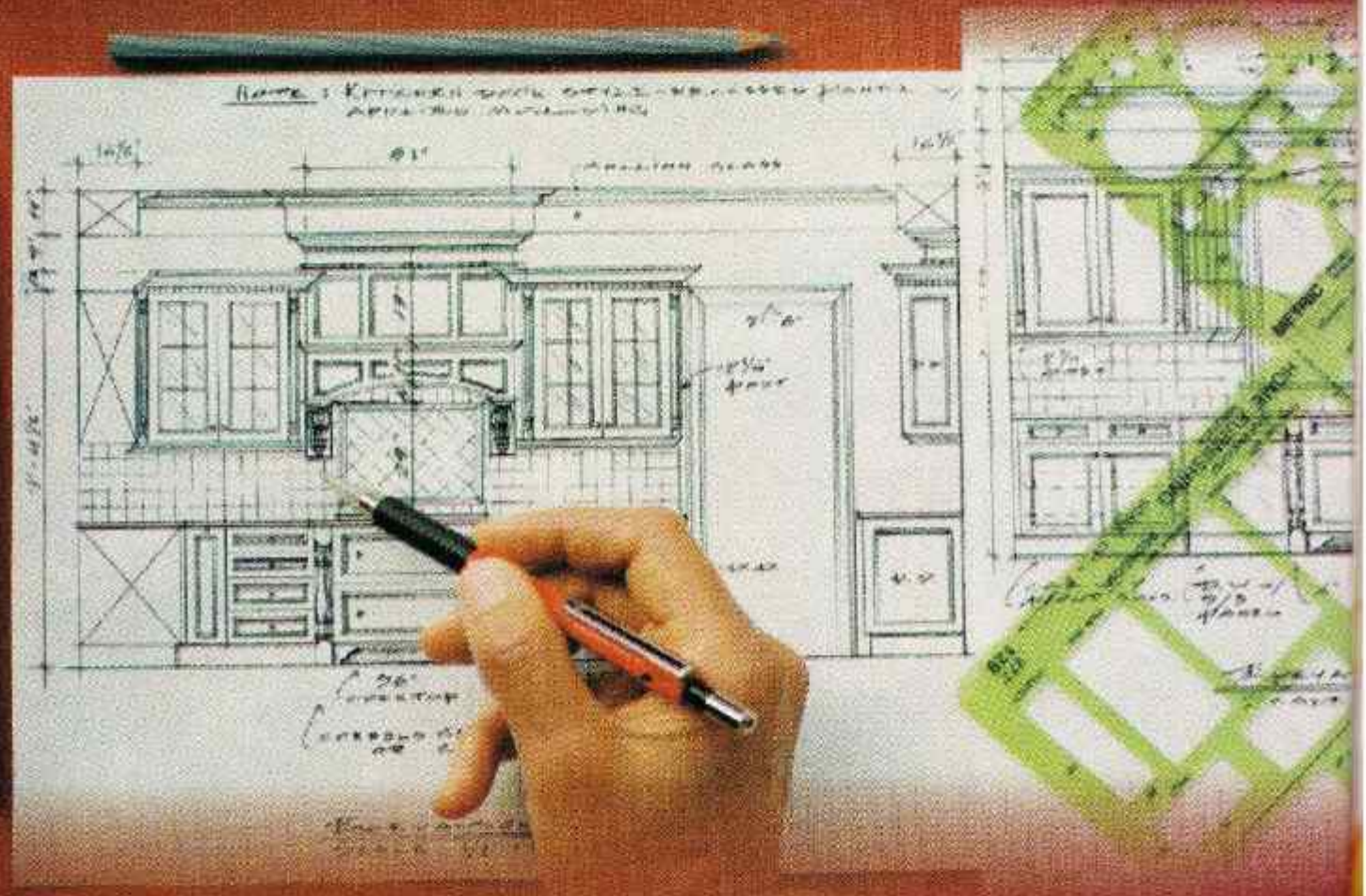

72,Raghunath Puri 1st,Shyopur, Road,Sanganer Jaipur
Mob-9314939112,0141-2791149

समर्पण प्रार्थना

समर्पण की भावना हो, ऐसा जीवन जी पाएं।
करें तन मन धन अर्पण, ऐसा जीवन जी पाएं।

मानवता को धर्म मानें, इन्सानियत को जाने,
सबसे मिलके चलना हम, सदा जीवन में अपनाएं।
समर्पण की भावना.....

प्यार की बात हो मुख पर, निन्दा नफरत करें ना हम,
नम्रता हो दया करूणा, सभी का दर्द समझ पायें।
समर्पण की भावना.....

निभायें नाता सबसे हम, मीठे बोल नित बोलें,
प्रेम जीवन में बस जाये, सादगी को हम अपनाएं।
समर्पण की भावना.....

न समझे ऊँच कोई नीच, सबको गले लगाये हम,
समझ के यह जहां अपना, सबके दिल में बस जायें।
समर्पण की भावना.....
तर्ज:- दया कर दान भक्ति का.....

समर्पण संस्था

.....मानवता के लिए समर्पित

(परिचय)

समर्पण संस्था एक रजिस्टर्ड संस्था है जो जरूरतमन्द बच्चों को गोद लेकर उन्हें शिक्षा मुहैया करवाती है। इसके साथ ही संस्था की 'एक जीवन गोद लेना' स्कीम भी है जिसमें कोई एक व्यक्ति किसी जरूरतमन्द बच्चे को शिक्षा के लिये गोद लेता है। समर्पण संस्था द्वारा झालाना डूँगरी क्षेत्र में प्लाट नं. 368, दयानन्द नगर, फेज–प्रथम पर एक 'समर्पण शिक्षा केन्द्र' भी संचालित है जिसमें सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को निःशुल्क अंग्रेजी पढ़ाई जाती है। केन्द्र पर निरक्षर महिलाओं को शिक्षित करने के लिए भी कक्षायें चल रही है।

संस्था के सभी पदाधिकारियों का सामाजिक क्षेत्र में अपना एक स्थान व मुकाम है। संस्था के संस्थापक–अध्यक्ष श्री दौलत राम माल्या व उपाध्यक्ष श्री राम प्रसाद लोदिया एवन आर्किटेक्ट्स (प्रा॰) लि॰ के निदेशक हैं जिसके अन्तर्गत जयपुर में अनेक रिहायशी, वाणिज्य, संस्थानिक, व्यवसायिक भवनों के नक्शे डिजाइन कर निर्माण करवा चुके है। वर्तमान में कम्पनी का कार्य प्रगति पर है। श्री माल्या व लोदिया सन्त निरंकारी मिशन में सहायक जन–सम्पर्क अधिकारी के रूप में भी सेवा कर रहे है।

संस्था के मुख्य संरक्षक श्री सतीश खुराना जयपुर के प्रसिद्ध उद्योगपति है तथा गौरव पेट्रोकेम (प्रा॰) लि॰ के निदेशक हैं इसके साथ ही फाल्को लुब्रीकेन्ट कम्पनी के राजस्थान वितरक हैं। संस्था के अन्य पदाधिकारी भी समाज सेवा में निरन्तर अग्रसर रहते है।

(संस्था के उद्देश्य)

शिक्षा एवं सामाजिक विकास

- गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देना।
- महिला शिक्षा/साक्षरता अभियान चलाकर समाज में व्याप्त कुरीतियों, अन्धविश्वासों, जातिवाद आदि के लिये जागरूकता लाना।
- आध्यात्मिक जागरूकता का प्रयास करना। समस्त कार्यों के लिये जन जागरूकता अभियान, शिविर, संगोष्ठियां, रैलियां तथा प्रशिक्षण शिविरों एवं विधिक शिविरों का आयोजन करना।

मानवाधिकार

महिलाओं, बच्चों, दलितों व असहाय लोगों के अधिकारों के लिये पैरवी करना एवं जागरूकता लाना।
प्रशासनिक तन्त्र के साथ मिलकर कार्य करना।

स्वास्थ्य कार्यक्रम

- एड्स, टी. बी., कैंसर आदि बीमारियों के प्रति जागरूक करना।
- रक्तदान शिविर, नेत्र चिकित्सा शिविर, सामान्य जांच एवं चिकित्सा शिविर आदि का आयोजन करना।
- भ्रूण हत्या, नशाबन्दी आदि पर कार्यक्रम आयोजित करना।
- स्वच्छता अभियान चलाना।

पर्यावरण

- पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम करना।
- वृक्षा–रोपण, जल–संरक्षण, मृदा–संरक्षण, अक्षय उर्जा, पवन उर्जा आदि के लिये कार्य करना।

आर्थिक विकास

- सरकारी योजनाओं का आमजन तक लाभ पहुंचाना।
- कृषि योजनाओं व उन्नत कृषि की जानकारी देकर लाभ दिलवाना।
- बेरोजगार युवक/युवतियों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर लाभ दिलवाना, स्वयं सहायता समूहों का निर्माण कर लाभ दिलाना।
- कच्ची बस्ती वासियों व बेघर लोगों के पुनर्वास के लिए कार्य करना।
- उपरोक्त समस्त कार्यों के लिये जन जागरूकता अभियान, शिविर, संगोष्ठियां, रैलियां तथा प्रशिक्षण शिविरों एवं विधिक शिविरों का आयोजन करना।

कार्यकारिणी सदस्य

Sh. Daulat Ram Malya
President
9414336431

Sh. Ram Prasad Lodiya
Vice-President
9414051161

Smt.Sunita Devi
Secretary
9636562345

Sh. Ramavatar Nagarwal
Treasurer
9928010564

Sh. Vijay Anand Sharma
Deputy Secretary
9929133886

Smt. Rama Dhirendra
Education-Incharge
9829212561

Smt. Dakha Devi
Member
9351141494

Smt. Kiran Devi
Member
9468587551

Smt. Nitesh Raj Sharma
Member
9352208193

Sh. Madan Lal Kamalwal
Member
9929927558

Sh. Suresh Sharma
Member
9828946182

Sh. Jagdish Sharma
Member
9828536060

Smt. Manju Bairwa
Member
9314789644

Sh. Madan Lal Varma
Member
9887039011

अतिथि सदस्य

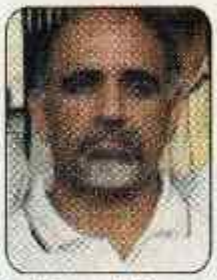

Sh. Dinesh Parnami
9352213457
(Industrialist)

Sh. Phool Chand Ji Bajaj
9414287851
(Zonal Incharge, SNM)

Sh. Manohar Lal Chhabara
9352233550
(Pramukh, SNM, JPR)

Chandra Shekhar Kaushik
9672977797
(Journalist)

Sh. Kirpa Sagar
9910270387
(Press Incharge, SNM)

Smt. Urmila Nawaria
9828111137
(Parshad)

Sh. Bhoop Ram Sharma
9460062401
(Principal)

Sh. Liaquat Ali Khan
9829013366
(Retd. IPS)

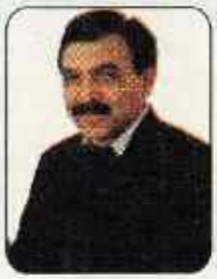

Sh. Deepak Mahaan
9414202020
(Documentary Director)

Smt. Bela Khurana
9529982748
(Social Worker)

Sh. R.K. Arya
9414336163
(RAS)

Sh. Laxmi Narain Meena
9414007555
(IPS)

Sh. Devendra Singh Santi
9828111345
(Parshad)

Miss. Geeta Chaudhary
9462031663
(Yoga Instructor)

Sh. Kanhiya Lal Meena
9414049684
(Ex MLA)

Miss. Teena Bairagi
9928796868
(Journalist)

Sh. Bhavnesh Gupta
9829046012
(Journalist)

संरक्षक सदस्य

Sh. Satish Khurana
9829065288
(Industrialist)

Sh. Yogesh Bhatnagar
9829059060
(Industrialist)

Sh. Gyarsa Ram ji
09312908771
(Civil Contractor)

Sh. Pramod Sharma
9828011333
(Shrinath Builders)

Sh. Jagdish Prasad Bairwa
9829284582
(Civil Contractor)

Sh. Dinesh Kumar Sharma
9314501808
(Sukriti)

Sh. Vijay Anand Sharma
9929133886
(MAVIC & VISHWAKARMA MOORTI ARTS)

Sh. Gopal Bairwa
9928056156
(Civil Contractor)

Sh. Lokesh Sharma
9414041028
(Industrialist)

Smt. Rama Dhirendra
9829212561
(Social Worker)

Sh. Arvind Sidanaj
9829012793
(Arvind Motor Company)

Sh. Sunil Kumar Jain
9829013025
(C&F Ayur)

विशिष्ट सलाहकार

Sh. Deepak Mahaani
9414202020
(Documentry Director)

Sh. Dinesh Parnami
9352213457
(Industrialist)

Smt. Bela Khurana
9529982748
(Social Worker)

Dr. Dinesh Kumar Bairwa
9414257824
(Medical Officer Nefrology Dept., SMS Hospital)

Sh. Shardanand Tahilani
9828277650
(Social Worker)

Sh. Sunil Kumar
9887258977
(Editor, Diksha Darpan)

Sh. Gaurishankar Bairwa
9314939112
(Architect)

Sh. Ashok Kumar Sharma
9413963905
(Designer Print Media)

विशिष्ट सदस्य

Sh. Kana Ram Kumawat
9414070366
(Civil Contractor)

Sh. Gajanand Meena
9953756456
(IRS)

Sh. Laxmi Kant Meena
9414068718
(Property Dealer)

Sh. Kailash Chand Bairwa
9829693767
(Civil Contractor)

Sh. Ram Gopal Sharma
9414063753
(Businessman)

Sh. Manish Sharma
9829107108
(Industrilist)

Sh. B.B. Gupta
9414079680
(Jai Gauri Projects (P) Ltd.)

सम्माननीय सदस्य

Smt. Jyoti Malya
9982060899

Smt. Chandrakanta Lodiya
9460387081

Mahendra Prakash Verma
9351365605

Sh. Omprakash Joliya
9887039010

Sh. Ramesh Verma
9799439890

Sh. Gaurishankar Bairwa
9314939112

Sh. Sanwat Ram Bairwa
9829151473

Sh. Shankar Lal Bairwa
9829167272

Sh. Sharwan Lal chopra
9414336998

Sh. Bhagwan Naryani
9413336371

Sh. Jagdish Narayan Bairwa
9414309651

Sh. Lala Ram Bairwa
9166541013

Sh. Rajendra Verma
9875097827

Sh. Prahlad Singh Rajawat
9829064526

Ms. Chanchal Lata Nirankari
9785895278

Sh. Kailash Chand Cheepa
9829986987

सम्माननीय सदस्य

Sh. Ratan Lal Kumawat
9314190041

Sh. Bhiwa Ram Kamalwal
9460867612

Sh. Ram Mohan Rai
9460834209

Sh. Ramdhan Bairwa
9929871511

Sh. Shardanand Tahilani
9828277650

Sh. Ramji Lal Bairwa
9414070158

Sh. Rakesh Bhargava
9414079994

Sh. Jagdish Narayan Bairwa
9414696207

Sh. Duli Chand Bairwa
9460387018

Sh.Laxmi Narayan Kumawat
9887256155

Sh. Himmat Singh Rathore
9828044906

Sh. Chiranji Lal
9314405026

Sh. Dhruv Kumar Nirankari
9785825380

Sh. Ram Swroop Bairwa
9929375551

Sh.Hanuman Kumhar
9950363560

Sh. Suresh Kumar Bairwa
9928394058

सम्माननीय सदस्य

Sh. Mool Chand ji
9829475937

Sh. R.P. Verma
9460140625

Sh.Sunil Bali
9352150100

Sh. Sunil Kumar
9887258977

Sh. Ram Niwas Bairwa
9414337482

Dr. Darshan Kuamr Nirmal
9414203003

Sh.Ramesh Khandelwal
9414270394

Sh. Shrikant Sharma
9352205968

Sh.Deen Dayal Verma
9414406090

Sh. Shailandra Khandelwal
9414401470

Sh.Ram Lal Sharma
9928791579

Ms. Chhaju ram Nirankari
9829148228

Sh. Naresh Kumar Kevlani
9828310377

Sh.Bhagwan Sahay Bairwa
9829405406

Smt. Kiran Tiwari
9413334162

Sh Kushi Ram Bairwa
9929420551

सम्माननीय सदस्य

Sh.Sanjay Bairwa
9829109948

Sh. Jai Singh Khangarot
9828620974

Sh.Rakesh Kumar Yadav
9166011880

Sh.Babu Lal Chopdar
9602247508

Smt. Rukmai Devi
9314939112

Sh. Damodar Prasad Gupta
9829059152

Sh. Vinod kumar Chhabra
9314033766

Sh. Ram Gopal Bairwa
9414905478

Sh. Sita Ram Gurjar
9414985128

Sh. Bajrang Lal Sisodia
9829216239

Sh. Ajay Kumar Patel
9352840002

Sh. DR. Asit Trivedj
9414044310

Sh. Bhagwan sahay
9829693201

Sh. Kailash Chand Meena
9461179839

Sh. Narayan Lal Atal
9414887704

Sh. Babu Lal Meena
9928388722

सम्माननीय सदस्य

Sh. Jagendra Singh Sawarda
9414036666

Sh. Alok Manjul
9001256651

Sh. Shrikishan Aloriya
9251505535

Sh.K.K Vashishtha
9829674870

Sh. Hemant Patni
9314186417

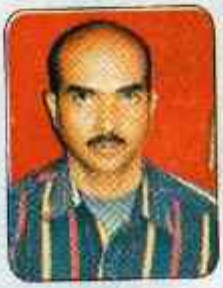

Sh. Ram Sahai Saini
9413348500

Sh. Ravindra Kumar Khangar
9829467528

Sh. Bhanwar Lal Bunkar
9414280447

Sh. Ravi Ojha
9828309302

Sh. Sunil Biyani
9312834832

Sh. Shailendra Agarwal
9314412945

Sh. Badri Lal Mundotia
9414561810

Sh. Ashok Kumar Agrawal
9828130139

Sh. Tara Chand yadav
9414321216

Sh. Mool Chand Kumawat
9828541715

Sh. Ganesh Narayan Sharma
9460192162

सम्माननीय सदस्य

Sh. Mewa Ram Kumawat
9314183861

Sh. Vinod Kumar Pareek
9828045678

Sh. Girdhari Lal Kumawat
9950023041

Sh. Hargyan Singh
9352434278

Sh. Sunil Tanwar
9462084473

Sh. Bhoma ram Meena
9753883355

Sh. Damodar Prasad Sharma
9829428783

Sh. Ashok Dhoopar
9829092796

Sh. Babu Lal Tatiwal
9829084472

Sh.Roshan Lal Saini
9314660290

Poonam Chand Vishnoi
9829333322

Sh.Om Prakesh Mahgtani
9749193397

Sh.Ram Chandera Bairwa
9950186279

Sh.Rajesh Kumar Jangid
9660971266

Sh.Ram Babu Jangid
9772231145

Sh.Naresh Kumar
9829053074

सदस्य

Sh.Vinod kumar Verma
9351690963

Sh. Kailash Verma
9887039014

Sh. Chiranji Lal Verma
9983811010

Sh. Mohan Kumar Mehra
9928117175

Sh. Mukesh Verma
8003168679

Sh. Baba Bharati ji Maharaj
9571718620

Sh. Jagadish Verma
9269083294

Sh. Rajendra Kumar Verma
9887348665

Sh. Mukesh Verma
9351280208

Sh. Manoj Dev
9414787664

Sh. Ram Lal Roshan
9950442593

Sh. Ram Prasad Bairwa
9829348458

Sh. Bikram Bahadur Singh
9252103581

Sh. Sita Ram Bairwa
9314699929

Dr. Jitendra Sharma
9828161226

Sh. Prahlad bairwa
9680418908

सदस्य

Sh. Panchu Ram Mawar
9784830211

Sh.Arvind verma
0141-2171536

Sh.Prem Kumar
9636030335

Sh.Umesh Kumar Goyal
9001854385

Smt. Kusum Lata Goyal
9001854385

Sh. Ramesh Kumar Bairwa
9829744655

Sh.Shiv Dayal Khandelwal
9414773176

Sh. Kailash Chandra Sharma
9828911181

Sh.Prabhu Dayal Nirankari
9414228084

Sh. Jitendra Kumar Bairwa
9351959836

Sh. Ramavtar Bairwa
9928906675

Sh. Banwari Lal Bairwa
9829655197

Sh. Kishan Lal
9785972292

Sh. Surendra singh
9314739901

Sh. Abhishek Vijaivargiya
9414345036

Sh. Moti Lal Bairwa
9252595669

सदस्य

Sh. Devi Lal
9887299730

Sh.Devendara Kumar Seni
9829458306

Sh.Amit Kumar Chauhan
9772157478

Sh.Kailash Chand Sharma
9314512073

Sh. Bhawani Shankar Rager
9461101132

Sh. Manoj Kumar Chomia
9828882470

Sh. Raghunath Rager
9413720233

Ram Dayal Bairwa
9672490810

Smt. Sushila Singh
9352434278

Smt. Rekha Bhatt
9602953497

Sh. Dinesh Chand Sharma
9783959606

Sh. Budhi Prakash Varma
9887852624

Sh. Ganga Sahai Bairwa
9928513506

Sh.Mahesh Kumar Bairwa
9785077003

Sh. Ramavtar Bairwa
9571044459

Sh. Ghansingh Bairwa
9929224985

सदस्य

Sh. Ramji lal Bairwa
9252588839

Sh. Sohan lal Nirankari
9928382215

Sh. S.K. Banshiwal
9414953044

Sh. Netram Rajasthani
9928622887

Sh. Ram Pratap Bairwa
9351141494

Smt. Anandi Devi
9667030344

Sh. Satya prakash Kumawat
9214035609

Sh. Makkhan Lal

Smt. Shantosh Devi
9829167272

Sh. Dr. Narender Singh
9413239105

Sh. Brijesh sani
9983710850

Sh. Ramwater
9972970305

Sh. Mohan Singh
9982854816

Sh. Mukesh singhel
9314881148

Sh. Chhotu Lal Jogi
9024180985

Sh. Kanhaiya Lal Bairwa
9928118632

सदस्य

Sh. Raju Lal Bairwa
9829374771

Sh. Ashok Kumar Khinchi
9413911449

Sh. Kamlesh Kumar Bunkar
9783825961

Sh. Yogendra Upadhyay
9828067675

Sh. Ramesh Chand Bairwa
9460061199

Smt. Vidya Davi
9829383421

Sh. Om Prakash Raigar
94145118855

Sh. Mahesh Dhawniya
9928260244

Sh. Mahendra Singh Chandel
9982201515

Sh. Kamlesh Bairwa
9828430906

Sh. Nathu Lal yadav
9414370520

Sh. Ramkumar Meena
9602864636

Sh. Shiv Raj Bairwa
9829815275

Sh. Sharwan Lal Sharma
9799278450

Sh. Suraj Bhan Singh
9509513594

Sh. Vajer Singh
9828026207

सदस्य

Sh. Jitendra Kumar Vijetan
9636824270

Sh. Govind Singh
9928817075

Sh. Prabu Dayal Bairwa
9928852356

Sh. Mahendra Kumar Mangal
9460547988

Dr. Raj Kumar Meena
9829482205

Sh. Balkishan Akodia
9829677559

Sh. Abhishek Khandelwal
9610111146

Sh. Kailash Chand Mehra
9001860442

Sh. Mukesh Bairwa
9660600551

Sh. Madan Lal Mahawar
9950114039

Sh. Ram Swroop Mahawar
9950114038

Sh. Naresh Agarwal
9828529105

Sh. Mansingh Bairwa
9928155458

Sh. Nandlal Jonwal
9982523753

Sh. Naresh Kumar Saini
9982022333

Sh. Sita Ram yogi
9829487005

विद्यार्थी सदस्य

Mr. Rajeev Bhatt
9602953498

Mr. Saurabh Sharma
9694840679

Mr. Deepak Verma
9529133105

Mr. Chandra Prakash Nirankari
9983552454

Ms. Seema Bairwa

Mr. Sugriv Kumar Bairwa
9571044459

Mr. Attam Prakash Bairwa
9784193422

Mr. Tara Chand Bairwa
9602696594

Mr. Santosh Kumar Bairwa
9529223752

Mr. Shekhar Asal
9772931615

Mr. Suresh Biloniya
9352729251

Mr. Yogesh Moraya
9636376152

Mr. Teekaram Dhobi
9667758723

Mr. Naval kiushor Mirotha
9024883884

Mr. Rupesh Mirath
9829170618

Mr. Mahesh kumar Lohra
9636620361

विद्यार्थी सदस्य

Mr. Rahul Kumar Sihghal
9829303391

Mr. Ghyan Chand Lohera
9636620765

Mr. Dinesh Kumar Bairwa
9660852719

Mr. Kailash Chand Bairwa
9496605103

Mr. Buddhi Prakash Bairwa
9928941448

Sh.Lokesh Bairwa
9414336431

Mr. Neeraj Kumar Mittal
9785452355

Mr. Ravi kumar Mittal
9785452355

Mr. Rahul Kumar Mittal
9785386697

Mr. Hansraj Kumar
9460706170

Ms. Maina Kumari Meena

Ms. Sulochana Nagar

Mr. Ravi Sathe
9460237559

Mr. Vinod Kumar Bairwa
9887976870

Ms. Vandana Devanda

Mr. Dinesh Kumar Varandani
9928379077

विद्यार्थी सदस्य

Mr. Javed Mohammed
9667536705

Mr. Rajeev Gupta
9785216352

Ms. Poonam Tiwari

Ms. Manisha Dixit

Mr. Suraj Kumar Bairwa
9928941448

Ms. Meenu Mehra

Ms. Monika Bairwa

Mr. Lokesh Kumar Kamalwal

Mr. Ram Prasad Jagid
8003802485

Mr. Arvind Khorwal
9352184058

Mr. Jitendra Singh Choudhany
9509271222

Mr. Mukesh Kumhar
9667241964

Mr. Lokesh Kumar Bairwa
9887354376

Mr. Chetram Meena
9414051286

Mr. Hansraj Bairwa
9783904489

Mr. Bhagirath Bairwa
9887354376

विद्यार्थी सदस्य

Mr. Om Prakash Regar
9950284680

Mr. Shri Krishan Kumar
9887354376

Mr. Sharad Tripathi
9828545636

Mr. Piyush Yadav
9785222111

Mr. Krishan Murari
9460005989

Mr. Prabhu Dayal Bairwa
9785233463

Mr. Deen Dayal Bairwa
9785233463

Ms. Shubha Tripathi

Mr. Mohit Lodiya
9460387081

Mr. Dhanraj Lodia
9785735133

Mr. Chetram Meena
9887812539

Mr. Radhay shyam bunker
9929905780

Ms. Sanju Bairwa

Mr. Mukesh Bairwa
9024141405

Mr. Amba Lal Gurjar
9351949842

Mr. Rakesh Kumar Lohra
9636620765

विद्यार्थी सदस्य

Mr. Sunil Kumar Gughawal
9799638183

Mr. Vinod Kumar
9694293070

Mr. Dev Narayan Gurgas
9667609399

Mr. Guru prakash Bairwa
9636521808

Sh. Avinash Singh Tawar
9529149848

Sh. Sandeep Sharma
9887077197

Sh. Neeru Bairwa

Sh. Ganesh Nirankari
9214025332

Sh. Brahma shanker vaishnav
9462871041

Ms.Shagufta Siddiqut
9529649406

Mr.Ashvini Kumar Swami
9660282540

Mr.Santosh Kumar Ambesh
8107317048

Mr.Manish Goyal
9784516987

Mr.Naresh Kumar
9829053174

Mr.Vivek Kumar Sahu
9529240300

Mr. Viraat
978311912

हार्दिक शुभकामनाओ सहित:

चौपडा
इलेक्ट्रीकल्स

(बिजली के सामान के होलसेल
एवं रिटेल विकेता)
बिजली फिटिंग के कार्य लेबर
रेट पर किया जाता है।

श्रवण लाल चौपडा

EPIP गेट के सामने, सीतापुरा, टोंक रोड,जयपुर
9414336998,9929834516

PRADEEP COMMERCIAL INSTITUTE

THAKUR TAHILANI
VINOD TAHILANI
Mob:9983255575

- COMPUTER TYPING
- DIGITAL PHOTOSTAT (COLOUR AND B & W)
- LASER PRINTING(COLOUR AND B & W)
- LAMINATION
- SPIRAL BAINDING, FAX
- SPECIALIST IN THESIS WORK & THESIS BINDING

SADGURU TEUN RAM MARG, BARAFKHANA, SECOND CROSSING JAIPUR-4
PHONE: 0141-4038575 & TELE-FAX: 0141-2609783 E-mail:pradeepcompt@gmail.com

R.C.B
BUILDING PAINTER

पेन्ट:
प्लास्टिक, रॉयल, वेलवेट टच वाला

डिजाइनिंग:
रॉयलप्ले डिजाइनिंग

Exterior :
एस, ऐपक्स, ऐपक्स अलटीमा वेदरसील्ड, टेक्चर पेन्ट

पॉलिश:
स्प्रीट, लेकर , मेलामाइन

Ramesh Chand Painter
Mob-9709439890

13, Tirupati Balaji Nagar, Opp : Airport Sanganer Jaipur

With best Compliments from

LALA RAM BAIRWA
CIVIL CONTRACTOR

ALL TYPE OF CIVIL CONSTRUCTION WORK

Mobile : 9166541013

Village-Sindauli, Tehsil-Bassi, Distt.- Jaipur

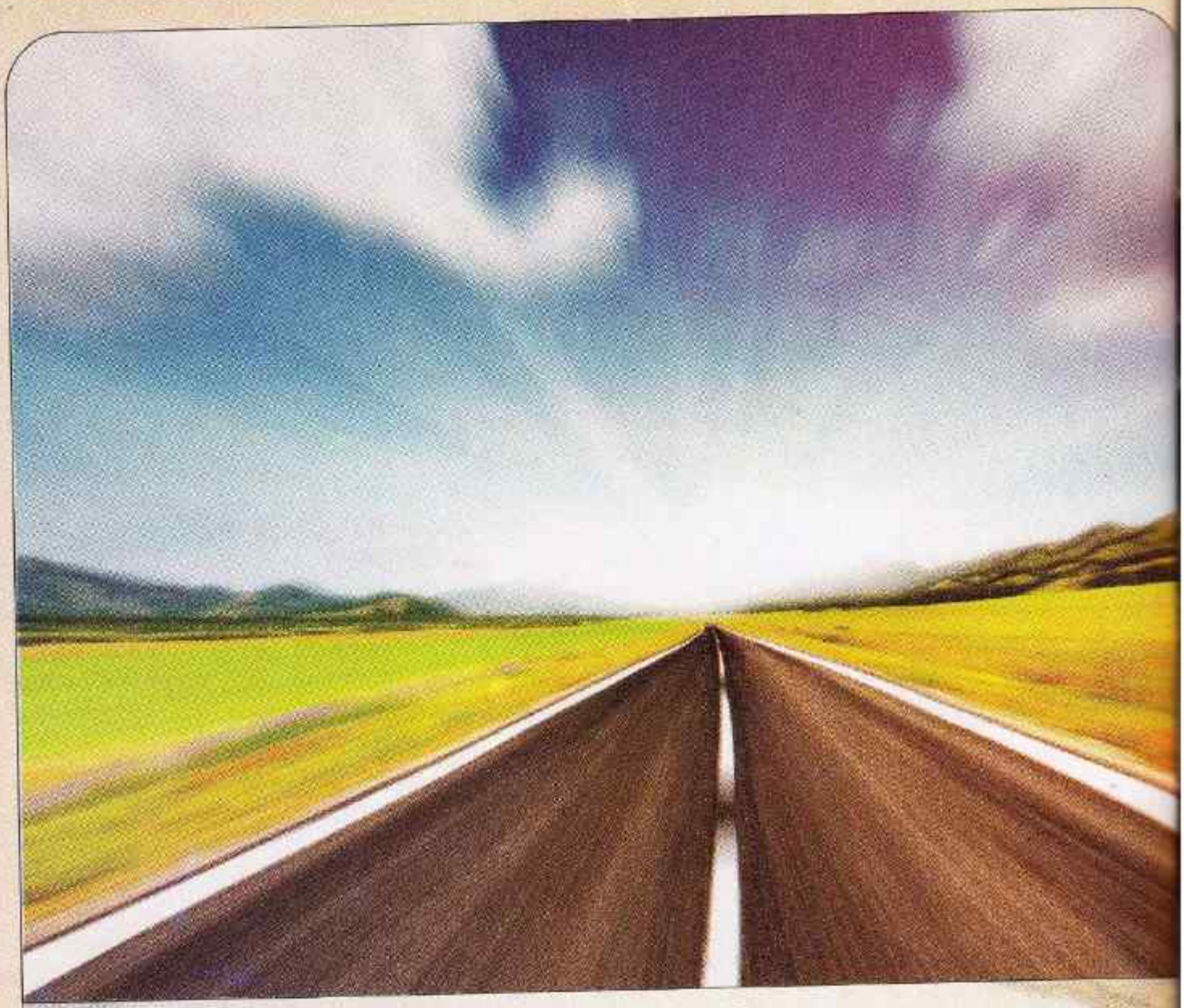

सिविल कान्ट्रेक्टर

सभी प्रकार की रोड़ का कार्य कुशलतापूर्वक किया जाता है

न्याकूराम

171/37, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

मो: 9312908771

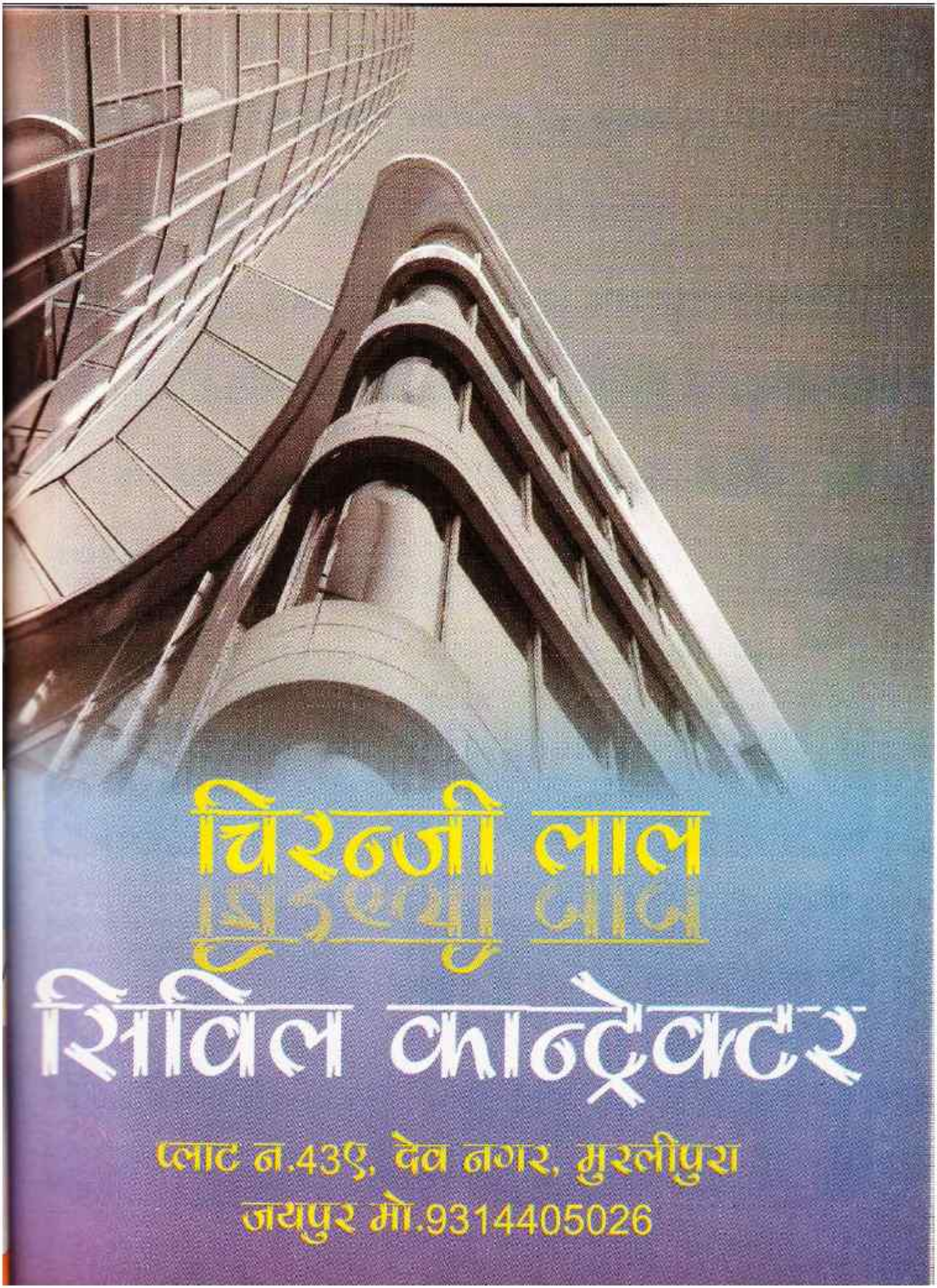
चिरन्जी लाल
सिविल कान्ट्रेक्टर
प्लाट न.43ए, देव नगर, मुरलीपुरा
जयपुर मो.9314405026

17 जनवरी, 2010

शिक्षा के लिए 18 बच्चों को गोद लिया गया। मुख्य अतिथि शिक्षाविद् श्री दीपक महान ने कहा कि 'शिक्षा को रोजगार के साथ न जोड़ें बल्कि इसका उद्देश्य सेवा, सहयोग, समर्पण होना चाहिए.

शिक्षा सहायतार्थ कार्यक्रम में बच्चों को शिक्षा सामग्री वितरित की गई।

21 फरवरी, 2010

सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत निर्धन बच्चों को वैश्विक भाषा अंग्रेजी में निपुण करने के लिए "निःशुल्क अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र" की स्थापना, समर्पण शिक्षा केन्द्र प्लाट नं. 368, दयानन्द नगर फेज–प्रथम झालाना डूँगरी, जयपुर में की गई।

21 फरवरी, 2010

निःशुल्क अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र के उद्घाटन पर संस्था के मुख्य संरक्षक श्री सतीश खुराना ने कहा – समाज के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है।

01 अप्रैल 2010
(महिला शिक्षा की शुरूआत)

संस्था द्वारा 'समर्पण शिक्षा केन्द्र' झालाना डूँगरी में निरक्षर महिलाओं को साक्षर करने के लिए महिला शिक्षा कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय पार्षद श्री देवेन्द्र सिंह शंटी ने किया।

महिला शिक्षा कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर श्री शंटी ने कहा कि 'शिक्षा जीवन का आभूषण है जीवन की सफलता के लिए शिक्षा जरूरी है।

शिक्षा ही जीवन

समर्पण शिक्षा केन्द्र में शिक्षा प्राप्त करती हुई महिलाऐं व अवलोकन करते हुए संस्था के अध्यक्ष श्री दौलत राम माल्या।

अपने पूरे विश्वास के साथ अध्ययन करती हुई महिलाऐं।

महिला शिक्षा कार्यक्रम का अवलोकन करते हुए शिक्षा प्रभारी श्रीमति रमा धीरेन्द्र व अन्य पदाधिकारीगण।

निःशुल्क अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र में अंग्रेजी पढ़ते कक्षा 3 से 5 के बच्चें।

25 अप्रैल, 2010

(पक्षियों के लिए परिंडे)

संस्था सदस्यों ने झालाना स्थित पार्क में गर्मी से बेहाल पक्षियों के लिए परिंडे लगाये।

समर्पण जल सेवा

समर्पण संस्था की ओर से 3 मई 2010 को कुंम्भा मार्ग, प्रताप नगर, सांगानेर मे जल सेवा (प्याउ) का उद्घाटन किया गया।

श्रद्धांजलि

समर्पण संस्था के सदस्यों द्वारा 13 मई 2010 को जौहरी बाजार बम विस्फोट मे ब्रह्मलीन दिव्य आत्माओं की शांति के लिए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी गई।

पर्यावरण - दौड़ में संस्था

समर्पण संस्था सदस्यों ने

विश्व पर्यावरण दिवस

5 जून 2010 को पर्यावरण सुरक्षा के लिए
जयपुर के प्रसिद्ध अल्बर्ट हॉल से दौड़ लगाई।

योग शिविर

समर्पण संस्था द्वारा प्रताप नगर स्थित टेगोर भारती सीनियर सैकण्डरी स्कूल प्रांगण में 1 जुलाई से 31 जुलाई तक एक योग शिविर का आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन उधोगपति श्री दिनेश परनामी ने किया।

आत्म अनुशासन - बनाता है - सन्तुलित जीवन

वृक्षारोपण कार्यक्रम

रविवार 8 अगस्त, 2010 को समर्पण संस्था द्वारा सीतापुरा औधोगिक क्षेत्र के एक्सपोर्ट प्रमोशन इन्डस्ट्रीयल पार्क में सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया संस्था सदस्यों ने पोधारोपण कर उनके देखभाल का संकल्प लिया।

समर्पण संस्था सदस्य सीतापुरा औधोगिक क्षेत्र के एक्सपोर्ट प्रमोशन इन्डस्ट्रीयल पार्क में सदस्य वृक्षारोपण करते हुए।

वैश्विक उष्णता (Global Warming) से बचाव की दिशा में वृक्षारोपण

स्वतंत्रता दिवस पर झण्डारोहण कार्यक्रम

समर्पण संस्था के कार्यालय पर 15 अगस्त, 2010 को स्वतंत्रता दिवस पर झण्डारोहण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था में अध्ययनरत बच्चों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किये गये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंधक श्री बी.एल. बुनकर एवं विशिष्ट अतिथि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक श्री बी.आर. मीणा थे।

रक्तदान शिविर

समर्पण संस्था सदस्यों ने संस्था द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में उत्साह के साथ मानवता के लिये रक्तदान किया। शिविर का आयोजन संतोकबा दुर्लभजी ब्लड बैंक के सहयोग से किया गया।

शिविर का **उद्घाटन स्थानीय पार्षद श्रीमती उर्मिला नावरिया** ने फीता काटकर किया।

किया जीवन का सम्मान, करके रक्तदान

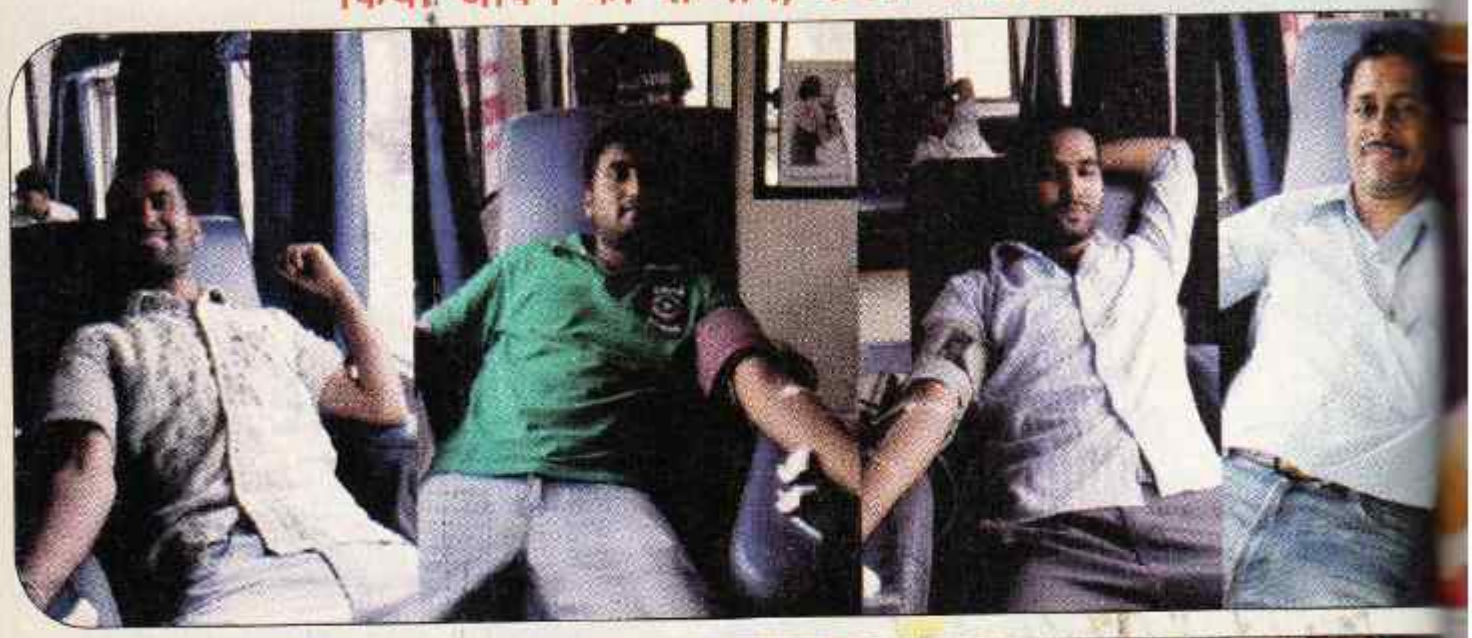

जीवन बचाने के लिए विद्यमान – रक्तदान अभियान

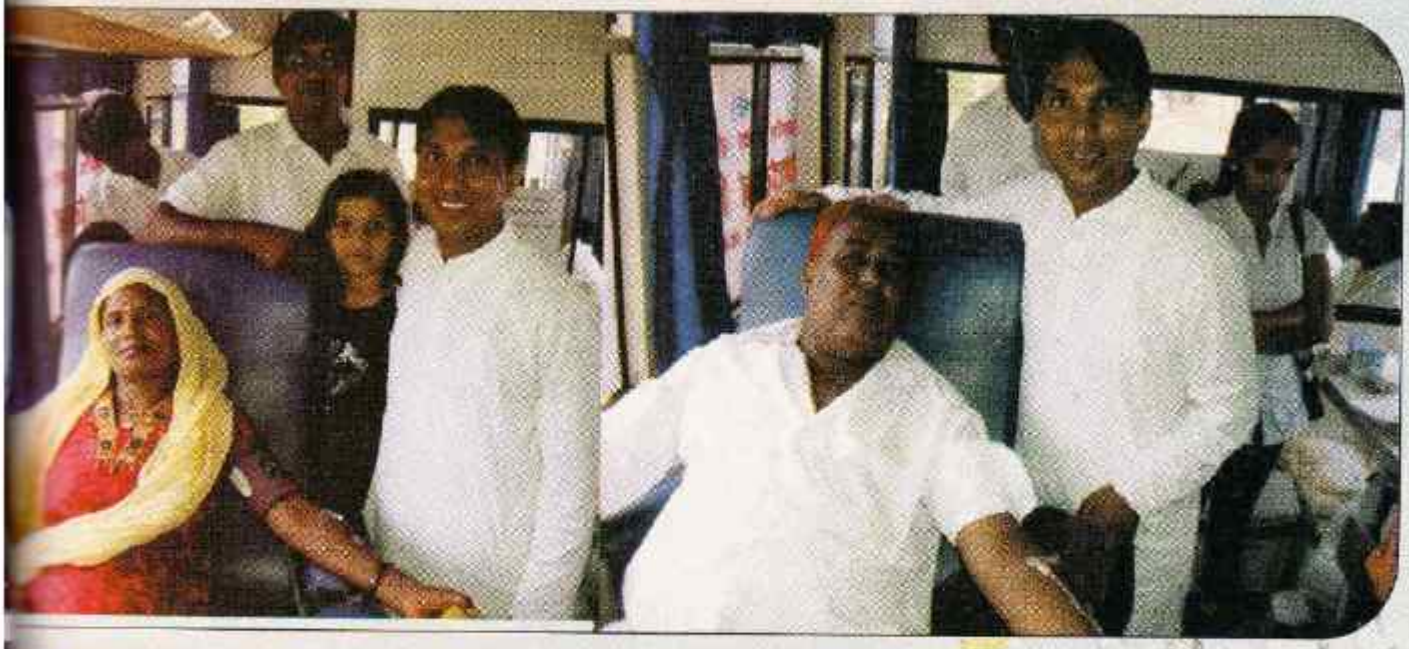

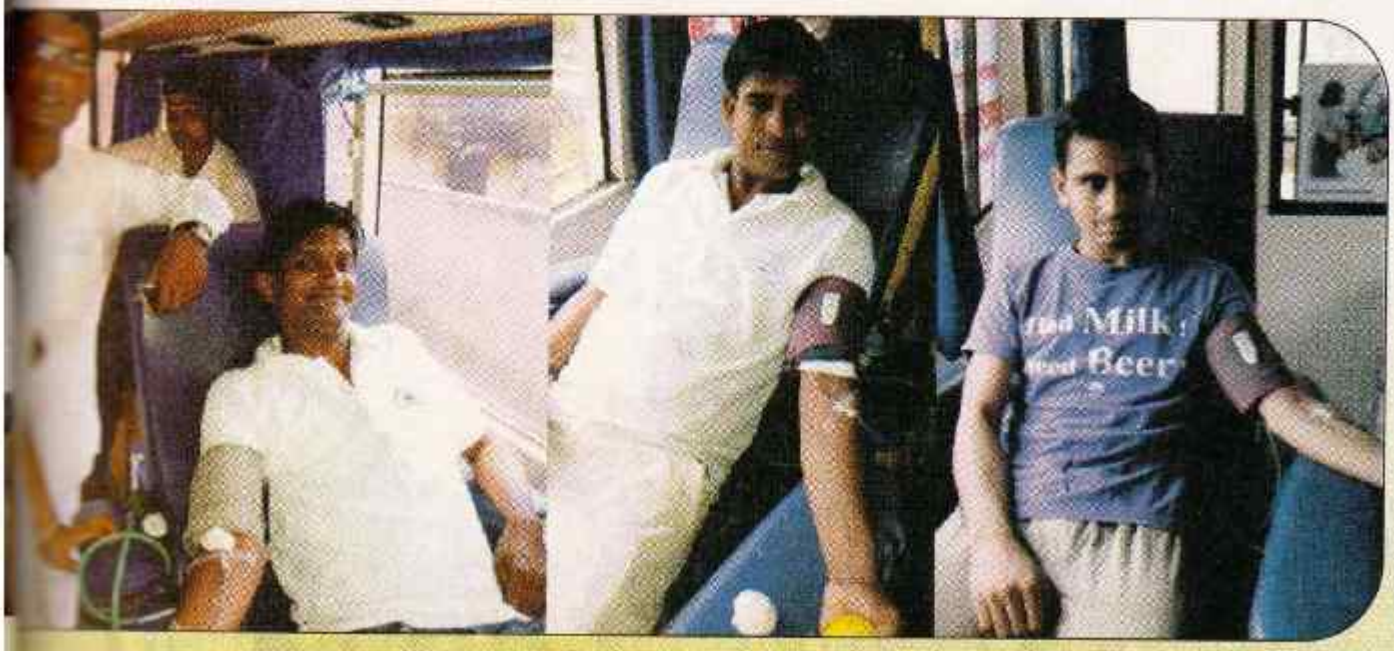

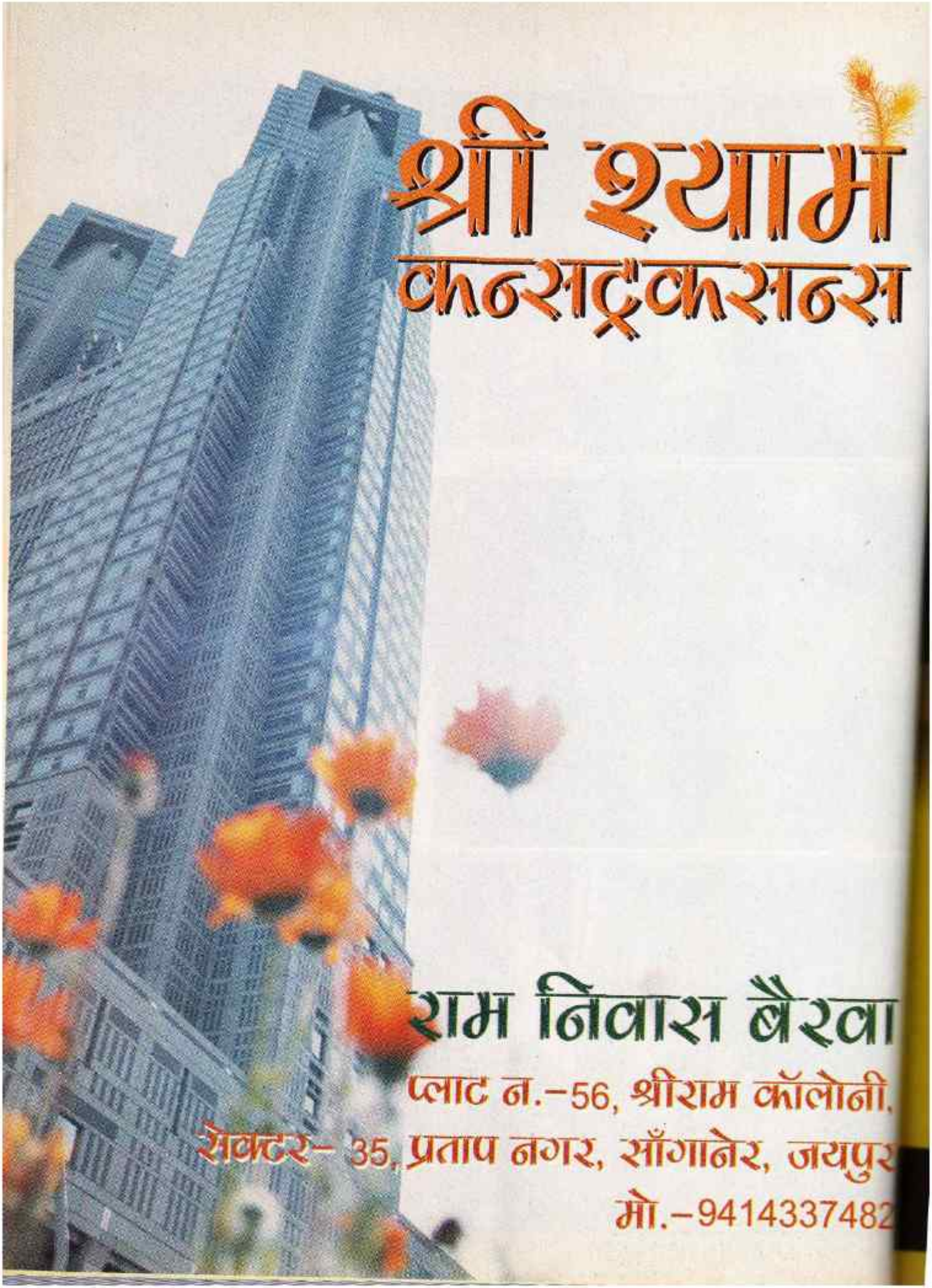
श्री श्याम
कन्सट्रक्सन्स
राम निवास बैरवा
प्लाट न.-56, श्रीराम कॉलोनी,
सेक्टर- 35, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर
मो.-9414337482

श्री बाबू लाल चौपदार

सिविल कान्ट्रेक्टर

75/76, टैगोर लेन, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर
Mob.9602247508, 9460788178

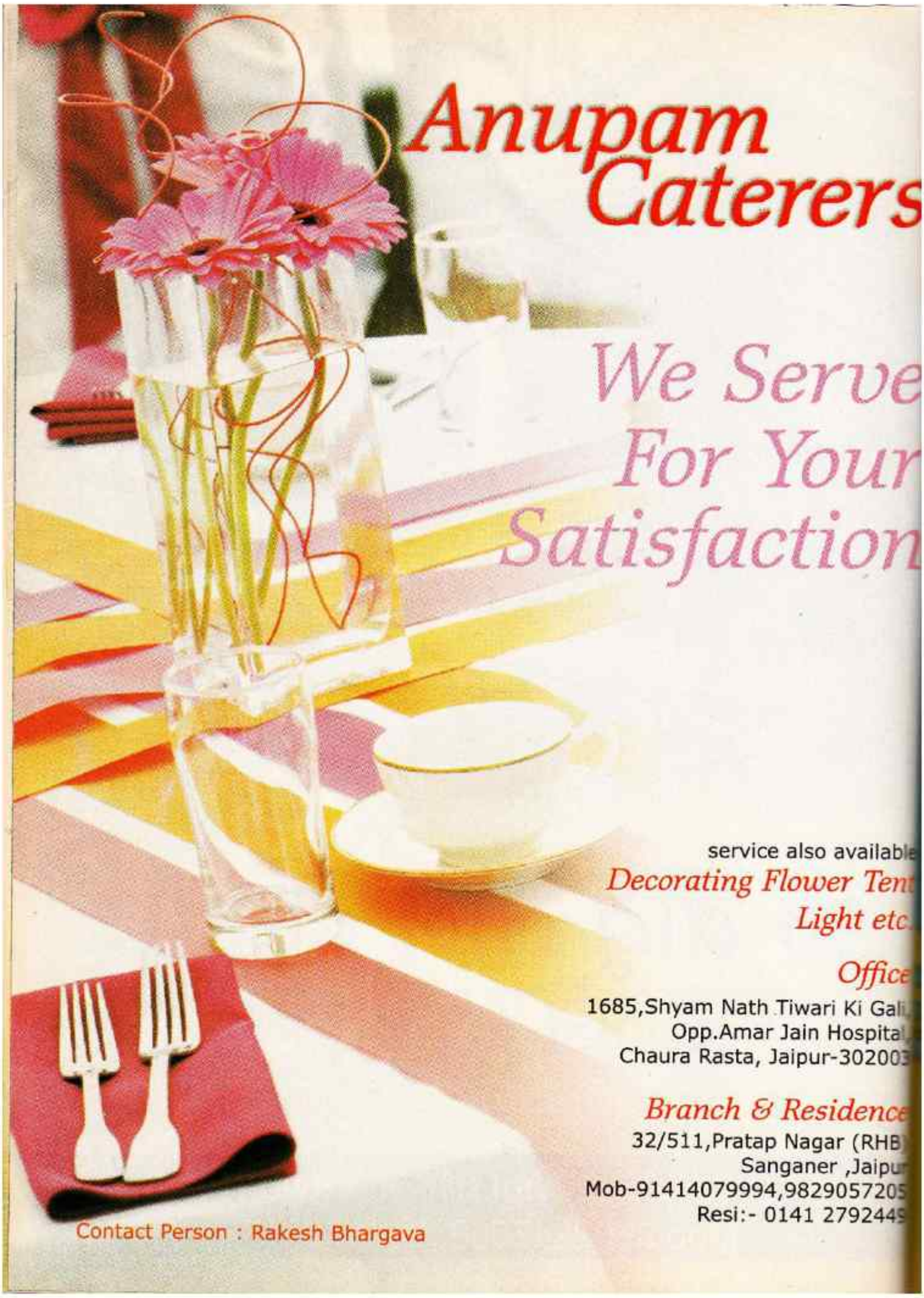
Anupam
Caterers
We Serve
For Your
Satisfaction
service also available
Decorating Flower Tent
Light etc.
Office
1685,Shyam Nath Tiwari Ki Gali,
Opp.Amar Jain Hospital,
Chaura Rasta, Jaipur-302003
Branch & Residence
32/511,Pratap Nagar (RHB)
Sanganer ,Jaipur
Mob-91414079994,9829057205
Resi:- 0141 279244
Contact Person : Rakesh Bhargava

Tara Chand Yadav

BUILDER

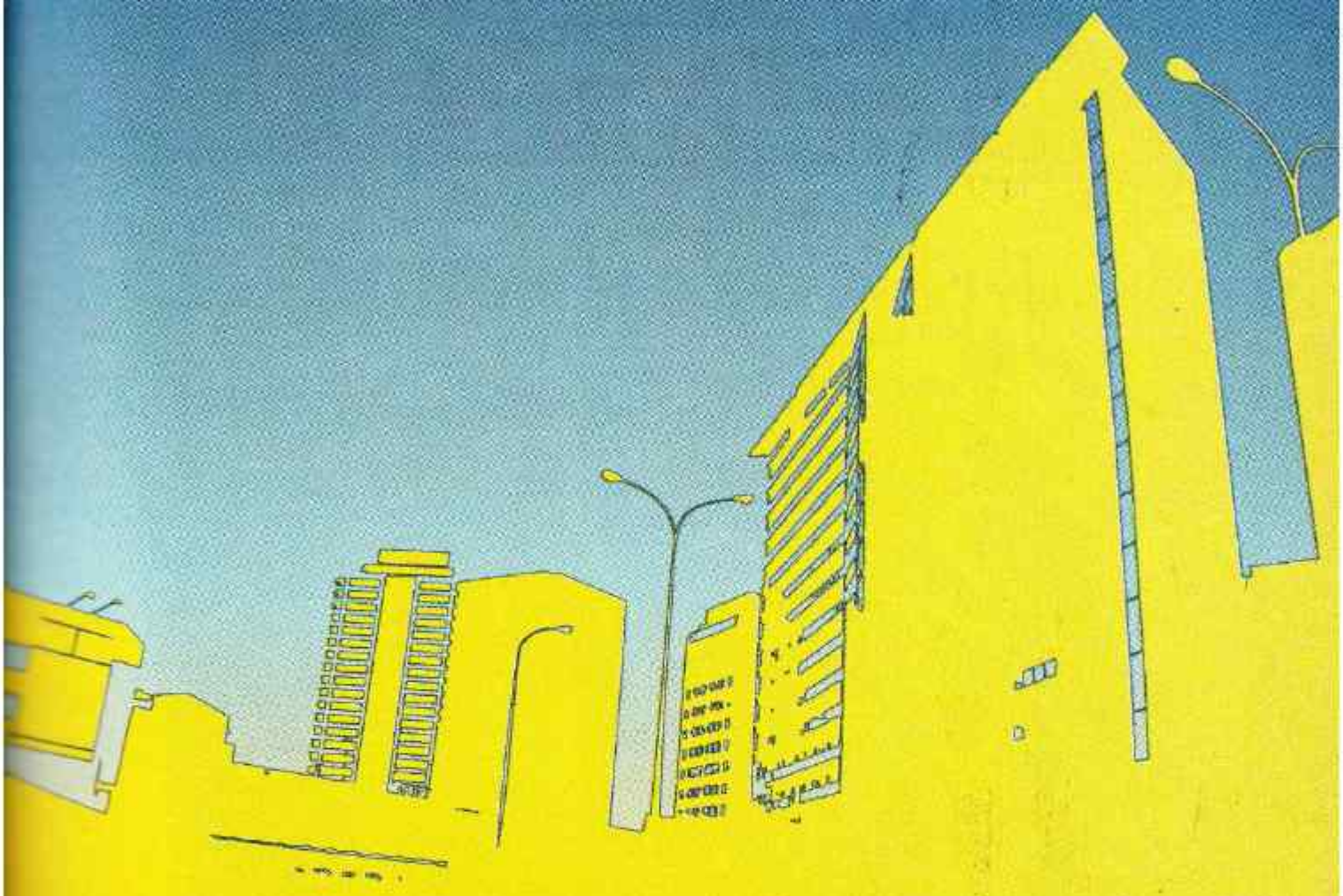

P.N.46,Shiv Colony, Opp: AirPort, Sanganer Jaipur, M-9414321216

Hari Misthan Bhander

AKHROT MITHAI · SEV MITHAI · SPECIAL SHAHI KHURAK · KARACHI HALWA

KAMAL JOTWANI and PRADEEP JOTWANI

126-127,Hawa Mahal Road,Jaipur,Phone(0): 2619486, Mob.9460382255

Nirankari Construction

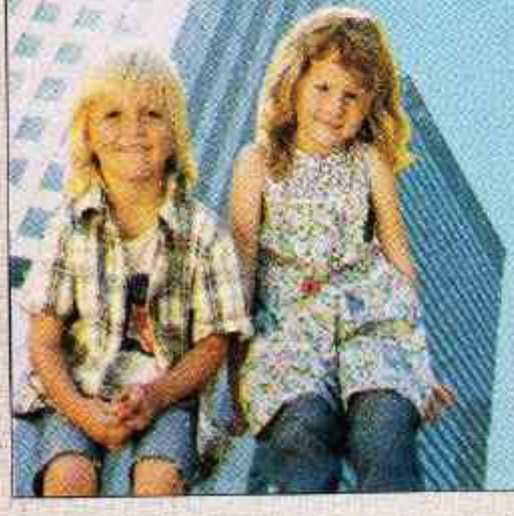

Ramdhan Bairwa

Village-Kheda, Malukpura, Tehsil-Bassi Distt. Jaipur

Mobile:9929871511

NARBDA
WALLPAINTING
Royal Play
Birla White
Melamine Polish
Plastic Paint
Works in Reasonable Rate
Jagdish Prasad Painter,
M-9269083294,9667361676, Resi- 0141-3129869
15,Near Surjbhan School,Tirupati Balaji Nagar, AirPort, Sanganer, jaipur

IMAGINATION
a HOUSE OF aLUMINAM WORKS
aLLUMINIUM DOOR WINDOWS PARTITION SPIDERFITTING GLAZZING HOLOZED a.C.P FRAME LESS WORKS
SHAILENDRA KHANDELWAL
M:9414401470,9214301470
B:116,Nandpuri Colony,22 Godam,Jaipur,Email:imagination.Khanndelwal@gmail.com

Gupta Enterprises

S-84 Barkat Nagar,Opp-Luv Kush Nagar -II
Tonk Phatak, Jaipur Phone : 0141-2591517,25

रेल्वे आरक्षण
रोडवेज टिकिट:आरक्षण

Air Tickets (All Flights)
Online Movies Tickets
All Mobile Recharge Coupons
Tv Connection & Recharge Coupon

Idea TATA Airtel
Vodafone BIGTV TATA Sky

Cyber-Cafe,Laser Print,Scanning,
Computer Job-Work
FAX & I.S.D.Service
Postpaid Bill Payment of
AIRTEL, Vodafone, Tata, Idea Etc.

राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त उच्च
तकनीक पर आधारित ऑडियो,विडियो
कम्प्यूटर प्रशिक्षण

ND
NANAKDEV TENT HOUSE

Exclusive Marriage
Function
Exhibition
Events
& All Arrangement

Swami Sarvanand Market, Barafkhana, Jawahar Nagar Road, Jaipur-302001
Ph:(O) 0141:3210212,2610972 M: 9352277718

Sita
Ram Yogi
All types of
Sanitary Fitting works
PLUMBER
MOb-9829487005,
Ramgarh Mod,Kagdiwada
Jaipur

COMPUTER POINT
Sales
Networking
Accessories
AMC
Ramesh Khandelwal
Mob-9414270394, F-40, Raisar Plaza, Indira Bazar, Jaipur

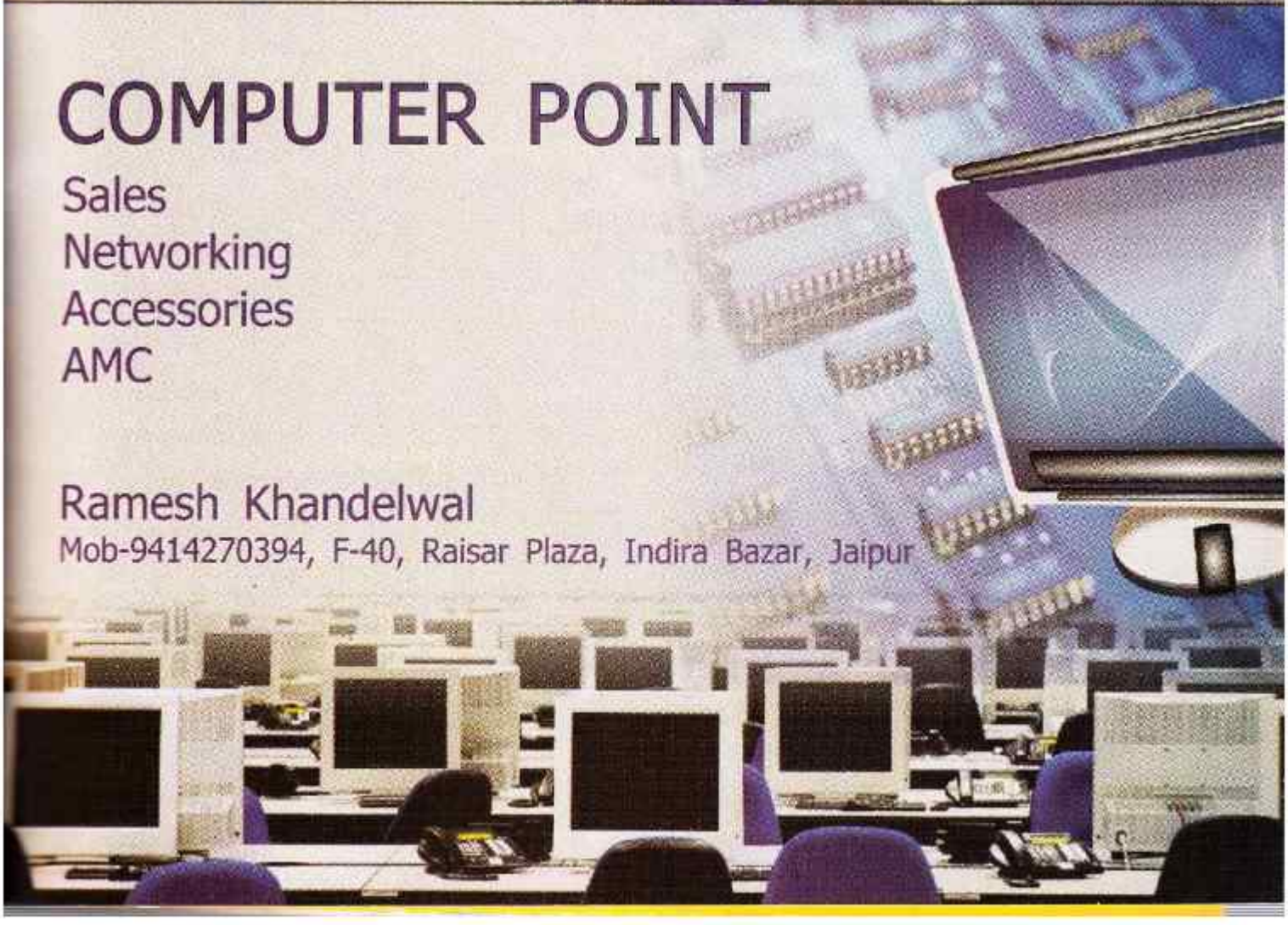

VAIBHAV INTERIORS

A House Of Aluminum
Fabrication Furniture
& Interiors

Aluminum Composite Panel
Frame Less Glass Door
Structural Glazing
Door Window
Partition
Blinds
Carpets
PVC Flooring

Vinod Kumar Pareek
192/226, Pratap Nagar, (R.H.B), Sanganer, Jaipur
Ph.N-5122012,2175763, M-9414067303-9828045678

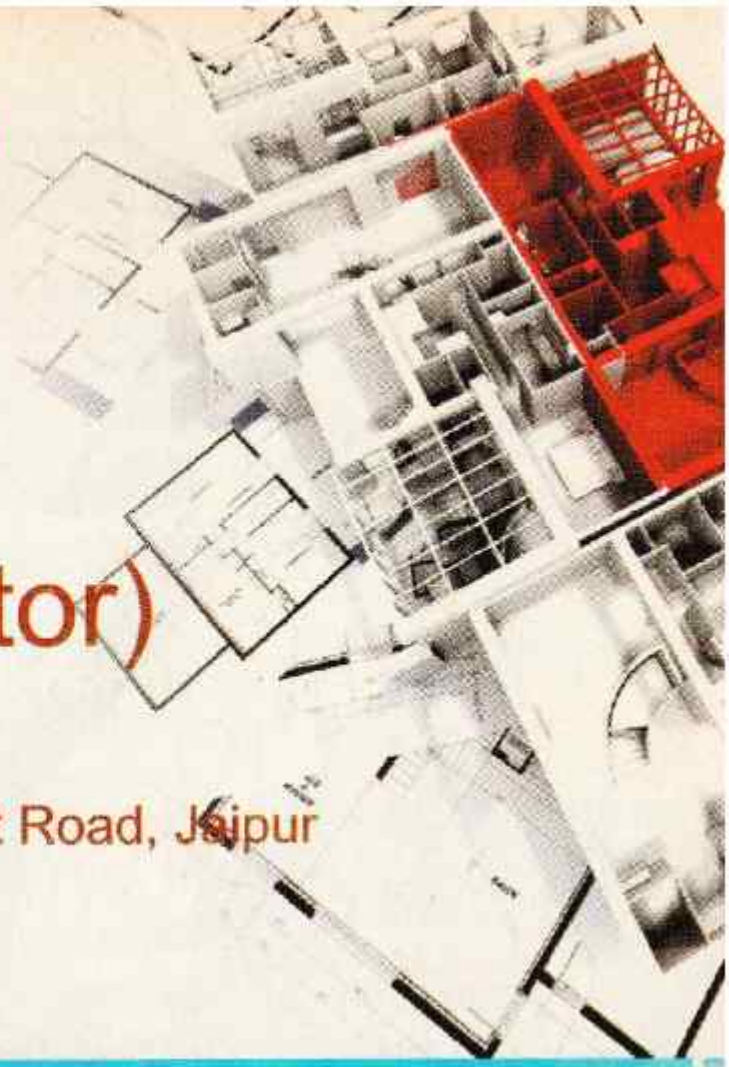

Badri Lal Mundotiya
Mob. : 9414561810

(Civil Contractor)

B-329,Mahesh Nagar ,80 Feet Road, Jaipur

Bharat Singh

POP CONTRACTOR

Plot No. : 25-A, Saini Colony, Mikki Nagar, kartarpura, Jaipur
Mob. : 9829279718

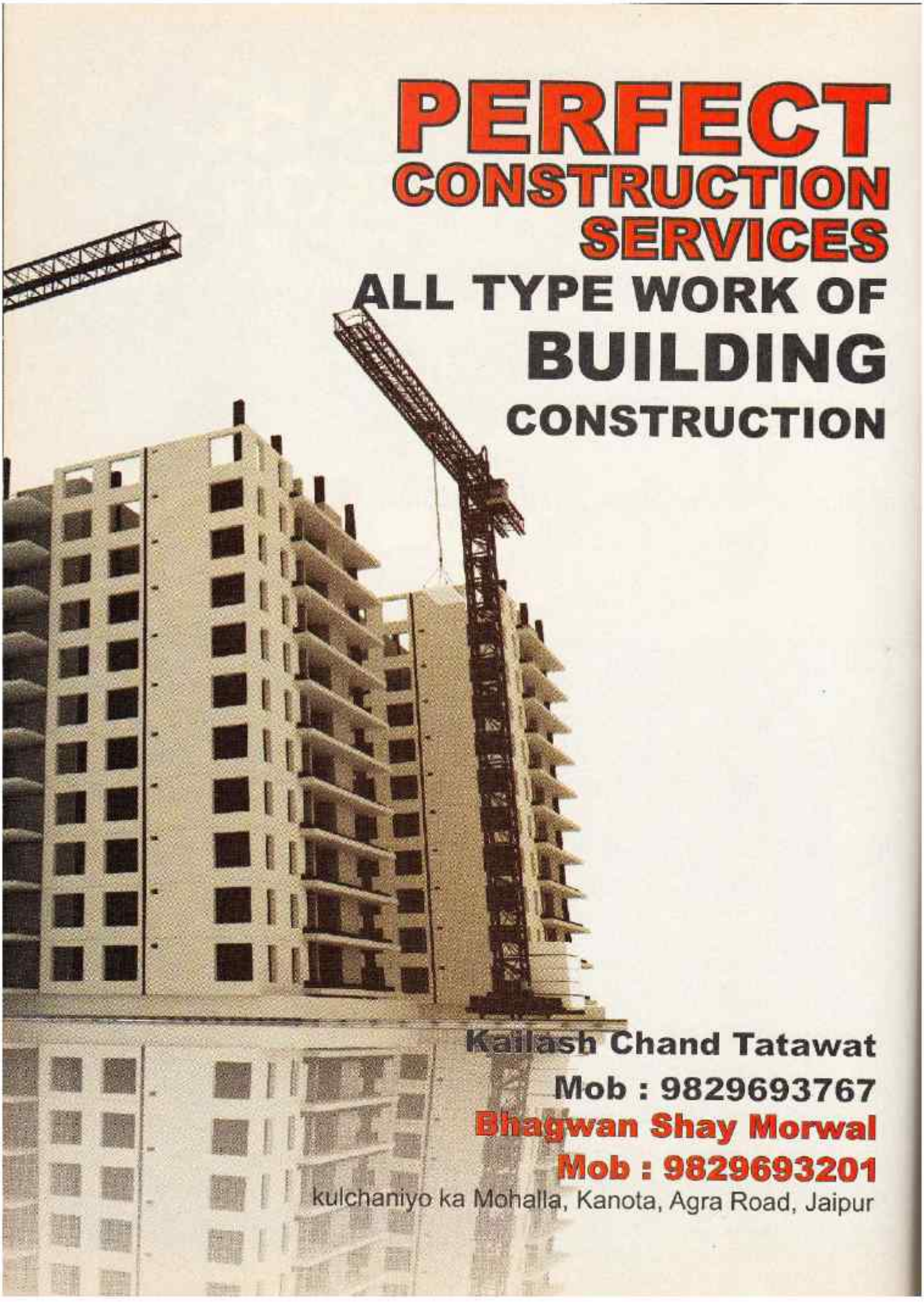

PERFECT
CONSTRUCTION
SERVICES
ALL TYPE WORK OF
BUILDING
CONSTRUCTION
Kailash Chand Tatawat
Mob : 9829693767
Bhagwan Shay Morwal
Mob : 9829693201
kulchaniyo ka Mohalla, Kanota, Agra Road, Jaipur

Ravi Ojha

ALL TYPES OF POP WORK.

Mob : 9828309302

P.No.: A-26, Ganpati Vihar, Hatwara Road, Hasanpura, Jaipur

ABINITIO CHILDREN ACADEMY

An English Medium School
Reg.No. 977/2008-09

एबीनिशियो चिल्ड्रेन एकेडमी

(M) 9928155458
(M) 9460067379
(M) 9982523753

अंग्रेजी आज की आवश्यकता है और आने वाले समय की अनिवार्यता है।

वशेषताऐं

नि.शुल्क प्रवेश। 2.बैठने के लिए फर्नीचर की पूण सुविधा
White Board द्वारा प्रवेश
पानी के लिए Pure it Water Filter की व्यवस्था।
प्रशिक्षित अध्यापिकाओं द्वारा शिक्षण।
बच्चों के लिए Library की व्यवस्था।
Play Group में Toys द्वारा शिक्षण
कम्प्युटर शिक्षण की व्यवस्था। मनोरंजनात्मक खेल–खेल में शिक्षण।
दूर से आने वाले छात्र:छात्राओं के लिए वाहन सुविधा।
कक्षा में स्थान सीमित।

अन्य गतिविधियां

स्केटिंग
डास
Indoor Games (कैरम,चैस,म्यूजिकल चेयर,तम्बोला)
सभा,प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम

Head Master: Nandlal Jonwal (M.A.B.Ed.English), Director : Hemlata (M.A.B.Ed.English)
54 Phase-I,Dayanand Nagar Jhalana Hills, Jaipur-302004

AVATAR Associates

Road and Land Survey Work & Building Layout
Colony Planning Demarcation work
Khasara Super in Imposition, Autocad Drafting work

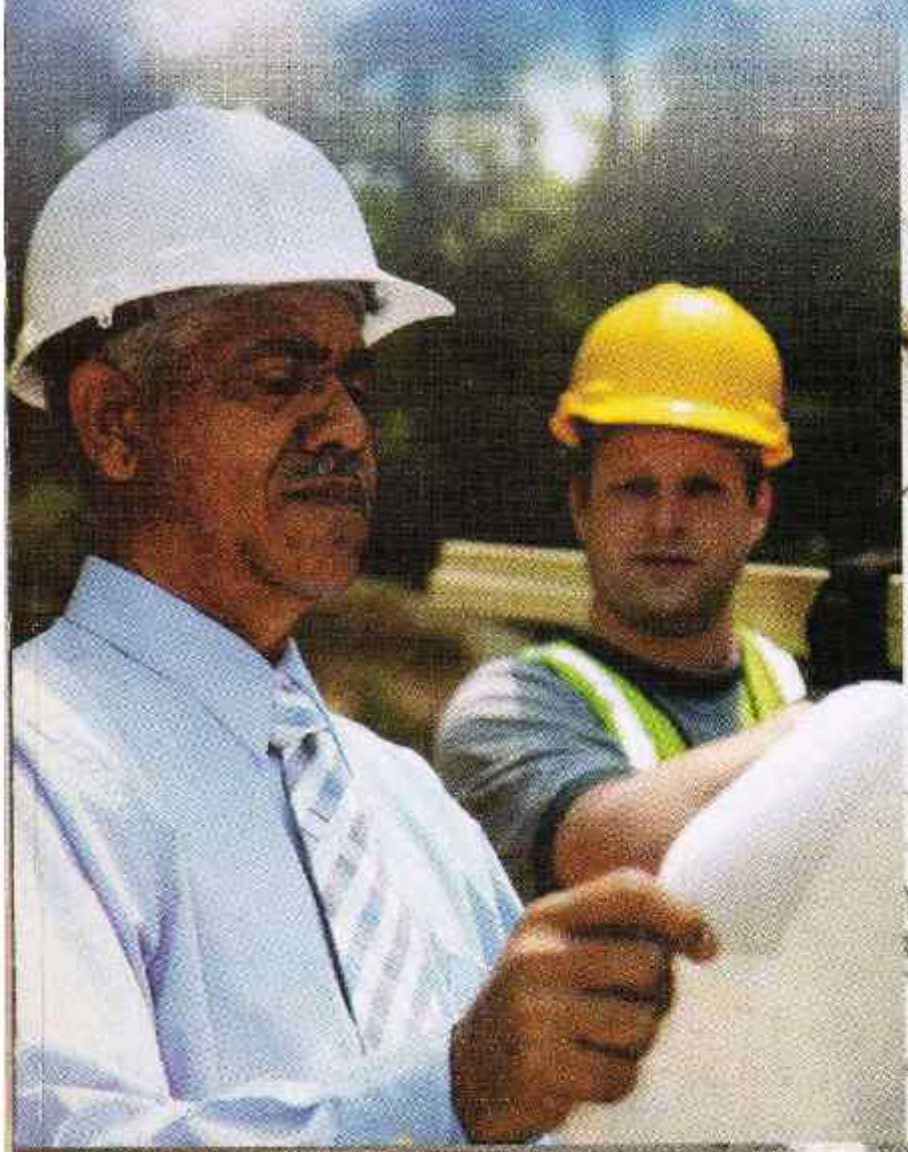

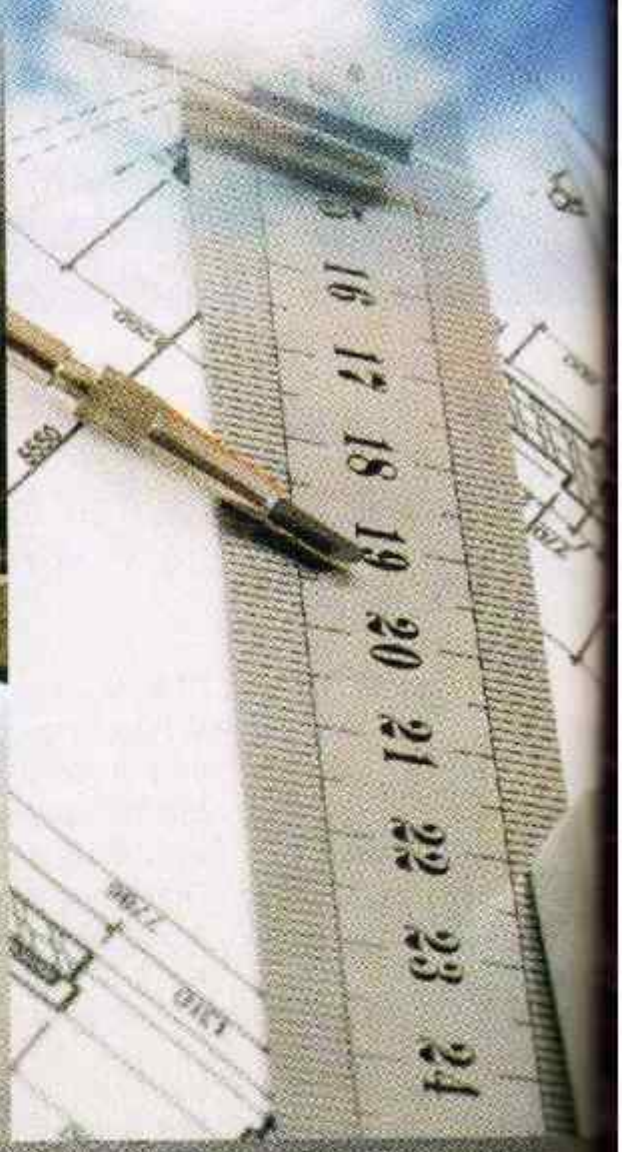

A.237,80 Feet Road, Mahesh Nagar, Tonk Phatak Jaipur
Mob:9928010564,9314645994

TATA TISION
अटूट जोड़

बिरला सीमेन्ट
सम्राट
एम पी बिरला गुप

MANGALA
मंगला सरिया
An 180 9001 Co.

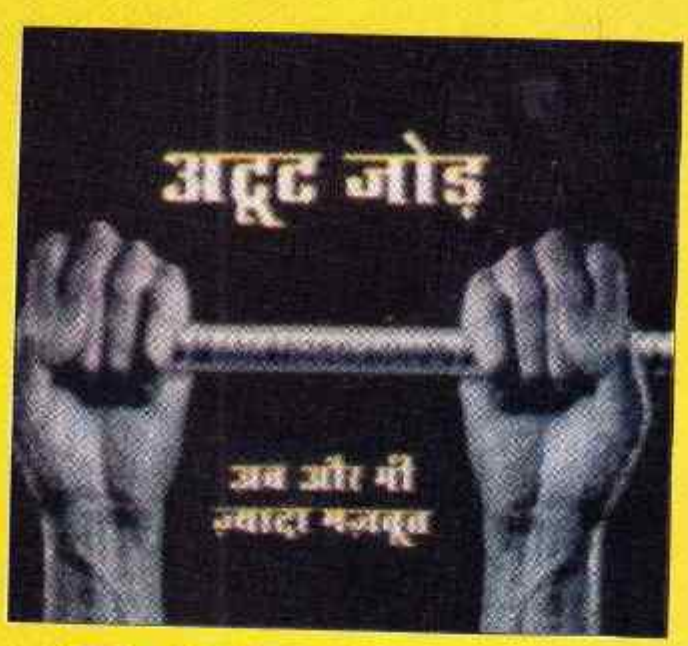

Shree Mahaveer Steels

Authorised Dealer of TATA TISCON & MANGALA TMT

Ronak Enterprises

Authorised Dealer of BIRLA CEMENT

Shop No.65,Opp Sec.3,Near Golshala,Tonk Road,
Sanganer,Jaipur
(M) 9414073594, 9680077000, 9950114243

With best compliments from

रामजी लाल बैरवा
सिविल कान्ट्रेक्टर

P.No:16, Bhuvneshwari Watika, Karni Palace Road
200 feet Bye Pass, Vaishali Nagar, Jaipur
M: 9414070158

इक तू ही निरंकार

शंकर लाल टाटीवाल
Mob. : 9829167272

(बिजली ठेकेदार)
बिजली फिटिंग सम्बन्धी सभी प्रकार के कार्य उचित रेट पर किये जाते हैं।
Plot No. 2-A, Dev Nagar, Sanganer, Jaipur

Vveto
Since 1967
SWITCHES & ACCESSORIES

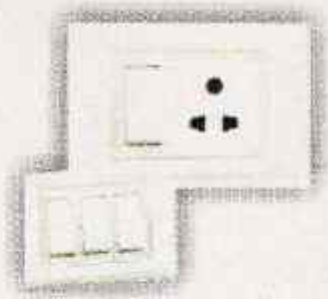

Shanti
electricals

RAMSWAROOP NIRANKARI
Mob. : 9929375551

H.No.134,Station Road ,Opp. Dalda Factory,Durgapura,Jaipur

N.D.
Catersrs
Customer Satisfaction is Our Motto.

217,Sindhi Colony,Raja Park,Jaipur
Naraindas Balani : 9252496000,9950948565
Kamal Balani : 9414071650
Bhagwan : 9214670626
(Off.) : 0141 2600704, 5061348

सुरेश चन्द शर्मा (तुड़ाई ठेकेदार)

जेसीबी ट्रेक्टर ड्रीलमशीन आर सी सी कटर
आदि सेवाऐं उपलब्ध है।

प्लाट न : 2, शिव वाटिका, महेश नगर जयपुर

मो : 9828946182

Wood Art Furniture

लकड़ी से संबन्धित कार्य सन्तोषपूर्वक किया जाता

Mool Chand Gothwal
Laxmi Narayan Beniwa

M:9829475937,9799809257,
Add:Shrirampura,Teh:Bassi
Sambharia Road,Jaipur

Naresh Genral & Gift Centre

THINKING ABOUT A GIFT
we have solutions

Naresh Kumar
Phone : 01412502946 (S) Mob : 9982022333
A-6, Mahesh Nagar, 80 Feet Road, Jaipur

Hanuman Kumhar
Civil Contractor

आर सी सी सम्बन्धित कार्य
सन्तोषजनक किया जाता है।

49B, Kalyan Nagar, Rampura Road, Sanganer, Jaipur Mob : 9950363560

With best Compliments from

Suresh Chand Bairwa

R.C.C. Contractor

S. K. Construction

Village-mandahedi, Post-Achalpura, Tehsil-Chaksu, Jaipur
Local Add: 37, Sunil Nagar, Ram Nagariya, Jaipur
Mob. : 9928394058

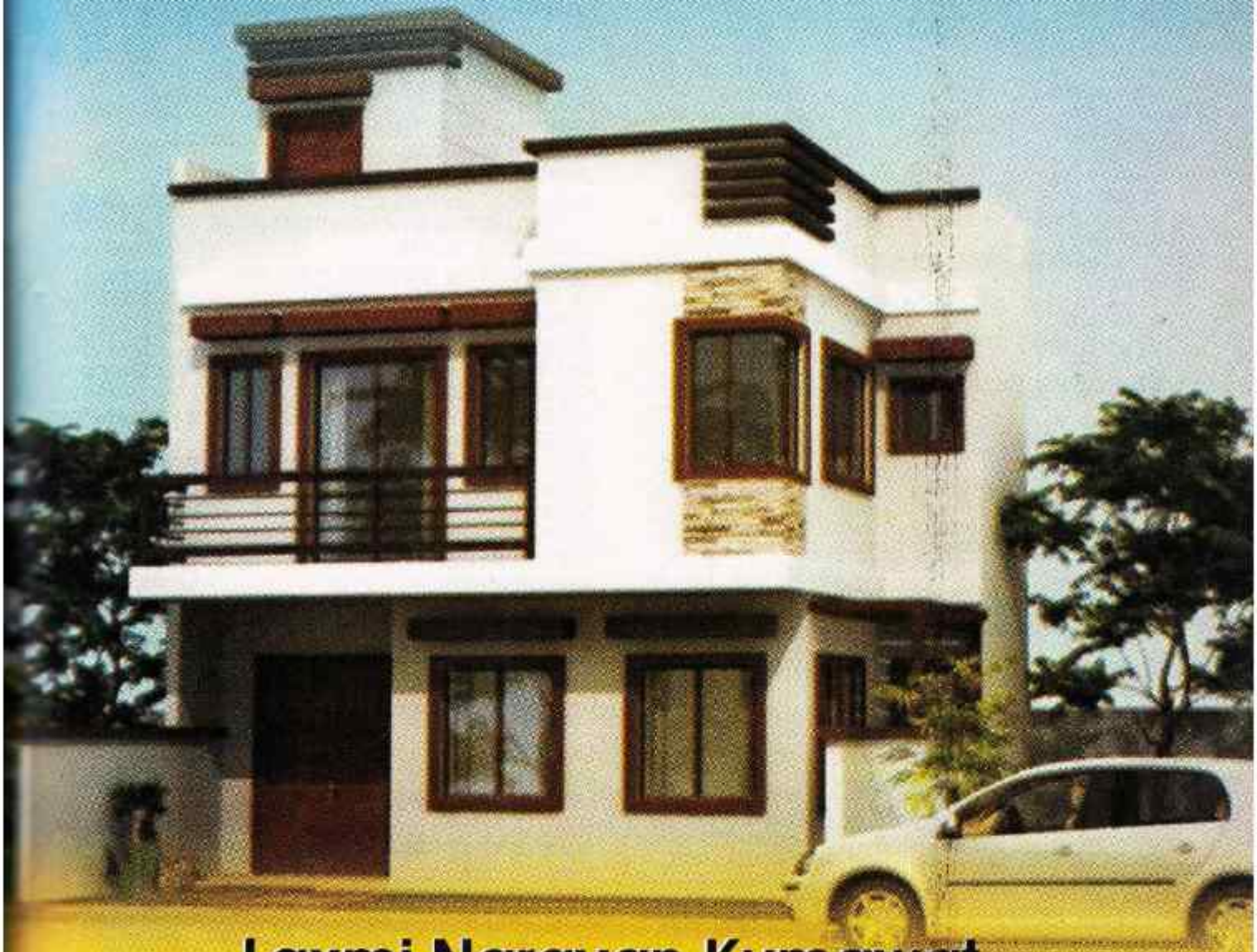

With best Compliment from
Laxmi Construction
all type of civil construction work
Laxmi Narayan Kumawat
618, Khoraniyon Ki Dhani, Boraj, Tehsil-Dudu,jaipur ,(Raj)
Mob-9887256155,9314259020

Emergency Lines

POLICE STATION	
CENTRAL JAIL	2613851
CONTROL ROOM (JAIPUR CITY)	2575715
CONTROL ROOM (RURAL)	2577554
CONTROL ROOM (TRAFFIC)	2565630
CONTROL ROOM (ACCIDENT) NORTH	2568721
CONTROL ROOM (ACCIDENT)EAST	2567436
CONTROL ROOM (ACCIDENT)SOUTH	2575171
CONTROL ROOM (ACCIDENT)WEST	2577717
POLICE (SOUTH ZONE)	100
ADARSH NAGAR	2610644
AMER	2530295
AMRITPURI (ADARSH NAGAR) O.P	2617448
ASHOK NAGAR	2225650
BAGRUWALON KA RASTA,PURANI BASTI	2322919
BAJAJ NAGAR	2703153
BANI PARK	2202095
BAS BADANPURA	2630752
BHATTA BASTI	2307100
BRAHMAPURI	2670095
CID CRIME BRANCH	2618573
CID (BADI CHOUPAR)	2601887
CIVIL LINES (O.P)	2223097
C.O.ASHOK NAGAR	2566424
C.O.SADAR	2206361
GRP(RAILWAY STATION)	2375500
GALTA GATE	2641852
GANDHI NAGAR	2719150
GHAT GATE (WIRE LESS)	2604002
GHAT KI GUNI	2643456
GOPALPURA MOD (O.P)	2721940
HARMADA	2261400
HIDA KI MORI (O.P)	2660580
JALUPURA	2367588
JAWAHAR NAGAR	2624553
JHOTWARA	2346100
KOTHI KOLIAN(O.P)	2613760
KOTWALI (CHHOTI CHAUPER)	2322444
KISHANPOLE(AJMER GATE) (O.P)	2318159
KUNDA (AMER) (O.P)	2530118
LALKOTHI,M.D.ROAD	2611089
MAHILA THANA SOUTH (GANDHI NAGAR)	2701753
MAHILA THANA (NORTH)	2601360
MALPURA GATE,SANGANER (O.P)	2730023
MANSAROVAR	2399379
MALVIYA NAGAR	2523040
MAHESH NAGAR	2501437
MOTI DOONGRI ROAD	2610633
MANAK CHOWK	2607071
MURLIPURA	2421200
NAHARGARH ROAD	2410464
POLICE LINES (CITY)	2206123
RAM GANJ	2661676
S.M.S.POLICE CHOWKI	2563036
SADAR THANA (RLY.STN)	2207665
SANGANER	2545920
SANJAY CRICLE (CP GATE)	2378318
SHASTRI NAGAR	2304135
SHIPRA PATH (MANSAROVAR)	2783878
SHYAM NAGAR	2811193
SINDHI CAMP	2206201
BHINDO KA RASTA (O.P)	2310172
SODALA	2295920
S.P	2202700
SUBHASH CHOWK	2631790
TRANSPORT NAGAR	2610655
VKI AREA	2331500
VAISHALI NAGAR	2358504
VIDHAN SABHA LALKOTHI	2741797
VIDHAYAKPURI	2378320
VIDYADHAR NAGAR	2230100

FIRE SERVICES	
FIRE STATION	101
AMER	2531282
BANIPARK	2201898
BASI GODAM	2211258
GHAT GATE	2615550
MANSAROVER	5178866
M.I.ROAD	2375925
SITAPURA	2175250
VKI AREA (MUNICIPAL CORPORATION)	2332573

HOSPITAL	
ANAND EYE HOSPITAL	9829051678
BAHETI HOSPITAL & REPRODUCTIVE HEALTH CARE	2754049
BHAGWAN MAHAVEER CANCER & RESEARCH CENTRE	2702899
ESCORTS HEART INSTITUTE AND RESEARCH CENTRE LTD	2547000
GIRORAJ GOYAL EYE HOSPITAL	2351077
GOPINATH HOSPITAL	2793333
GUPTA CHILD & GENERAL HOSPITAL	5115857
J K LOAN HOSPITAL	2619827
JAIN EYE CLINIC & HOSPITAL	2611211
JAIPURIA HOSPITAL	2551460
JYOTIBA HOSPITAL	2376902
KABRA EYE HOSPITAL	2742525
KAPOOR EYE HOSPITAL	9829231946
LASER VISION CENTRE	9413331728
MONILEK HOSPITAL & RESEARCH CENTER	2653021
S K SONI HOSPITAL	2232409
SAHAI HOSPITAL	2622444
SANTOKBA DURLABHJI M.HOSPITAL	2566251
SEAROC CANCER CENTER	9829060128
SHAH HOSPITAL	2203914
SMS HOSPITAL	2560291
SONKHYA HOSPITAL	2303415
TANDON EYE HOSPITAL	2222855
VAISHALI HOSPITAL	2352833
DHULESHWAR HOSPITAL & LASER SKIN CENTRE	2369505
LASER & COSMETIC SURGERY CENTRE	2600855
NEW LOOK COSMETIC LASER CLINIC	2722841
JYOTI CLINIC	2612959
HOMEOPATHIC TREATMENT CENTRE	5106565
SHANTI HOMEOS	2355647

AMBULANCE	
AMBULANCE EMERGENCY SERVICES	108
HEMANT AMBULANCE	2640009
JYOTIBA HOSPITAL	9829006051
RUNGTA HOSPITAL AMBULANCE	9829066555
MONILEK HOSPITAL	9983544444
SARDARJI AMBULANCE	2621631

24 HOUR CHEMISTS

LIFE LINE SMS HOSPITAL	2560291
MEDICINE CENTRE	2361738
VARDHMAN DURLABH JI HOSPITAL	2571301

OXYGEN CYLINDERS
MEDICAL

ANKIT GASES	9414606644
ANKUR AGENCIES	9314505662
DINESH GASES	9829168437
J.K.TRAD	2374002
RIDHI SIDHI AIR PRODUCTS	9829057251
SINGHAL OXYGEN	5111841
SHRI HARI GASES P. Ltd.	2330255
UNITED GASES	9829067161
WILSON GASES	9829057251

BLOOD BANKS

MAHILA CHIKITSALYA SANGANERI GATE	2601333
MONILEK BLOOD BANK	2651393
SANTOKBA DURLABHJI M.HOSPITAL	2566251
SMS HOSPITAL	2560291
SWASTHYA KALYAN BLOOD BANK (MILAP NAGAR)	2545293
UMMED SINGH SUSHILA DEVI MEM	2281020
ZANANA HOSPITAL	2378721

EYE BANKS

SMS HOSPITAL SRS ROAD	2560291

AIRLINES

SANGANER AIRPORT	2723655
KINGFISHER RED	2419323
INDIAN AIRLINES (CITY OFFICE)	2743324
JET AIRWAYS (CITY OFFICE)	5112222
JET AIRWAYS (AIRPORT)	5112223
KINGFISHER AIRLINES (AIRPORT)	2725057

INTERNATIONAL

INDIAL AIR LINES (INTL.CARGO)	2723917
JET AIR PVT LTD (INTL.AIRLINES)	5112222

INTERNATIONAL GSA'S

CHIANA EASTERN	0124-4693030
DELTA AIRLINES	022-61370600
SAS	011-43513202
SOUTH AFRICAN AIRWAYS	022-22823450
SYRIAN ARAB AIRLINES	022-22826043
TURKISH AIRLINES	022-22821591
UNITED AIRLINES	022-22853694
VIRGIN AIRLINES	0124-4693030

RAILWAYS

NORTH-WESTRAILWAY	2202758
RAILWAY ENQUIY	139
STATION SUPDT.DHER KA BALAJI	2233837
STATION SUPDT.GANDHI NAGAR	2707416
STATION SUPDT.SANGANER	2731635

ROADWAYS

RSRTC CONTROL ROOM	9413385700
PHONE BOOKING(DELUXE BUSES)	2205790
ENQ.EXPRESS & ORD. BUSES SINDHI CAMP	
TRANSPORT NAGAR BUS STAND	2601944

RAILWAYS

NORTH-WESTRAILWAY	2202758
RAILWAY ENQUIY	139
STATION SUPDT.DHER KA BALAJI	2233837
STATION SUPDT.GANDHI NAGAR	2707416
STATION SUPDT.SANGANER	2731635

ROADWAYS

RSRTC CONTROL ROOM	9413385700
PHONE BOOKING(DELUXE BUSES)	2205790
TRANSPORT NAGAR BUS STAND	2601944

TAXI CABS

VIRAM TOURS	9829115309
PINK CITY RADIO TAXI	2205000
RAJASTHAN FOUR WHEEL DRIVE PVT.LTD	2722025
SIYARAM CITY CABS LTD	2722244
JYOTI RADIO TAXI PVT.LTD	2309900
CITICABS	2722227

TOURISM

ALBERT HALL	2570099
AMER FORT	2530293
BIRLA AUDITORIUM	2385094
BIRLA PLANETARIUM	2385367
CITY PALACE	2615681
GARHWAL MANDAL VIKAS NIGAM	2378892
GUJRAT TOURISM CORPORATION	2378070
HAWA MAHAL	2618862
INDIA TOURISM GOVT.OF INDIA	2372200
JAIGARH FORT	2671848
NAHARGARH FORT	5148044
RAM NIWAS GARDEN	2565244
JANTAR MANTAR	2610494
RTDC	2315714
SISODIA GARDEN	2680494
SRC MUSEUM OF INDOLOGY& TOURIST INFORMATION CENTER (GOVT.OF INDIA)	1363
UNIVERSAL INSTITUTE OF ORIENTOLOGY	2607455
TOURIST INFORMATION & ASSISTANCE	1364
TOURIST INFORMATION BUREAU (RLY.STN)	2315714
TOURIST RECEPTION CENTER	5110598
ZOO	2617319

POSTEL SERVICER

AIRPORT,SANGANER	2721328
BAIS GODOWN	2212469
DORGAPURA	2550336
FOREIGN POST	2367659
GANDHI NAGAR	2705094
G P O	2376431
HALDIYON KA RASTA	2573725
HIGH COURT	2227409
INDIRA BAZAAR	2310211
JAWAHAR NAGAR,HPO	2651216
JHOTWARA	2347616
KISHANPOLE BAZAAR	2310435
PRATAP NAR,HOUSINGH	2791116
R M S JAIPUR ,RLY.STATION	2201021
SANGANER BAZAAR,SANGANER	2731715

SANGANERI GATE	2571087
SHASTRI NAGAR HPO	2302197
SHYAM NAGAR	2292359
SPEED POST	2369234
SURAJPOLE ANAJ MANDI	2642359
TILAK NAGAR	2624437
TRIPOLIA BAZAAR	2619060
VAISHALI NAGAR	2351163
VIDYADHAR NAGAR	2231516

HELP LINE	
CHILD	1098\2353997
CRIME POLICE	1090
HIV\AIDS	1051

TELEPHONE SERVICE	
BSNL	
CALL CENTER	1500
DIRECTORY ENQUIRY FOR JAIPUR	
TELECOM DISTRICT NUMBERS	197
CHANGED NO.ENQUIRY HINDI	1951
CHANGED NO.ENQUIRY ENGLIDH	1952
SUPERVISOR (DIRECTORY ENQ)	2367287
FAULT REPORTING	
(FORM SAME EXCH.)	198

अत्यन्त निर्धन व लाचार व्यक्ति के चेहरे को याद करो और कोई काम करने से पहले स्वयं से पूछो कि इससे उस व्यक्ति का क्या भला होने वाला है।

- महात्मा गाँधी

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

श्रवण लाल चौपडा

अभिकर्ता कोड नं.11187–19T

मों: 9414336998, 9602420235

भारतीय जीवन बीमा निगम

शाखा कार्यालय :प्रताप नगर,सांगानेर

निवास :ढाणी ग्वार जाटान,पोस्ट दादिया,तह.सांगानेर,जयपुर

भवन निर्माण एक कला

✍ दौलतराम माल्या (निदेशक – एवन आर्किटेक्टस प्रा. लि.)

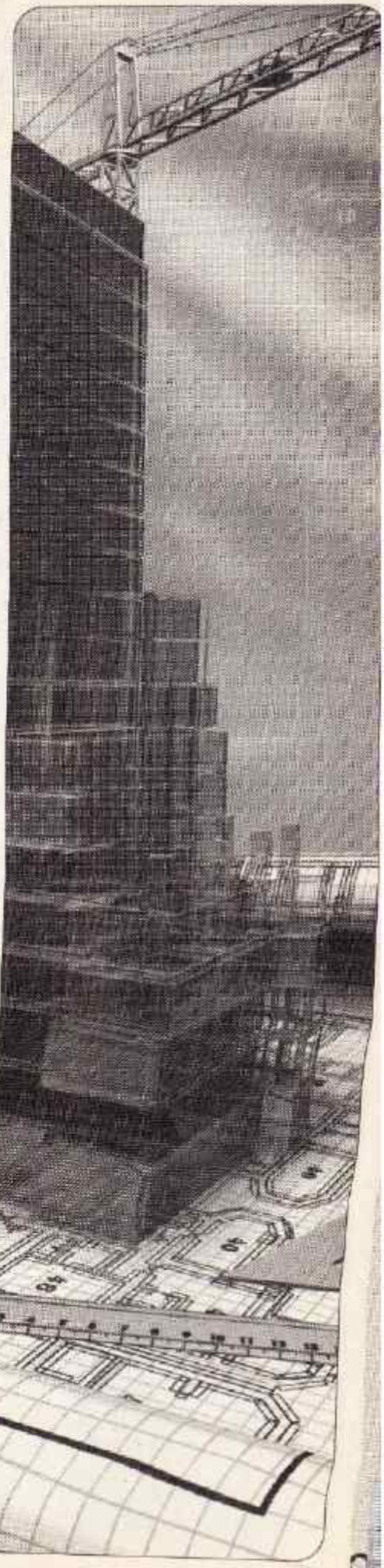

भवन निर्माण कला को अंग्रेजी भाषा में आर्कीटेक्चर कहते है। दुनियाभर की प्रमाणित कलाओं में इसका मुख्य स्थान है। मकान मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है। जिससे मानव प्राकृतिक आपदाओं सर्दी, गर्मी, वर्षा आंधी, तूफान आदि से सुरक्षित रहता है। अक्सर यह देखा जाता है कि कुछ लोग लाखों रूपये खर्च करके भी अपनी इच्छानुसार सुविधाजनक भवन नहीं बना पाते है। जिसका मुख्य कारण निर्माण की बारीकियां व तकनीकी जानकारी न होना होता है। दूसरी तरफ कुछ लोग थोड़े पैसे खर्च करके भी उत्तम आकर्षक व सुन्दर भवन बना लेते है।

वास्तविकता में भवन निर्माण एक कला है। कला में आकर्षण, सौन्दर्य, सुविधा व मजबूती का होना आवश्यक है। अतः भवन निर्माण करने से पूर्व यह आवश्यक है कि किसी भवन निर्माण कला विशेषज्ञ से परामर्श लिया जायें और उसके दिशा निर्देश के अनुसार ही भवन निर्माण का कार्य किया जाये। एक भवन निर्माण कला विशेषज्ञ अपनी सूझ–बूझ व कार्यशैली से भवन को सुन्दर व उपयोगी बनाने में योगदान ही नहीं देता अपितु कम व्यय से और कम सामग्री से एक सुन्दर व मजबूत भवन बनाने में सहयोगी होता है।

हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसका घर सुन्दर व मजबूत बनें। जब प्लॉट खरीदते है उस समय कितने कमरे बनेगें या किस साइज के बनेगें यह पता नहीं होता है। प्लॉट के चयन के बाद उसका आकलन एक वास्तुकार (आर्कीटेक्ट) ही कर सकता है। सबसे पहले एक अच्छे आर्कीटेक्ट से प्लॉट का प्लान बनवाना जरूरी होता है। उसके लिए आर्कीटेक्ट को केवल आप अपनी आवश्यकता बतायेगें। उस आवश्यकता को ध्यान में रखकर ही आर्कीटेक्ट वास्तुशास्त्रानुसार भवन का नक्शा तैयार करता है। जो तकनीकी रूप से भी पूर्ण होता है।

नक्शे के बाद भवन निर्माण लागत की बात आती है जो नक्शा तैयार हुआ है उसमें कितने रूपये लगेंगे आजकल वर्ष 2010 के प्रचलित भाव के अनुसार धरातल पर मंजिल निर्माण की लागत (प्लिथं एरिया के हिसाब से) करीब 700/– प्रति वर्ग फुट *आती है। सैनेट्री कार्य के लिए कुल लागत का 12% खर्च होता है तथा विधुत कार्य के लिए 7% खर्च होता है। कुल मिलाकर एक हजार वर्ग फुट कार्य करने के लिए 1000 x 700 = 700000* रूपये लागत आती है। यह लागत एक सामान्य मध्यमवर्गीय मकान के *हिसाब से मानी जाती है।.....*

एक हजार वर्ग फुट वाले भवन के निर्माण का अनुमान

क्र.स.	आइटम	अंदाजन %मे	लागत
1.	हर तरह की मजदूरी की लागत	25%	175000
2.	ईंटों की लागत	12%	84000
3.	सीमेंट की लागत	14%	98000
4.	लकड़ी की लागत	12%	84000
5.	सरिये की लागत	10%	70000
6.	मिट्टी व रेत की लागत	5%	35000
7.	बिजली फिटिंग की लागत	7%	49000
8.	सैनेट्री फिटिंग की लागत	12%	84000
9.	अन्य	3%	21000
10.		100%	700000

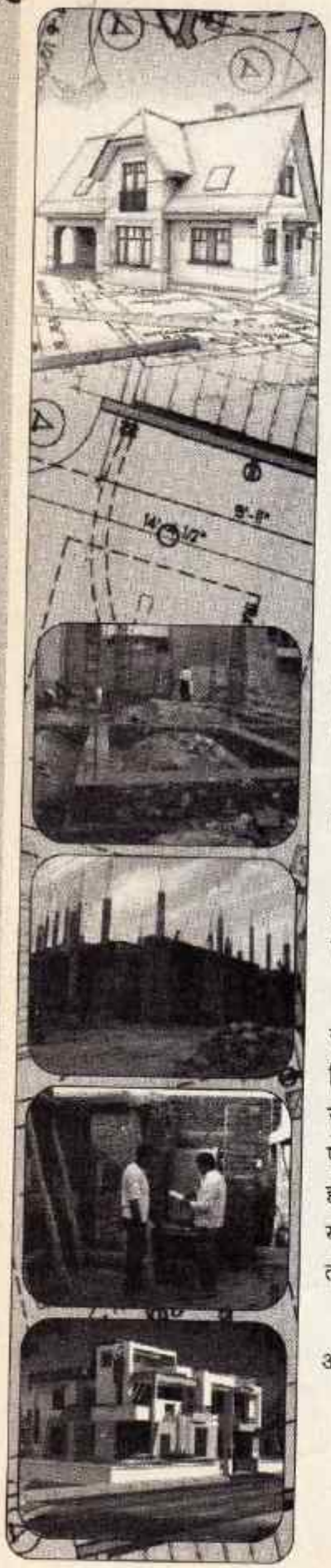

निर्माण सामग्री जाँच की जानकारी भी बहुत जरूरी है। सीमेंट ईमारत की मजबूती का मुख्य आधार है क्योंकि अलग–2 निर्माण सामग्री को आपस में जोड़ता है सीमेंट जितना ताजा होगी उतनी ही इमारत की मजबूती बढ़ेगी। सीमेंट को जाँचने के लिए बोरी में हाथ डालने से सीमेंट गर्म तथा मुलायम होना चाहिए। एक बोरी सीमेंट में 50Kg सीमेंट होता है। खरीदते समय इसकी जाँच भी जरूरी है।

रेत (बजरी) निर्माण के लिए साफ व मिट्टी रहित होनी चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि रेत लकड़ी, घास, पत्ते व अन्य नुकसान करने वाले लवणों से मुक्त हों। इसे जाँचने के लिए कुछ रेत को पानी के गिलास में मिलायें। पानी रेत से ऊपर तक भरा होना चाहिए। एक घण्टे बाद रेत नीचे बैठ जायेगी और मिट्टी की तह ऊपर आ जायेगी 6% से अधिक मिट्टी वाली रेत को नही खरीदना चाहिए। रेत में मिटटी है या नही जानने के लिए रेत को मुठठी में एक बार बन्द करके खोंले अगर रेत में मिट्टी होगी तो वह हथेली की लकीरों मे जम जायेगी।

ईंट की जाँच के लिए दो ईंटो को आपस में टकराने से धातु जैसी टन टनाहट की आवाज आनी चाहिए। कमर जितनी उंचाई से ईट को पक्के स्थान पर गिराने पर टूटनी नहीं चाहिए। कम पकी हुई ईंट चिनाई के लिए ठीक नहीं होती है। सबसे बढिया ईंटों को 1नंबर ईंट, थोड़ी घटिया को 2 नंबर ईट व बहुत घटिया को 3 नंबर ईंट कहते है। ईंट की सतह पर नाखून से खरोचने पर कोई निशान नहीं पडना चाहिए। बढ़ियों ईंटों को 24 घण्टे तक पानी में डुबोए रखने पर ईंट के वजन के 20 प्रतिशत से ज्यादा पानी नहीं सोखना चाहिए। साधारणतया: 1 नंबर ईंट की स्ट्रेन्थ 70 कि.ग्राम/से.मी.^{2} से ज्यादा होती है।

भवन निर्माण मे पानी का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है। साफ पीने योग्य पानी से ही निर्माण किया जाना चाहिए। पानी तेजाबी व खारे गुण वाला नही होना चाहिए।

रोड़ी (गिट्टी) की भी निर्माण में मुख्य भूमिका रहती है। छत व कॉलम की मजबूती के लिए अच्छी गिट्टी का होना आवश्यक है। गिट्टी साफ तथा उसमें मिट्टी, रेत व अन्य किसी चीज की मिलावट नहीं होनी चाहिए।

भवन निर्माण में सरिये के बारे में जानकारी रखना भी जरूरी है। निर्माण में इस्तेमाल किये जाने वाले सरिये के कार्य का तकनीकी नाम स्टील रिइंसफार्मेंट है जो सीमेंट कंक्रीट के साथ मिलकर छत व पूरे ढाँचे को मजबूती देता है। बाजार में कई प्रकार का सरिये मिलते हैं जैसे माइल्ट स्टील (सादा गोल) टोर व टी.एम.टी.स्टील। सादा गोल सरिया एक दम गोल चिकना तथा चौड़ा एवं सस्ता होता है। जबकि टोर सरिया तिरछे चूड़ीदार उभार वाला सादे सरिये से थोड़ा महंगा होता है। छत की मजबूती टोर/टी.एम.टी. सरिये इस्तेमाल से बढ़ जाती है। सरिये खरीदते समय यह ध्यान देना आवश्यक है कि सरिया भारतीय मानक संस्थान (ISI) द्वारा प्रमाणित कम्पनी का हो तथा उस पर किसी किस्म की जंग न लगी हो।

उपरोक्त के अलावा और अन्य सामान भवन निर्माण मे चाहिए होते है जिनकी पूरी जानकारी अपने आर्कीटेक्ट से लेकर ही खरीदें।....

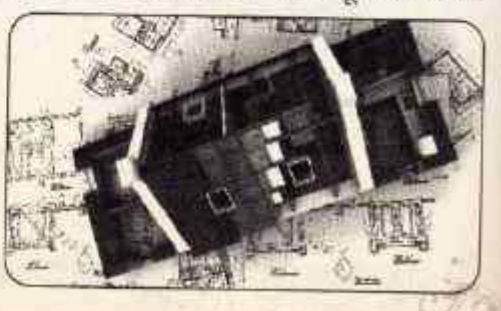

एक साधारण 100 वर्गगज के मकान में अनुमानित सामग्री इस प्रकार से होती है :–

Bricks (ईंट) = 27000
Cement (सीमेंट) = 260 थैले
Sand (रेत) = 1300 घन फुट
Greet (रोड़ी) = 550 घन फुट
Steel (सरिया) = 1000 Kg

इसी प्रकार 200 वर्ग गज भूखण्ड के निर्माण के लिए अनुमानित सामग्री निम्न प्रकार से होगी :–

Bricks (ईंट) = 47500
Cement (सीमेंट) = 460 थैले
Sand (रेत) = 2300 घन फुट
Greet (रोड़ी) = 900 घन फुट
Steel (सरिया) = 2000 Kg

प्लाट खरीदते समय कुछ ध्यान देने वाली बाते निम्न है :–

1.अपने कार्य क्षेत्र से दूरी ।

2.रिश्तेदारों के घरों से दूरी ।

3.जगह की कीमत ।

4.प्लॉट की स्थिति ।

5.पीने योग्य पानी हो ।

6.सीवरेज बिजली की व्यवस्था हो ।

7.प्लॉट किसी पार्क या हरियाली क्षेत्र के नजदीक हो ।

8.प्लॉट के नजदीक श्मशान भूमि न हो।

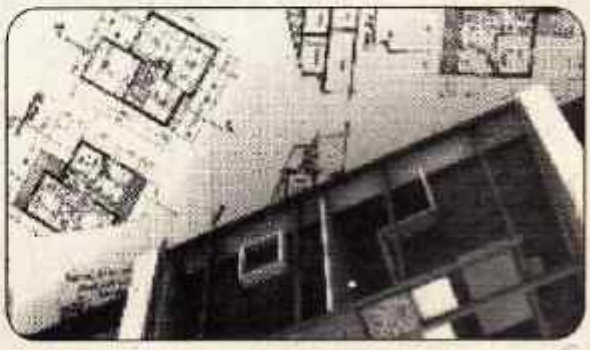

समर्पण है जीवन जिनका

शरदानन्द "शरद"

समर्पण है जीवन जिनका, वो ही महान कहलाते है।
नाम है रहता उनका ऊंचा, जग में शोभा पाते है।।

जो हैं जीते औरों के खातिर, रहते सदा वे पाक पवित्र,
उज्जवल पावन जीवन जीकर, सुखमय जीवन बिताते है।

सेवा भाव सदा सुखदाई, है जीवन की नेक कमाई,
रहते हरदम खुश वो मानव, जो ऐसा कर्म कमाते है।

औरों के खातिर जो जीते, आनन्द में वे सदा हैं रहते,
उन पर ही इस जग वाले, प्यार के फूल बरसाते हैं।

तन मन धन की सेवा उत्तम, करेंगे हम सब मिलकर हरदम,
ऐसे कर्म को करने वाले, आगे कदम बढ़ाते हैं।

जिऐं और जीने दें सबको, ऐसा कर्म है करना हमको,
सच्चे सेवक करके सेवा, अपना फर्ज निभाते हैं।

"शरद" सच्चे हम सेवादारी, बनेंगे सबके हम हितकारी'
पहले करते खुद हम सेवा, फिर औरों से करवाते हैं।

आधुनिक युग में आसनों की उपयोगिता

गीता चौधरी

M.A. In Human Consciousness & Yogic Science
(मानवीय चेतना एवं यौगिक विज्ञान)

योग विद्या भारत वर्ष की सबसे प्राचीन संस्कृति और जीवन पद्धति है तथा इसी विद्या के बल पर भारतवासी प्राचीन काल मे सुखी, समृद्ध और स्वस्थ जीवन बिताते थे। जब से भारत में योग विद्या का ह्रास हुआ, तभी से भारतवासी गरीब, दुःखी और अस्वस्थ हैं। पूजा–पाठ, धर्म–कर्म से शान्ति मिलती है और योगाभ्यास से धन–धान्य,समृद्धि और स्वास्थ्य। भारत में सुख, समृद्धि शक्ति और स्वास्थ्य के लिए हर व्यक्ति को योगाभ्यास करना चाहिए।

योग क्या है ?

योग मानवता की प्राचीन पूँजी है, मानव द्वारा संग्रहित सबसे बहुमूल्य खजाना है। मनुष्य तीन वस्तुओं से बना है– शरीर, मन व आत्मा। अपने शरीर पर नियंत्रण, मन पर नियंत्रण और अपने अन्तरात्मा की आवाज को पहचानना इस प्रकार शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक इन तीनों अवस्थाओं का सन्तुलन ही योग है।

योग एक ऐसा रास्ता है, जो मनुष्य को स्वयं को पहचानने में मदद करता है। मानव शरीर को स्वास्थ और निरोग बनाता है एवम् मनुष्य को बाहरी तनावों, शारीरिक विकारो से मुक्ति दिलाता है जो मनुष्य की स्वाभाविक कियाओं में अवरोध उत्पन्न करते है।

योग द्वारा मनुष्य अपने मन तथा व्यक्तित्व की अवस्थायें तथा दोषो का सामना करता है। यह मनुष्य को उसके संकुचित और निम्नविचारों से मुक्ति दिलाता है, ऐसे विचार जो उसके दिमाग पर समाज और वातावरण द्वारा थोपे गये थे। यह उसे अपने मध्यबिन्दु की ओर केन्द्रित करता है ताकि वह अपने आप को पहचान सके, यह जान सके कि वह वास्तव में कौन है ? उसके जीवन का लक्ष्य क्या है ?

योग एक महासमुद्र के समान है जिसके तीर पर सारा संसार बसा है। योग के विभिन्न पहलू है जो कि प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकताओं और उद्देश्यों की पूर्ति करते है। योग का शाब्दिक अर्थ है 'मिलन'– शुद्ध चेतना और मानव में निहित व्यक्तिगत चेतना का मिलन। लेकिन इस ऊँचाई तक पहुँचने के लिए हमें सीढ़ी पर सबसे पहला कदम रखना होगा।

प्राकृतिक सौन्दर्य को खो दिया है। हमारा भोजन बनावटी रसायनों का मिश्रण रह गया है, जो धीरे–धीरे लेकिन निश्चित रूप से हमारे शरीर एवं व्यक्तित्व पर घातक प्रभाव डालता है।

क्या आधुनिक व्यक्ति के लिए आसन उपयोगी है ?–

हाँ, निश्चित रूप से। इस आधुनिक युग में हमारा जीवन पूर्णतः मशीनों पर निर्भर करता है। हमारी खाने की आदतें, हमारे रहने का रंग–ढंग बिल्कुल कृत्रिम है। हमारी जीवन प्रकृति से बहुत दूर हे चुका है और अनेक रूपों में उसने अपने प्राकृतिक सौन्दर्य को खो दिया है। हमारा भोजन बनावटी रसायनों का मिश्रण रह गया है, जो धीरे–धीरे लेकिन निश्चित रूप से हमारे शरीर एवं व्यक्तित्व पर घातक प्रभाव डालता है। योगासनों का अभ्यास हमें पुनःअपना प्राकृतिक स्वास्थ्य और सौन्दर्य प्रदान कर सकता है।

शारीरिक आराम और इन्द्रिय सुख के लिए आधुनिक मनुष्य के पास अनेक सुविधायें है। वह कार्यालय में काम करता है, मोटे–मोटे फोम के गद्दों पर सोता है, हर जगह कार से यात्रा करता है, मनोरंजन के लिए सिनेमा या रात्रि – क्लबों में जाता है और आधुनिक जीवन के नकारात्मक प्रभावों पर काबू पाने के लिए शान्ति और विश्राम की खोज में नींद की गोलियाँ तथा अन्य प्रकार की दवाइयाँ लेता है। लेकिन शान्ति, विश्राम और सुख के बजाय उसे अनेक प्रकार के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों का सामना करना पडता है। इन्ही तनावों की दुश्चिन्ताओं और कुंढाओ के भार से मुक्त होने का उसे कोई रास्ता नहीं मिलता। क्या ऐसा कोई रास्ता नहीं मिलता। क्या ऐसा कोई उपाय है जिससे उसे आराम मिल सके ? हाँ, योगाभ्यास के द्वारा योगासनों के अभ्यास से वह आधुनिक सभ्य जीवन के रोग–जैसे कब्ज, गठिया, जकडन, निराशा, कुण्ठा, तनाव आदि से अपने आप को मुक्त कर सकता है। आसनों के अभ्यासी जीवन के उत्तरदायित्वों एवं समस्याओं का सामना करने के लिए अपने में अधिक शक्ति और स्फूर्ति पायेंगे। पारिवारिक एवं सामाजिक सम्बन्ध स्वतः अधिक सामंजस्यपूर्ण हो जायेंगे। .....

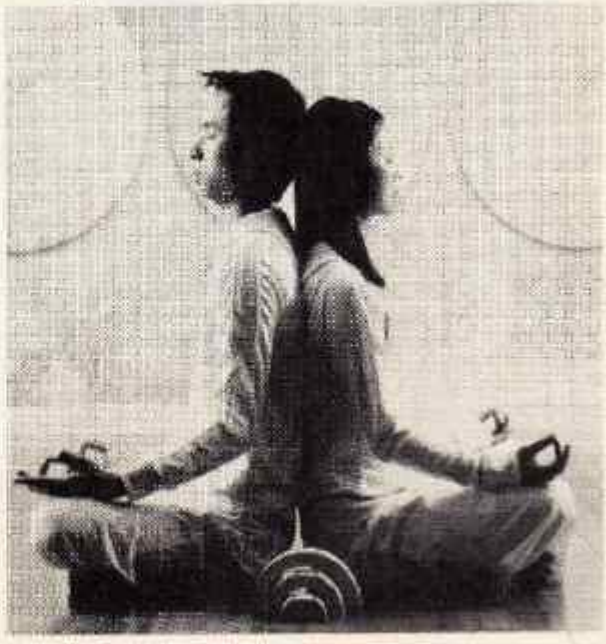

वैज्ञानिक आविष्कारों के इस आधुनिक युग में जीवन को आराममय बनाने के असंख्य साधन है, परन्तु बिरले लोग ही इस विलास सामग्री का आनन्द ले पाते है। यद्यपि यह बात एकदम उल्टी लगती है, किन्तु यह सत्य है कि बहुत से लोगो के पास धन है लेकिन वे वास्तव में निर्धनों की सी जिन्दगी जीते है। जीवन उनके लिए नीरस हो गया है। उसे भोगने की शक्ति खो चुके है। जीवन के इस नीरस और निर्जीव ढंग को आसनों द्वारा सुधारा जा सकता है। आसनों के अभ्यास से आप एक नये जीवन का अनुभव करेंगे। आप पहले की अपेक्षा अधिक शक्ति का अनुभव करेंगे। जीवन के प्रति एक व्यापक दृष्टिकोण उत्पन्न होगा और दूसरों की समस्याओं को आप अधिक सरलतापूर्वक समझ सकेंगे। धीरे–धीरे विश्व बन्धुत्व की भावना जागृत होने लगेगी। वे व्यक्ति जो अपने मस्तिष्क को शुद्ध करके विचार–शक्ति को बढा सकेंगे, उनमें अर्न्तदृष्टि विकसित होने लगेगी। जो अपनी रोजी–रोटी मेहनत–मजदूरी करके कमाते है, वे भी दिन भर की थकान और तनावों से छुटकारा पाकर अपने आप को स्वस्थ रख सकते है।

आजकल बहुत से लोग, विशेषतः युवा व्यक्तियों ने अपने जीवन में कुछ अर्थ और व्यवस्था खोजने के लिए मादक पदार्थों जैसे एल॰एस॰डी॰, गाँजा, भाँग, शराब आदि का प्रयोग करना शुरू कर दिया है। ऐसे लोग जीवन का अर्थ समझ सकें, इसके लिए योग ही एक उचित मार्ग है। योग का नियमित अभ्यास उन्हें अंतिम लक्ष्य तक ले जायेगा जिसके ऊपर कोई लक्ष्य नहीं है।

इस युग में योग सारे संसार में फैल रहा है। इसका ज्ञान हर एक की सम्पत्ति बन रहा है। आज डॉक्टर और वैज्ञानिक योग के अभ्यास की सलाह देते है। अब प्रत्येक व्यक्ति अनुभव कर रहा है कि योग केवल निर्जनवासी साधु सन्यासियों के लिए ही नहीं, परंतु प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है।

नारी शिक्षा का महत्व

✍ शंकर लाल टाटीवाल

पुरूष प्रधान देश में नारी को प्राचीन काल से ही हीन दृष्टि से देखा जाता रहा है भ्रूण हत्या इसका तत्कालिक प्रभाव के रूप मे वर्तमान में भी देखने को मिलता है।

तुलसी दास जी ने अपनी सुप्रसिद्ध रचना में जहाँ एक ओर मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम की अर्धांगिनी सीता की महिमा का वर्णन किया है वही दूसरी ओर उन्होने अपनी इसी रचना में ढोल,गँवार, शुद्र पशु, नारी ये सब ताडन के अधिकारी'' नामक पंक्ति लिखकर नारी का मान मर्यादा पर कुठाराघात किया है।

परन्तु धीरे–धीरे इस समाज में जैसे–जैसे परिवर्तन हुआ है लोगों का भ्रम मन से जाने लगा यह सब तभी सम्भव हुआ है जब नारी को चार दीवारी से बाहर निकालकर आखर पोथी हाथ में की गई जिसका परिणाम अब देखने को मिला है कि नारी को कहा जाता है ''भारतीय नारी सभी पर भारी'' जिसका उदाहरण रजिया सुल्तान हो या श्रीमती इन्दिरा गाँधी बछेन्दीपाल हो या किरण बेदी इन महिलाओं ने भारत की शानौशौकत में चार चाँद लगा दिये।

राजस्थान की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम देखने को मिलती थी परन्तु शिक्षा के प्रसार–प्रचार ने राजस्थान की साम्राज्ञी के रूप में राज्यपाल मुख्यमंत्री तथा, विधान सभा अध्यक्ष का पदभार महिलाओं ने बखूबी सम्भाला उनकी उसी योग्यता को परखकर श्रीमती वसुन्धरा राजे ने राजस्थान में महिलाओं के लिए 1/3 तिहाई आरक्षण को बढाकर 50% कर दिया जिससे महिलाओं को पुरूषों के समान शैक्षिक अवसर मिल सके और वह पुरूष से कन्धे से कन्धा मिलाकर चल सके।

"नारी का विकास, देश का विकास"

उदारता

✍ जितेन्द्र विजेतान (तूंगा)

बादशाह वह होता है। जिसमें उदारता होती है और गरीब वह है जिसमें संकीर्णता होती है जीवन में उदारता आने पर जीवन स्वर्गमय बन जाता है जीवन में प्यार, नम्रता, सत्कार एवं खुशियाँ आ जाती हैं और जीवन में सकीर्णता आ जाये तो वह जीवन नरक बन जाता है। ईर्ष्या, घृणा एवं बदले की भावना आदि अवगुण प्रवेश कर जाते है जिससे जीवन की सारी खुशियाँ समाप्त हो जाती है। जिस मनुष्य में उदारता है, वह खुद भी प्रसन्न रहता है और दूसरों को भी प्रसन्ता देता है।

हमारा ध्यान हर आदमी की और नहीं जाता बल्कि उस आदमी की और जाता है जिसमें उदारता होती है क्योंकि उदारता रखने वाले आदमी अगर किसी को कुछ नही देते है तो कम से कम किसी को प्रफुल्लित होते और देखकर जलते तो नहीं है। यदि किसी की प्रशंसा और सम्मान नहीं करते तो कम से कम किसी को प्रफुल्लित होते देखकर गिराने का प्रयत्न तो नहीं करते हैं इसलिए कहा है मनुष्य को दाता बनना चाहिए परन्तु दाता जब ही बन पाएगा जब उसमें उदारता का गुण विघमान हो। इससे जीवन में सुख और शांति का प्रवेश हो जाता है और जीवन आनन्दमय बन जाता है।

इस संसार में चार प्रकार के लोग पाये जाते है पहले ''मक्खीचूस'' जो न आप खाए, न दूसरो को खाने दे, दूसरे प्रकार के ''कंजूस'' जो आप तो खाए परन्तु दूसरो को न खाने दे। तीसरे प्रकार के ''उदार'' जो आप भी खाए एवं दूसरो को भी दे, चौथे प्रकार के ''दाता'' आप तो न खाए परन्तु दूसरो को खाने को दो। परन्तुदाता न बन पाये तो हमें उदार तो बनना चाहिए। इसी प्रकार हमे परोपकारी भी होना चाहिए क्योंकि परोपकार की भावना से मनुष्य में जागृति आ जाती है परोपकार की भावना को जागृत किए बिना हम उन्नत नहीं हो सकते हैं। सबकी खुशहाली हमारी खुशहाली है और सबका हित हमारा हित है परोपकारी जीवन जीकर अपना, समाज का भला करें।

'समर्पण ज्योति'

✍ लोकेश माल्या

ज्ञान की राह है समर्पण
जीने की चाह है समर्पण।
मानवता पर कुर्बानी का
दूसरा नाम है समर्पण।
दीन दुखियों की सेवा का,
एक नया अंजाम है समर्पण।
बोलने को एक नाम है,
पर एक नया कदम है समर्पण।
सर उठाकर जीना,
और नया विश्वास जगाता है समर्पण।

आगे बढ़ना हक है हमारा,
बस रास्ता दिखाता है समर्पण।
हर मुश्किल से बचाता है,
नई उम्मीद दिखाता है समर्पण।
उम्र की सीमाओं से दूर,
मानव विकास चाहता है समर्पण।
जात–पाँत का भेद नही,
सबका भविष्य बनाता है समर्पण।
सबको है साक्षर बनाना,
यही सपना साकार बनाता है समर्पण।

रक्त की बूंद–बूंद अमूल्य है

1. खून चढाने की जरूरत

जीवन बचाने के लिए खून चढाने की जरूरत पड़ती है। दुर्घटना, रक्तस्त्राव, प्रसवकाल और ऑपरेशन आदि वह स्थितियाँ है जिनमें अत्यधिक खून बह सकता है और उन लोगों को खून की आवश्यकता पडती है। थैलेसिमिया, ल्यूकिमिया, हीमोफिलिया जैसे अनेक रोगों से पीड़ित व्यक्तियों के शरीर को भी बार–बार रक्त की आवश्यकता रहती है अन्यथा उनका जीवन खतरे में रहता है। जिसके कारण उनको खून चढ़ाना अनिवार्य हो जाता है।

2. रक्तदान की आवश्यकता

इस जीवनदायी रक्त को एकत्रित करने का एकमात्र उपाय है रक्तदान। स्वस्थ लोगों द्वारा किये गये रक्तदान का उपयोग जरूरतमन्द लोगों को खून चढाने के लिए किया जाता है। अनेक कारणों से जैसे उन्नत सर्जरी के बढते मामलों तथा फैलती जा रही जनसंख्या में बढती जा रही बीमारियों आदि से खून चढाने की जरूरत में कई गुना वृद्धि हुई है। लेकिन रक्तदाताओं की कमी वैसी ही बनी हुई है। लोगों की यह धारणा है कि रक्तदान से कमजोरी और नपुसंकता आती है पूरी तरह बेबुनियाद है।

आजकल चिकित्सा क्षेत्र में कॅम्पोनेन्ट थैरेपी विकसित हो रही है इसके अन्तर्गत रक्त की इकाई से रक्त के विभिन्न घटकों को पृथक कर जिस मरीज को जिस रक्त घटक की आवश्यकता हो, दिया जा सकता है। इस प्रकार रक्त की एक इकाई कई मरीजों के उपयोग में आ सकती है।

3. रक्त कौन दे सकता है ;

ऐसा प्रत्येक पुरूष अथवा महिला जिसकी आयु 18 से 65 वर्ष के बीच हो।

जिसका वजन 45 किलो से अधिक हो।

जो क्षय रोग, रति रोग, पीलिया, मलेरिया, मधुमेह, एड्स आदि बिमारियों से पीड़ित नहीं हो।

जिसने पिछले तीन महीने में रक्तदान नहीं किया हो।

रक्तदाता ने शराब या कोई अन्य नशीली दवा न ली हो।

गर्भावस्था तथा पूर्णावधि के प्रसव के पश्चात् शिशु को दूध पिलाने की 6 महीने की अवधि में किसी स्त्री से रक्तदान स्वीकार नहीं किया जाता है।

- जिसका हीमोग्लोबिन 12.5 ग्राम हो।

4. कितना रक्त लिया जाता है ?

प्रतिदिन हमारे शरीर में पुराने रक्त का क्षय होता रहता है और प्रतिदिन नया रक्त बनता रहता है।

एक बार में 350 मिलीलीटर यानि डेढ पाव रक्त ही लिया जाता है। (कुल रक्त का 20 वाँ भाग)।

शरीर 24 घण्टों में दिये गये रक्त के तरल भाग की पूर्ति कर लेता है।ब्लड बैंक रेफ्रिजरेटर में रक्त 4–5 सप्ताह तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

5. क्या रक्तदान से दाता को कोई लाभ होता है ?

हाँ! रक्तदान द्वारा किसी को नव जीवन देकर जो आत्मिक आनन्द मिलता है उसका न तो कोई मूल्य आँका जा सकता है न ही उसे शब्दों में व्यक्त किया जा सकता है। चिकित्सकों का यह मानना है कि रक्तदान खून में कोलेस्ट्रॉल बढने से रोकता है। कोलेस्ट्रॉल की अधिकता रक्त के प्रवाह में बाधा डालती है। रक्तदान शरीर द्वारा रक्त बनाने की प्रक्रिया को भी तीव्र कर देता है। रक्त के कणों का जीवन सिर्फ 90 से 120 दिन तक होता है। उपरोक्त के अतिरिक्त रक्त की छः जाँचे भी निःशुल्क हो जाती है।

बहुत से स्त्री–पुरूषों ने नियमित रूप से रक्तदान करने का क्रम बना रखा है। अतः आप भी नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करें,

जिससे रक्त की हमेशा उपलब्धता बनी रहे। कोई सुहागिन काल कलवित न हो। आज किसी को आपके रक्त की आवश्यकता है, हो सकता है कल आपको किसी के रक्त की आवश्यकता हो। अतः निडर होकर स्वैच्छिक रक्तदान करें।

विधवा न बने, वृद्ध माँ–बाप बेसहारा न हों, खिलता यौवन असमय ही काल कलवित न हो। आज किसी को आपके रक्त की आवश्यकता है, हो सकता है कल आपको किसी के रक्त की आवश्यकता हो। अतः निडर होकर स्वैच्छिक रक्तदान करें।

रक्तदान कहाँ करें ?

रक्तदान किसी भी लाईसेन्स युक्त ब्लड बैंक में किया जा सकता है।

यह सुविधा जिला–चिकित्सालयों में भी उपलब्ध है।

राज्य में सरकारी 43 एवं निजी क्षेत्र में 34 ब्लड बैंक लाईसेन्स युक्त हैं।

इसके अलावा मान्यता प्राप्त एजेंसियों जैसे रोटरी क्लब, लायंस क्लब आदि द्वारा समय–समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है। इनमें से किसी भी अधिकृत स्थल पर आप स्वेच्छा से निश्चिन्त होकर रक्तदान कर सकते है।

रक्त संचार से पहले जाँच ?

ब्लड बैंक में जारी करने से पहले रक्त की प्रत्येक इकाई का परीक्षण मलेरिया, सिफलिस, हिपेटाइटिस (सी व बी) व एच.आई.वी. के लिए किया जाता है ताकि सुरक्षित रक्त ही मरीज तक पहुँचे।

क्या रक्तदान कष्टकारक / हानिकारक है ?

रक्तदान देते समय कोई पीड़ा नहीं होती है।

रक्तदान करने में 15 से 20 मिनट का समय लगता है।

रक्त देने के पश्चात् आप सभी कार्य सामान्य रूप से कर सकते है ?

रक्तदाता के सामान्य स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

स्वेच्छा से दिया गया रक्त, बेचने वाले के रक्त से अच्छा होता हैं क्योंकि स्वेच्छा से रक्त देने वाला मनुष्य, मानव मात्र की सहायता के लिए रक्त देता है, न कि धन के लालच में इसलिए वह ऐसी किसी प्रकार की वर्तमान या पुरानी बीमारी को बताने हिचकिचाता नहीं है जिससे रक्त प्राप्त करने वाले को कई प्रकार की बीमारियाँ लग सकती हो और उसका जीवन भी खतरे में पड़ सकता हो। पेशेवर रक्तदाता बिना अंतराल के जल्दी–जल्दी रक्तदान करते हैं। जिससे उनके रक्त में गुणवत्ता का भी अभाव हो सकता है।

रक्तदाता कार्ड

स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले व्यक्ति को रक्तदान करने के तुरन्त बाद रक्तदाता ऋण पत्र / प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। जिससे वह रक्तदान की तिथि से 6 महिने तक आवश्यकता पड़ने पर स्वयं या अपने परिवारजन के लिए ब्लड़ बैंक से एक यूनिट रक्त प्राप्त कर सकता है। अगर कभी आपको या आपके सगे सम्बंधी को खून चढाने की नौबत आए तो खून की बोतल या थैली पर 'एचआईवी मुक्त की' मोहर अवश्य देखें।

भारत में दान करने की प्रथा है, धन व अन्न दान से अधिकतर महान दान रक्तदान है क्योंकि वह जीवनदान करता है। आओ हम सब रक्तदान करके जीवनदान करें।

जयपुर के ब्लड बैंक की सूची

क्र.	जिला रक्त बैंक का नाम क्षेत्र	
1.	रक्त बैंक, एस.एम.एस. हॉस्पिटल	राजकीय
2.	रक्त बैंक, जनाना हॉस्पिटल	राजकीय
3.	रक्त बैंक, महिला चिकित्सालय	राजकीय
4.	रक्त बैंक, बी.डी.एम. हॉस्पिटल कैम्पस	राजकीय
5.	रक्त बैंक, स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक	निजी
6.	रक्त बैंक, महात्मा गांधी हॉस्पीटल सीतापुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया	निजी
7.	रक्त बैंक, मोनीलेक हॉस्पिटल	निजी
8.	रक्त बैंक, एस.डी.एम. हॉस्पिटल	निजी
9.	भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल	निजी
10.	नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल सांइस	निजी
11.	अग्रसेन ब्लड बैंक, सेंट्रल स्पाइन	निजी
12.	यू.एस.एस.डी. मेमोरियल ब्लड बैंक	निजी
13.	एस.के. सोनी हॉस्पिटल	निजी
14.	एस्कार्ट हार्ट एण्ड सुपर स्पेश्यलिटी हॉस्पिटल	निजी

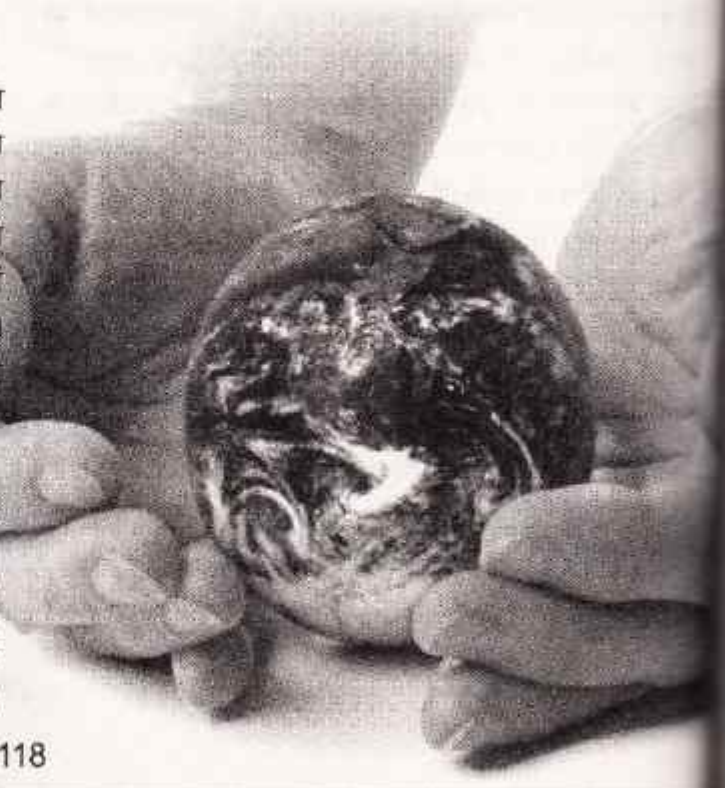

रक्त पृथक्कीकरण की सुविधाः

क्र.	जिला	राजकीय क्षेत्र
1.	जयपुर	एस.एम.एस. हॉस्पिटल
2.	जोधपुर	उम्मेद हॉस्पिटल
3.	बीकानेर	राजकीय पी.बी.एम. आस्पताल

क्र.	जिला	निजी क्षेत्र
1.	जयपुर	भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर
2.		स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक
3.		एस.डी.एम. हॉस्पिटल
4.		एस.के. सोनी ब्लड बैंक
5.		एस्कार्ट हार्ट एण्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल लि.
6.	कोटा	कोटा ब्लड बैंक सोसायटी
7.		कृष्णा रोटरी ब्लड बैंक
8.	जोधपुर	कानूदेवी पारसमल मेहता मेडिकल एण्ड ब्लड बैंक चैरीटेबल ट्रस्ट
9.	श्रीगंगानगर	पुरोहित चैरिटेबल लेबोरट्री संस्थान
10.	भरतपुर	राज. ब्लड बैंक सोसायटी
11.	उदयपुर	सरल ब्लड बैंक
12.		अमेरिकन इन्टरनेशनल हॉस्पिटल
13.		गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

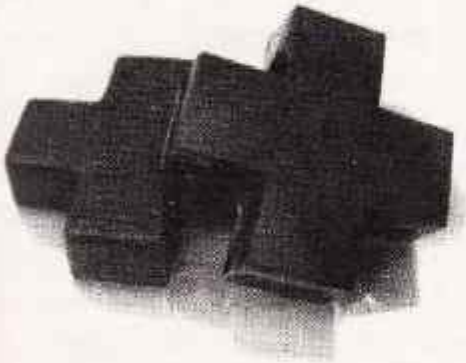

ग़ज़ल

हर मानव का सत्कार करें!

✍ रामलाल "रोशन"

हर मानव का सत्कार करें!

मानव है हम, मानवता को स्वीकार करें और प्यार करें।

परहित में हम सब मिलकर के, हर मानव का सत्कार करें।

मानव है हम .....

लाचार पीड़ितों के अरमां, साकार विधाता कर पायें,

भर जाये खुशियों से दामन, ऐसा सबसे व्यवहार करें।

परहित में हम .....

जय मानवता करते जायें, क्यों ? दानवता अपनायें हम,

इक माला के मोती सारे क्यों ? आपस में तकरार करें।

परहित में हम .....

मानव के प्रति समर्पित हों, हर मानव का सम्मान करें,

संकल्प लिया जो दृढ़ता से, उसको हम सब साकार करें।

परहित में हम .....

न ऊंच–नीच का भेद रहे, अपने है सब अपने ही रहें,

हर इक जीवन की कीमत है, न भिन्न–भिन्न प्रकार करें।

परहित में हम .....

उज्जवल जीवन की दात मिले, हर मानव को ये सौगात मिले,

यूँ कदम बढ़ाते जायें हम, "रोशन" सारा संसार करें।

परहित में हम .....

तर्ज :– हे देव! समर्पित कर पाँऊ, हर स्वांस .....

संकल्प

समर्पण का

✍ नन्दलाल जोनवाल

'समर्पण' शिक्षा का है सागर।
भावनाओं का है ये मन्दिर।।
आओ मिलकर करें सेवा।
मानवता का है ये मन्दिर।।
दीन दुखियों की सेवा में।
हमे होना है अब तत्पर।।
मुसीबतें लाख आएँगी।
ना होगा नीचा अब ये सर।।
हमें बढ़ना है जीवन में।
मिलेंगे नित नये अवसर।।
गगन छूने की इच्छा है।
चुमना होगा ये अम्बर।।
ना सीमाएँ बनाएँगे।
ना होगा कोई भी अन्तर।।
ज्ञान ज्योती जलाऐंगे।
रोशन होगा तभी हर घर।।
दीप बुझने ना देंगे हम।
ना होगा खाली ये गागर।।
ना मिट पाऐगा सदियों तक।
'समर्पण' का है ये 'आखर'।।

संकल्प
जीने की पगडंडी

✍ बाबा भारत

सन्तों के मतानुसार जीवन में निर्णय न लेने वाला व्यक्ति ही मन के चक्कर में पड़ता है। जो आदमी निर्णय लेने की कला सीख जाता है, मन उसका गुलाम हो जाता है। आपके द्वारा निर्णय लेते ही मन उसके पीछे काम करना शुरू कर देता है। मनुष्य कई बार जीवन में ऐसे दोराहे पर आकार खड़ा हो जाता है, जहां वह यह निर्णय नहीं कर पाता कि इधर जाए या उधर जाए। लेकिन मनुष्य के मन का नियम है कि निर्णय लेते ही मन बदलना शुरू हो जाता है। आपने अपने मन में एक निर्णय किया और उसी क्षण आपके मन में परिवर्तन होना शुरू हो जाता है। हमारा यह निर्णय ही परिवर्तन के लिये वरदान बन जाता है।

आप एक अच्छे, ईमानदार, इंसान है लेकिन मान लिजिए कभी बैठे–बैठे इतना ही सोचे कि चोरी करनी है, तो तत्काल ही आप बिल्कुल दूसरी तरह के आदमी हो जाते हैं। चोरी का निर्णय आपने लिया कि चोरी के लिये जो मदद स्वरूप है, वह मन आपको देना शुरू कर देता है। आपके मन में ऐसे विचार आने लगते हैं कि चोरी के लिये क्या करें और क्या न करें, कैसे कानून की नजर से बचें, क्या होगा और क्या नहीं होगा इत्यादि इत्यादि। आपके मन में एक निर्णय बना कि मन उसके पीछे काम करना शुरू कर देता है। मन आपका गुलाम है।

असल में निर्णय न लेने वाला व्यक्ति ही मन के चक्कर में पड़ता है। जो आदमी निर्णय लेने की कला सीख जाता है, मन उसका गुलाम हो जाता है। वह जो अनिर्णयात्मक स्थिति है, वही मन है। निर्णय की क्षमता ही मन से मुक्ति दिलाती है। वह जो निर्णय है, संकल्प है, बीच में खड़ा होता है और मन उसके पीछे चलता है।

निर्णय, संकल्प लेते ही मन के साथ–साथ जीवन का भी रूपांतरण शुरू हो जाता है।

मुझे ऐसे भले लोगों से मिलने का सौभाग्य मिला जिनके निर्णय व संकल्प ने अन्धकार को प्रकाश में बदल दिया। ऐसे नेक इंसानों का उल्लेख करना मैं निहायत ही बहुत जरूरी समझता हूँ, ताकि हर कोई इनका अनुकरण कर सके। ये है :–

1.श्री सतीश खुराना, निदेशक गौरव पैट्रोकम (प्रा.) लि.
2.श्री दौलत राम माल्या, निदेशक एवन आर्किटेक्टस (प्रा.) लि.
3.श्री राम प्रसाद लोदिया, निदेशक एवन आर्किटेक्टस (प्रा.) लि.
4.श्री भींवा राम कमलवाल, अकांऊटेन्ट।

इन्होनें अपनी व्यस्त दिनचर्या का कीमती पल निकाल कर गहन चिन्तन किया और महसूस किया कि हमारे देश के बहुत से प्रतिभाशाली बच्चे आर्थिक स्थिति से कमजोर होने के कारण स्कूल जाने में असमर्थ है तथा देश का भविष्य अन्धकारमय है। इन्होनें निर्णय लिया और संकल्प किया कि हमें अपना कुछयोगदान देश के भविष्य के लिये देना चाहिये। इनका निर्णय बना और मन ने इसके पीछे काम करना शुरू कर दिया। हालांकि अंधेरा काफी था, हजारों मील चलना था लेकिन इनका उठाया गया पहला कदम महत्वपूर्ण साबित हुआ जिसने समर्पण संस्था की नींव का पत्थर रख दिया। इन्होंने अंधेरे कोने में जैसे ही एक दीपक जलाया तो वहां सैकड़ों दीपक जल गये। अन्धकार मिट गया और प्रकाश जगमगा उठा। उस एक दीये ने जीने की पगडडी का रास्ता दिखा दिया। इसी निर्णय व संकल्प ने इन नेक इंसानों की जिंदगी को मानवता के लिए समर्पित कर दिया। काश मेरे भारत देश में ऐसे सभी इंसान होते तो सरकार की आधी चिंता स्वयं ही मिट जाती। तब सरकार जनता के कल्याण के लिये योजनाएं बना सकती और उन पर काम करने के लिये प्रजा के ही ऐसे नेक व्यक्ति उपलब्ध होते तो हमारा

देश निश्चित ही अधिक प्रगति करता। ऐसे व्यक्ति अपने आप में बड़ी सम्पत्ति होते है जो दूसरो से सहायता लेने की बजाय दूसरों की सेवा ही करते हैं। ऐसे नेक इंसान सभी के लिये प्रेरणा स्त्रोत होते है। आइये हम सभी इसी समय निर्णय करें व संकल्प लें कि अपनी कमाई का थोडा सा हिस्सा मानवता के लिये समर्पित करें ताकि होनहार व जरूरतमंद बच्चों की अन्धेरी जिन्दगी को उज्जवल किया जा सके। जैसे ही आपने ऐसा निर्णय लिया और संकल्प किया तो समझो आपने अपनी दिर्घायु का, खुशहाली का व भगवान कसाक्षात्कार का पहला कदम रख दिया।

हरि ओम तत् सत्.....

समर्पण से ही प्रभु प्राप्ति

✍ पं. हरदेव शर्मा (दिल्ली)

प्रत्येक आस्तिक व्यक्ति किसी न किसी रूप में भक्तिकर रहा है। हिन्दु मन्दिर में जाकर पूजा–अर्चना द्वारा, यज्ञ हवन द्वारा, तीर्थ यात्रा द्वारा, धार्मिक ग्रन्थों के पठन–पाठन द्वारा मुसलमान मस्जिद में नवाज, हज्ज द्वारा अथवा कुराने–पाक में लिखी हिदायतों के पालन द्वारा। सिक्ख गुरूदारें में गुरू ग्रन्थ साहिब का पाठ करकर अथवा दसों गुरूओं के जन्म दिन एवं बलिदान दिवस मनाकर। ईसाई गिरजाघर में जाकर पूजा करके व बड़ा दिन मना कर अथवा पवित्र बाइबल पढ़कर भक्ति करते हैं।

इन सभी द्वारा अलग–अलग धर्मो मानने वालों द्वारा अलग–अलग ढंग से भक्ति करने के पीछे एक उद्देश्य होता है कि उन्हें ईश्वर की प्राप्ति होगी अथवा एक दिन उनका ईष्ट उनके सम्मुख खड़ा होगा और उनसे वर मांगने के लिए कहेगा परन्तु मन की एक मात्र कल्पना है, मानव की अपनी सोच है।

शकर्म–काण्डों से ईश्वर को स्मरण तो किया जा सकता है, ईश्वर प्राप्ति की श्रद्धा उत्पन्न की जा सकती है, उस श्रद्धा में बढ़ोतरी तो लाई जा सकती है परन्तु उसकी तृप्ति नहीं की जा सकती, प्रभु को प्राप्त नहीं किया जा सकता। प्रभु प्राप्ति के लिए प्रभु की अनुभूति आवश्यक है।

मानव सोचता है कि धार्मिक ग्रन्थों के पठन–पाठन से वह ईश्वर को जान पायेगा, ईश्वर की अनुभूति कर लेगा परन्तु वास्तविकता में ग्रन्थों के पठन–पाठन से ईश्वर के विषय में जानकारी तो प्राप्त की जा सकती है, ईश्वर के गुणों को तो जाना जा सकता है परन्तु ईश्वर की अनुभूति नहीं की जा सकती, ईश्वर की प्राप्ति नहीं की जा सकती। अपनी विद्वता, कर्म काण्डों, सामाजिक तथा आर्थिक स्तर, धर्म, वर्ण, आदि के फलस्वरूप उत्पन्न हुए अभिमान को त्याग कर प्रभु प्राप्ति के लिए मानव को अपने सब धर्मों को छोडकर, सब मान्यताओं को त्याग कर ब्रह्मवेता सद्गुरू के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित होना पड़ता है। जिस प्रकार गीता में लिखा है, 'सर्वधमन्यिपरित्यज्य मामेक' शरण' वज अहं त्वा सर्वपापेम्बो मोक्षपिव्यामि मा शुच:' (18166) अर्थात् सम्पूर्ण धर्मों को अर्थात् सम्पूर्ण कर्तव्य कर्मों को मुझ मे त्याग कर तू केवल एक मुझ सर्वशक्तिमान सर्वाधार परमेश्वर की शरण मे आ। मैं तुझे सम्पूर्ण पापों से मुक्त कर दूंगा, तू शोक मत कर।

अतः ईश्वर अनुभूति के लिए, ईश्वर प्राप्ति से होने वाले आनन्द की प्राप्ति के लिए पूर्ण सद्गुरू के प्रति समर्पित होना आवश्यक है ऐसे सद्गुरू के जिसने स्वयं ईश्वर की अनुभूति की हो, स्वयं मुक्त हो तथा औरों को भी ईश्वर की अनुभूति कराने में सक्षम हो। पूर्ण सद्गुरू जिज्ञासा को कर्म काण्ड करने के लिए नहीं कहता। जिज्ञासु की जिज्ञासा देखकर उसे तत्काल ही ब्रह्मज्ञान प्रदान कर देता है जिस प्रकार गुरू वशिष्ठ ने भगवान श्रीराम को मात्र उतने समय में प्रदान कर दिया था जितना समय फूल को मसलने में लगता है।

ब्रह्मज्ञान प्राप्त करने के उपरान्त भी मानव को सद्गुरू के प्रति पूर्ण रूप से समर्पण होकर उसके आवश्यतानुसार जीवन व्यतीत करना पड़ता है। जिस प्रकार एक विवाहित स्त्री तब तक ही विवाह का आनन्द प्राप्त कर सकती है जब तक वह अपने पति के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित हो जाती है, उसी प्रकार भक्त भी ब्रह्मज्ञान का तब तक आनन्द प्राप्त नही कर सकता है जब तक वह सद्गुरू और ईश्वर के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित नहीं होता।

भक्त की भगवान के प्रति भक्ति तब ही सार्थक होता है, भक्ति का तब ही आनन्द प्राप्त होता है जब वह भगवन्त से इश्क हकीकी करता है। इश्क हकीकी में भक्त प्रेमी और भगवन्त प्रेमिका माना गया है। इसमें भक्तरूपी प्रेमी सांसारिक सुखों की कामना नहीं करता। वह स्वर्ग की इच्छा भी नहीं करता और नरक की यातनाओं से रक्षा की प्रार्थना भी नहीं करता। भक्त केवल अपने सद्गुरू के, ईश्वर के निरन्तर दर्शन की अभिलाषा रखता है। वह प्रेम मात्र प्रेम की खातिर करता है। उसका प्रेम केवल उसकी प्रेमिका रूपी ईश्वर के साथ होता है। वह उसमें समा जाना चाहता है। उसके निरन्तर दर्शन करता रहता है ईश्वर प्रेम में वह अपनी सुद्ध–बुद्ध खो जाता हैं। अपने आपको मिटा देता है। उसे हर ओर ईश्वर ही ईश्वर दिखाई देता है। वह स्वयं को ईश्वर से अलग नहीं मानता। इस प्रकार के पूर्ण समर्पण से ही भक्ति का वास्तविक आनन्द और ईश्वर की प्राप्ति हो पाती है।

परोपकार के हित में
देते सबको नेह-निमंत्रण
धरती पर हर जीव बचे,
हो प्रेम का सर्व नियंत्रण।

खलनायक नहीं, नायक बनें

✍ किशोर "स्वर्ण" (उदयपुर)

अचानक टी.वी. देखते हुए मेरे आठ वर्षिय बेटे सुमित ने कहा" पापा कोई भी डरावना आदमी जीतता तो है नही, हिरो से हार जाता है फिर भी वह गलत काम क्यों करता है"। बेटे सुमित के पुछने पर मैंने कहा बेटे "आप टी.वी. पर अक्सर हारर शो–डरावने धारावाहिक तथा सुपर हिरो की कहानियों में देखते हो कि बुरे या डरावने चेहरे वाले शक्तिशाली खलनायक को अनैतिक कार्य करते दिखाया जाता है, जो हर बार अलग–अलग तरकिब से हिरो को हराने का प्रयास करता है किन्तु हर कहानी का खलनायक हार जाता है" जानते हो क्यों ? क्योंकि जीवन में चरित्रवान व्यक्ति की ही जीत होती है, चरित्रहीन की नही। चरित्र ही इंसान को नायक बनाता है और चरित्र ही खलनायक।

नाकारात्मक जीवन जीने वाला खल पात्र कोई भी हो सकता है, यह खल पात्र किसी विशेष जाति, वर्ण, वर्ग, वेश, देश का नही होता, कोई भी स्त्री या पुरूष खल चरित्र हो सकता है। जरूरी नही कि सास ही खल पात्र हो, बहु भी हो सकती है। सिर्फ बॉस ही नही कर्मचारी भी खल पात्र हो सकता है, अथवा कोई भी चरित्रहीन हो सकता है फिर चाहे कोई नेता हो या अभिनेता, अनपढ़ हो या विद्वान, अमीर हो या गरीब।

चारित्रिक पतन हर ओर देखा जा रहा है, अभी कुछ रोज पूर्व ही एक समाचार पत्र में पढा कि एक व्यक्ति ने अपने दोस्त को दिये गये अपने रूपये मांगे तो दोस्त ने उस व्यक्ति का ही कत्ल कर दिया। ऐसी ही एक खबर चर्चा में रही कि एक पिता ने अपनी पुत्री की हत्या कर दी क्योंकि पुत्री ने पिता के अनैतिक कृत्य को देख लिया था। यही नही एक पत्नि ने अपने पति को इसलिए मार डाला क्योंकि वह चरित्रहीन था।

वासना की आग सारे गुणों को व चरित्र को भस्म कर देती है। जीवन में संयम जरूरी है। जीभ का संयम न रखने के कारण मछली कांटे में फंसती है। आँख का संयम न रखने के कारण पतंगा दीपक में जलता है। शरीर पर संयम न रखने के कारण हाथी गड्ढे में गिरता है। नाक का संयम न रखने के कारण भवरा फूल में फंसता है। कान का संयम न रखने के कारण हिरण जाल में कैद होता है। गाड़ी में ब्रेक न हो तो गाड़ी बेकार है और जीवन में संयम न हो तो जीवन भी बेकार है।

संयम न हो तो वासना जागृत होती है और इंसान अनैतिक और अमर्यादित कार्य करने लगता है। विकृतियों के कारण इंसान गुणों से वंचित रहता है और परमात्मा से दूर हो जाता है तभी वह नायक से खलनायक बन जाता है।

नायक बनने के लिए चरित्र निर्माण जरूरी है इसके लिए चरित्र निर्माण में अवरोध बनने वाले विकारो को अपने ऊपर हावी न होने दें बल्कि उन्हें अपने कब्जे में रखे अथवा सवारी नही सवार बने।

विकार हमारे अधीन तभी रह सकते है जब हम परमात्मा से जुड़े है। प्रभु से जुड़े भक्त का जीवन सदाचारी, मर्यादित और अवगुणों से दूर रहने में वह सहज ही सफलता प्राप्त करता है।

चरित्र कभी मरता नही शरीर मरता है। चरित्र के कारण ही भगवान राम को मर्यादा पुरूषोत्तम कहा जाता है यही नही उनके भक्त हनुमान जी के चरित्र पर भी कभी उंगली नही उठी।

आओं ऐसे चरित्र का निर्माण करे जो सदगुणो के महान रत्नों के खजाने से सुसज्जित हो, जिससे घर–परिवार तथा समाज की सुंदरता बढ़े। खलनायक से नायक बनने की ओर अग्रसर हो।

ज़िन्दगी
जीने की है काटने की नहीं

✍ रमा धीरेन्द्र

अक्सर हम घर बाहर कहीं ना कहीं किसी ना किसी को यह कहते हुए सुन सकते हैं, "भई अब इतनी तो कट गई बाकी भी कट ही जायेगी", "अजी बस ये थोड़ा सा सहारा है, इसके सहारे जैसे तैसे जिन्दगी काट ही लेंगे", "अब जैसे भी है ये जिन्दगी तो काटनी ही पड़ेगी" आदि–आदि। ऐसे जुमले सिर्फ गरीब, साधनहीन, मजबूर या वृद्धावस्था के लोग ही कहते हों ऐसी बात नहीं है, ये निराशाजनक उद्‌गार तो आजकल किशोर पीढ़ी से लेकर बुजुर्ग तक तथा गरीब मजदूर से लेकर धनाढ्य वर्ग तक हर स्तर पर किसी न किसी के मुँह से सुना जा सकता है। ज़रा सा जीवन की भौतिक–सुविधाओं में उतार–चढ़ाव आया नहीं कि मनुष्य लगा निराशा के सागर में डूबने–उतराने। वह दूसरों को भी ऐसी ही सलाह देता है, मसलन, बेटी की शादी हुई, ससुराल में उसका जीवन अत्यन्त कष्टमय है, सास–ससुर का व्यवहार अमानवीय, पति एय्याश व बेकार, लड़की का मान–सम्मान हर प्रकार से आहत, फिर भी माता–पिता की एक ही रट है, "बेटी अत तो वही तुम्हारा घर है, तुम्हें जिन्दगी वहीं काटनी है" मानों जिन्दगी न हुई कोई पतंग की डोर है जिसे हर हाल में काट कर पूरा करना ही है। खुद लड़की भी हर समय रोनी सूरत बनाये उसांस छोड़ती हुई कहेगी, "इससे तो मुझे मौत ही आ जाये तो अच्छा है।"

हां, यह मानव–जीवन का विरोधाभास ही है कि ज़रा सी विषम परिस्थितियां आते ही वह "मृत्यु" का "वरण" करने की तमन्ना दिखाने लगता है। मृत्यु का राग लोग ऐसे अलापते हैं मानो मृत्यु बड़ा ही सुखद क्षण है जो कि अब आया कि तब आया। परन्तु यदि कभी वास्तव में मृत्यु का सामना हो जाये तो कितने इन्सान होंगे जो खुशी से मृत्यु का वरण करना चाहेंगे या वीरता से उसका सामना करेंगे। उस समय तो लगता है कोई किसी भी तरह उनके प्राण बचा ले। यानि मृत्यु कोई ऐसा पल नहीं है जिसके इंतज़ार में सारा जीवन निष्क्रियता अथवा उदासीनता में गुज़ार दिया जाये।

मृत्यु तो एक "अटल–सत्य" है जो हर जीवन (सुखी हो या दुखी) की परिणिति है। तो फिर मृत्यु अथवा निराशा के नाम पर निष्क्रिय जीवन की अपेक्षा क्या यह अच्छा नहीं है कि एक सम्पूर्ण क्रियाशील जीवन जीया जाये ? कुछ एसा प्रयास हो कि "जीवन मुक्ति" के

पश्चात भी शायद कोई ऐसा चिन्ह छूट जाये जो हमारे जीवित क्षणों की अमिट छाप किन्हीं दिलों पर डाल सके, जो कभी इन चिन्हों को सहलाते हुए "दो बूंद आंसू" हमें समर्पित कर पाये तो यह "मानव–देह" अपनी सार्थकता को प्राप्त हो जाये।

जिस मानव देह को पाने के लिए देवता तक तरसते हैं उसी को प्राप्त करने वाला स्वयं उसके प्रति इतना हताश और विरक्त हो जाये कि उसे सिर्फ जैसे–तैसे काट कर समाप्त करना चाहता हो तो यह उसके व्यक्तिगत–स्वार्थ व "अतृप्त–तृष्णा" का द्योतक है, जिसके कारण उसने अपना जीवन सिर्फ अपने भौतिक सुख–दुखों के एक आडम्बरयुक्त खोल में कैद कर लिया है। जिसमें उसे अपना जीवन नीरस व तुच्छ नज़र आता है, जब उसकी तृष्णाओं की बढ़ती हुई प्यास सदैव अधूरी रह जाती है। कर्महीन–भावुकता और मज़बूरी का जामा पहन जिन्दगी को काट लेने को राग अलापने वाले व्यक्तियों को अपनी इन्द्रिय लिप्सा की पूर्ति हेतु किसी स्त्रोत की तलाश रहती है और उसके न मिल पाने पर वे अपने जीवन और आस–पास के वातावरण को असंतुष्ट बना डालते हैं और समाज में अनके बुराईयों के बीज़ारोपण का कारण बनते हैं। एसे लोग एक कामगार व मजदूर से लेकर पांच–सितारा की सीमा में होता है अन्यथा मौलिक रूप से वे समान हैं। फिर चाहे वे स्त्री हो या पुरूष।

इसके विपरीत एक कर्मठ व्यक्ति अपनी "भौतिक लिप्सा को सीमित कर एक संतोष जनक व सुखी जीवन जीता है। उसका सामाजिक व परोपकारी नज़रिया कभी जीवन में खालीपन का अनुभव नहीं करता। वह अपने कष्टों को दूसरो के आराम के लिए भुला देता है महान कुटनीतिज्ञ "चाणक्य" के पैर में एक कांटा लगा, उसने सारे कांटों की जड़ में मक्खन भर दिया ताकि किसी और को कांटा ना लगे।

ऐसे ही स्वतन्त्रता सेनानियों ने देश को स्वतंत्र करवाने के लिए कितनी कुर्बानियां दी, कितने कष्ट झेले। यदि वे भी अपने ही स्वार्थ और मोह में फंस कर जीवन को उसी रूप में काट लेने का निश्चय कर लेते, तो फिर क्या आवश्यकता थी उन्हें कटीली राहों पर चलने की ? वे भी सोच लेते जैसे चल रहा है वैसे ही ठीक है तो जिन्दगी तो उनकी आत्मा को जो पल–पल मरना पड़ता, उनके स्वाभिमान को जो हर क्षण चोट लगती थी वह आने वाली पीढ़ियों को न लगे इसीलिए उन्होंने सारे कष्ट सहे और एक क्रियाशील जीवन जीकर अमर हो गये। जीवन के बारे में यह सोचना कि जैसी अवस्था में है मज़बूर, असहाय, परासित अथवा अपमानित उसी में चलता हुआ समाप्त तो हो ही जायेगा, यह गलत है। इस बात का प्रयास करना चाहिये कि इस जीवन को इस योग्य बनायें कि कहीं भी, कभी भी किसी के कुछ काम आ सके।

"महात्मा गांधी" तो देश को स्वतन्त्र कराने में भी ये परोपकारी विचार रखते थे कि, "हम अपने देश की स्वतन्त्रता इस लिए चाहते हैं कि कभी भी समय आने पर हम किसी दूसरे की सहायता के लिए.....

..... अपने देश को कुर्बानी दे सकें, क्योंकि पतनोन्मुख भारत अपनी या संसार की किसी भी प्रकार की सहायता नहीं कर सकता। स्वतन्त्र व ज्ञानी भारत ही अपनी और संसार की सहायता कर सकता है। "इसी तरह आदर्शविहीन, असंयमी व स्वार्थी व्यक्ति किसी की क्या सहायता कर सकता है ? किसी के काम आने लायक बनने के लिए मनुष्य को संयमी, बलवान, धैर्यवान तथा निडर होना चाहिये।

जीवन की आवश्यकता सिर्फ भोजन नहीं बल्कि मन और दिमाग़ की खुराक "नैतिकता" भी है। झूठ, दम्भ, पाखंड व अनैतिकता को अपने मन–मस्तिष्क की आवश्यक खुराक बना कर आज का मानव मानसिक रूप से बिमार हो गया है। स्वस्थ व निरोगी शरीर के लिए शुद्ध व पौष्टिक खाना चाहिये तो फिर स्वस्थ, प्रसन्न व निरोगी मन मस्तिष्क के लिए "नैतिक–आचरण", जो मनुष्य को जिन्दगी काटने का लोभ से मुक्त कर आनन्द पूर्वक जीने दे।

सही जिन्दगी जीने का मतलब है अपनी आत्मा को जीवित रखते हुए स्वाभिमान के साथ जीना। परिस्थितियों को अपने अनुकूल ढ़ालने के लिए संघर्ष करते हुए जीना, ना कि परिस्थितियों को मजबूरी के आगे आत्मसमर्पण करके अपनी आत्मा की हत्या करके सिर्फ शरीर के साथ जीना। शरीर के साथ जीना जीना नहीं, यह तो दिन–दिन छीजता है व नश्वर है। जीना तो आत्मा के साथ है जो मृत्यु के पश्चात् भी जीवित रहेगी, उसे जीवन में ही कुचल डालने पर क्या किसी को जीवित कहा जा सकता है ? आज चारों ओर आत्मा को मार कर जीवित शव ढ़ोने वाले अधिक हैं, जबकि आत्मा के साथ जीने वाले "जीवित–शरीर" गिने–चुने।

"डार्विन" के अनुसार आदमी की शराफ़त की सच्ची पहचान यह है कि वह पवन के प्रवाह से इधर–उधर भटकते हुए बादलों की तरह धक्का खाने के बजाय अपनी जगह पर अचल रहे और जो उसे उचित जान पड़े वह करे और कर सके।"

जीवन का लक्ष्य इसमें नहीं है कि हम कैसे हैं, बल्कि इस बात में है कि, "हमें कैसा होना चाहिये"। इसका ज्ञान हमें नीति पालन द्वारा हो सकता है और वह नीति–पालन सभी धर्मों में मूल रूप से समान है। इसके अनुसार हर इन्सान को अपने जीवन–पथ के लिए एक दीपक की तलाश होती है जो उसके मार्ग में प्रकाश फैला कर उसका पथ–पदर्शक बन सके। परन्तु मनुष्य को यह भी ध्यान रखना चाहिये कि हर इन्सान स्वयं में भी एक "दीपक" है जो किसी के जीवन में उजाला भर सकता है, बशर्ते वह स्वयं जले। एक बिना जला दीपक सिर्फ "मिट्टी" होता है। अतः अपने जीवन की सार्थकता के लिए दीपक बन जलना जरूरी है। सभी महान् पुरूषों की महानता का रहस्य उनके हर क्षण खुद जल कर दूसरों को प्रकाश देने की प्रवृत्ति में ही है, ना कि दूसरों के जलने से उत्पन्न प्रकाश का सहारा लेने की प्रकृत्ति में।

"महाभारत" में लिखा है कि, " जिन्दगी भर धूंआं देते रहने से एक बार चमक कर बुझ जाना कहीं बेहतर है।" यही जीने का सही अन्दाज़ है जो पल भर को ही सही किसी को रोशनी दे सके ना कि धूंआं बन कर दूसरों की आंखों का अंधेरा बनता रहें। जीवन के जिस क्षण मानव किसी की भलाई का संकल्प कर ले या किसी के अहित से उसका हृदय बोझिल हो जाये वही जीवन का बहुमूल्य व सार्थक क्षण है। जिसकी जिन्दगी में यह क्षण आ जाता है। उसे जीवन से प्यार हो जाता है, फिर वह इसकी सरसता का बूंद–बूंद अनुभव करता हुआ तृप्ति–पूर्वक मृत्यु को प्राप्त होता है। वरना तो " अतृप्त–जीवन से उदासीनता तथा स्वार्थ–पूर्ति की लालसा में खिंचती जीवन डोर की कशमकश में मनुष्य न सुख–पूर्वक जी सकता है और न ही सम्मान–पूर्वक मर सकता है।

अत्याचार के सामने मजबूर और निरीह बन कर जिन्दगी कट जाने का इंतजार करने या फिर कायरों के समान आत्म–हत्या द्वारा जीवन से पलायन करने से बेहतर है सही न्याय के लिए संघर्ष करते हुए मर कर जिन्दगी जी जाना। जो व्यक्ति किसी सार्थक कार्य के लिए समय पर मरने को तैयार नहीं वह मरना दोनों महत्वहीन हैं।

"स्वामी विवेकानन्द" ने कहा था, "दूसरों को खिला कर खाने वाला, रोतों को हसाने वाला कभी दुःखी व अकेला नहीं हो सकता। हर समय किसी ना किसी का साथ उसे महसूस होगा। यह साथ मनुष्य, पशु, पक्षी, धरती, आकाश या प्रकृति किसी का भी हो सकता है।"

किसी बन्धन–हीन व निस्वार्थ आंख के दो बूंद आंसू किसी की मृत्यु पर टपक पड़े तो वह मृत्यु अमर हो जाये। अतः जीते जी किसी आंख के ऐसे ही आंसू की धरोहर प्राप्त करने का प्रयास ही सार्थक जीवन है।

ठीक ही कहा है कि–

"जिन्दगी उनकी है जो हँस के जिया करते हैं।
अपनी खुशी दे औरों के ग़म को पिया करते है।।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग

विभाग के माध्यम से अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास के साथ–साथ समाज के अत्यधिक गरीब, अल्पसंख्यक, निःशक्तजन, वृद्ध, विमुक्त एवं घुमन्तू और अन्य पिछड़ा वर्ग के भी आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास की अनेक योजनाएं संचालित किये जाने के कार्य भी प्रारम्भ किये गये हैं।

छात्रावास सुविधा

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा अनुसूचित जाति /जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के कक्षा 6 से 12 तक के छात्र –छात्राओं को आवास, भोजन, वस्त्र, स्टेशनरी, कम्प्यूटर आदि की सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

छात्रवृति योजना

उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति : भारत सरकार द्वारा जारी मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति नियमों के अनुसार 10 जमा 2 पद्धति एवं कॉलेज स्तर पर यह छात्रवृत्ति अनुसूचित जाति/जनजाति के उन छात्र–छात्राओं को दी जाती रही है, जिनके माता–पिता/अभिभावक की वार्षिक आय एक लाख रूपये तक हो। इस योजना में नॉन रिफण्डेबल फीस एवं अनुरक्षण भत्ते को शामिल कर छात्रवृत्ति के रूप में दिया जाता है।

अस्वच्छ व्यवसायों में कार्यरत व्यक्तियों के बच्चों को छात्रवृत्ति : इस छात्रवृत्ति का उद्देश्य शुष्क शौचालयों की सफाई करने वाले, चर्म शोधन करने वाले, चमडा उतारने वाले तथा सफाई कार्य में परम्परागत रूप से जुड़े हुए व्यक्तियों के बच्चों को मैट्रिक पूर्व शिक्षा अर्जन करने हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाना है। डे–स्कॉलर कक्षा 1 से 10 तक 110 रूपये, तथा छात्रावासियों को कक्षा 3 से 10 तक 700 रूपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति 10 माह के लिए उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके अतिरिक्त डे–स्कॉलर विद्यार्थियों को 750 रूपये तथा छात्रावासी विद्यार्थियों को रूपये 1000 प्रति विद्यार्थी प्रतिवर्ष तदर्भ अनुदान भी उपलब्ध करवाया जाता है।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति : अन्य पिछड़ा जाति के छात्रावासी एवं ऐसे छात्र–छात्राओं को जिनके माता/पिता/अभिभावक की वार्षिक आय 44,500 रूपये है। इस योजना में नॉन रिफण्डेबल अनिवार्य फीस एवं अनुरक्षण भत्ते का भुगतान भारत सरकार के निर्देशानुसार किया जाता है।

अनुप्रति योजना

भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में (प्रारम्भिक परीक्षा) उत्तीर्ण होने पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहन राशि दिये जाने का प्रावधान है।

क. 25,000 रूपये प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण होने पर व 40,000 रूपये मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु तथा मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण होने पर 10,000 रूपये का भुगतान किया जाता है।

ख. अभ्यर्थी को साक्षात्कार की तैयारी हेतु 20,000 हजार रूपये एवं साक्षात्कार के पश्चात उत्तीर्ण होने पर 5,000 रूपये का भुगतान किया जाता है।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा एवं अधीनस्थ सेवा (प्रारम्भिक परीक्षा) उत्तीर्ण होने पर अनुसूचित जाति के छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहन राशि दिये जाने का प्रावधान हैं।

क. 15,000 रूपये प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण होने पर व 10,000 रूपये मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु तथा मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण होने पर 5,000 रूपये का भुगतान किया जाता है।

ख. अभ्यर्थी को साक्षात्कार की तैयारी हेतु 10,000 हजार रूपये एवं साक्षात्कार के पश्चात उत्तीर्ण होने पर 5,000 रूपये का भुगतान किया जाता है।

अनुप्रति संशोधित योजना–2008

इस योजना में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्र–छात्राओं को सीनियर सैकण्डरी उत्तीर्ण होने पर राष्ट्रीयकृत उच्च शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन हेतु प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण होने पर संबंधित महाविद्यालय में प्रवेश लेने के पश्चात प्रोत्साहन राशि दिये जाने का प्रावधान है।

अनुप्रति संशोधित योजना–2008

इस योजना में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्र–छात्राओं को सीनियर सैकण्डरी उत्तीर्ण होने पर राष्ट्रीयकृत उच्च शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन हेतु प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण होने पर संबंधित महाविद्यालय में प्रवेश लेने के पश्चात प्रोत्साहन राशि दिये जाने का प्रावधान है।

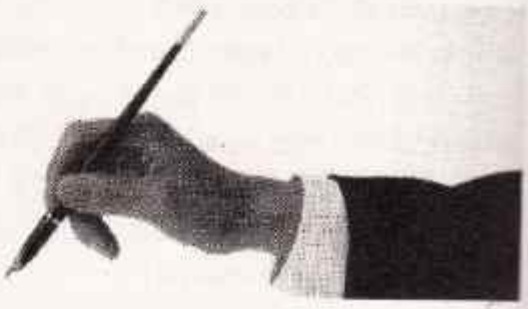

संस्थान का नाम	देय अनुदान की राशि
IITs	प्रवेश परीक्षा में सफल होने तथा संस्थान में प्रवेश लेने के उपरान्त अभ्यर्थी को देय अनुदान की राशि रूपये 50,000/–
IIMs	(1) Common Admission Test (CAT) में उत्तीर्ण होने पर अभ्यर्थी को समूह चर्चा तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार की तैयारी हेतु देय राशि रूपये 25,000/– (2) समूह चर्चा तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार मे सफल होने तथा संस्थान में प्रवेश लेने के उपरान्त देय अनूदान की राशि रूप्य25,000
AIIMs	प्रवेश परीक्षा में सफल होने तथा संस्थान में प्रवेश लेने के उपरान्त अभ्यर्थी को देय अनुदान की राशि रूपये 50,000/–
Indian Inst. of Sc. Bangalore	प्रवेश परीक्षा में सफल होने तथा संस्थान में प्रवेश लेने के उपरान्त अभ्यर्थी को देय अनुदान की राशि रूपये 50,000/–
Indian Inst. of Sc. & Applies Res., Kolkata & Banglore	प्रवेश परीक्षा में सफल होने तथा संस्थान में प्रवेश लेने के उपरान्त अभ्यर्थी को देय अनुदान की राशि रूपये 50,000/–
GOI/Medical Council of India के द्वारा प्रमाणित राष्ट्रीय स्तर के अन्य मेडिकल कॉलेज	(1) प्रथम चरण की प्रवेश परीक्षा में सफल होने तथा प्रवेश लेने के उपरान्त अभ्यर्थी को देय अनुदान की राशि रूपये 20,000/– (2) मुख्य परीक्षा में सफल होने तथा संस्थान में प्रवेश लेने के उपरान्त अभ्यर्थी को देय अनुदान की राशि रूपये 20,000/–
All India Council for technical Edu. के द्वारा प्रमाणित राष्ट्रीय स्तर के प्रौद्योगिकी संस्थान केन्द्र सरकार द्वारा सीपित राष्ट्रिय विधि विश्वविद्यालय	प्रवेश परीक्षा में सफल होने तथा संस्थान में प्रवेश लेने के उपरान्त अभ्यर्थी को देय अनुदान की राशि रूपये 40,000/– Common Law Admission Test (CLAT) में सफल होने तथा संस्थान में प्रवेश लेने के उपरान्त अभ्यर्थी को देय अनुदान की राशि रूपये 40,000/–

अनुप्रति विस्तार योजना : 2008

इस योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति के छात्र–छात्राओं एवं जनजाति उप योजना क्षेत्र के छात्र–छात्राओं द्वारा सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में 60 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त होने के पश्चात राज्य सरकार द्वारा संचालित राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों एवं राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण होने पर महाविद्यालयों में प्रवेश लेने के पश्चात 10,000 रूपये की प्रोत्साहन राशि दिये जाने का प्रावधान है।

योजना से संबंधित मुख्य बिन्दु

इस योजना में प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने हेतु छात्रों के अभिभावको %संरक्षक की वार्षिक आय 2.00 लाख रूपये से अधिक न हो एवं वे आयकर दाता न हो इसके अतिरिक्त छात्र राजस्थान का मूल निवासी हो।

आवासीय विद्यालय योजना

आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों पर शिक्षा, आवास, भोजन, पोशाक, पाठ्यपुस्तकें, लेखन सामग्री आदि का समस्त व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

अल्पसंख्यक कल्याणार्थ कार्यक्रम

अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र–छात्राओं हेतु मेरिट–कम–मीन्स छात्रवृत्ति – अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा के स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्यननरत छात्र/छात्राओं के लिए मेरिट–कम–मीन्स छात्रवृत्ति की नवीन योजना प्रारम्भ की गई हैं। इस योजना में आवेदक के परिवार की वार्षिक आय रूपये 2.50 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। इस योजना के अन्तर्गत निम्नानुसार वित्तीय सहायता स्वीकृत किये जाने का प्रावधान किया गया हैं।

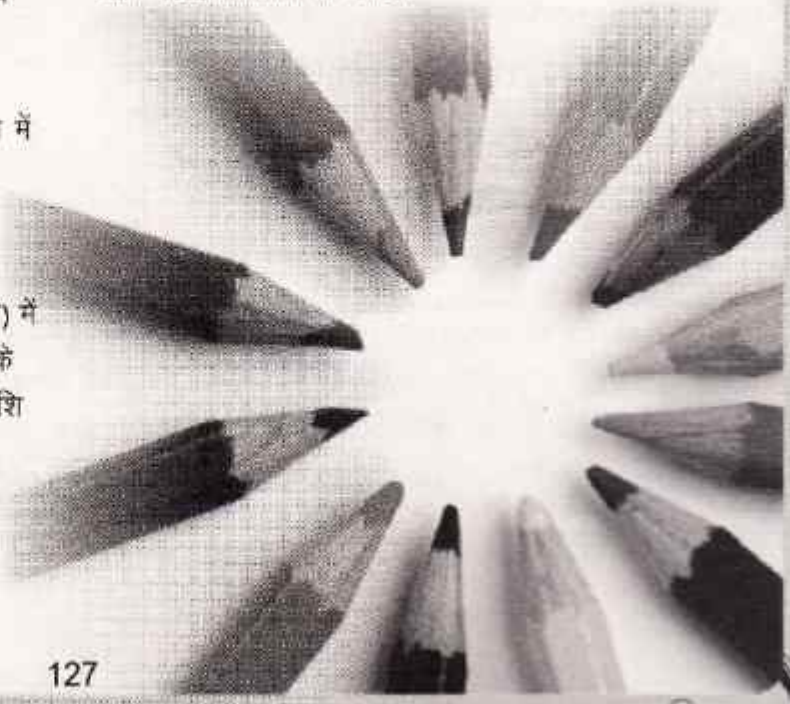

क्र.	मद	दर (छात्रावासी हेतु)	दर (डे–स्कालर हेतु)
1.	अनुरक्षण भत्ता (10 माह हेतु)	10000 रू वार्षिक (1000 रू मासिक)	5000 रू वार्षिक (500 रू मासिक)
1.	कोर्स फीस	20000 रू वार्षिक या वास्तविक फीस जो भी कम हो	20000 रू वार्षिक या वास्तविक फीस जो भी कम हो
	योग	अधिकतम रू.30000	अधिकतम रू.25000

अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र–छात्राओं हेतु पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति – अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के कक्षा 1 से 10 में अध्ययनरत छात्र – छात्राओं हेतु पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति की नवीन योजना प्रारम्भ की गई हैं। इस योजना में आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 1.00 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिये। छात्रवृत्ति की दरें निम्नानुसार है :–

क्र.	मद	दर (छात्रावासी हेतु)	दर (डे–स्कालर हेतु)
1.	प्रवेश फीस एवं ट्यूशन फीस कक्ष 11 व 12	वास्तविक फीस या 7000 रूपये वार्षिक जो भी कम हो	वास्तविक फीस या 7000 रूपये वार्षिक जो भी कम हो
2.	प्रवेश फीस एवं ट्यूशन फीस कक्षा 11 व 12 स्तर के टेक्नीकल व व्यवसायिक कोर्स	वास्तविक फीस या 10000 रूपये वार्षिक जो भी कम हो	वास्तविक फीस या 10000 रूपये वार्षिक जो भी कम हो
3.	प्रवेश फीस एवं ट्यूशन फीस स्नातक/स्नातकोत्तर कोर्स	वास्तविक फीस या 3000 रूपये वार्षिक जो भी कम हो 235 रूपये प्रतिमाह	वास्तविक फीस या 3000 रूपये वार्षिक जो भी कम हो 140 रूपये प्रतिमाह
4.	अनुरक्षण भत्ता कक्षा 11 व 12 स्तर व इसके समकक्ष तकनीकी व व्यवसायिक कोर्स	355 रूपये प्रतिमाह	185 रूपये प्रतिमाह
5.	अनुरक्षण भत्ता प्रोफेशनल/तकनीकी पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त अन्य स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों हेतु अनुरक्षण भत्ता एम.फिल. एवं पी एच.डी. स्तर	510 रूपये प्रतिमाह	330 रूपये प्रतिमाह

अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र–छात्राओं हेतु पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति – अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के कक्षा 1 से 10 में अध्ययनरत छात्र – छात्राओं हेतु पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति की नवीन योजना प्रारम्भ की गई हैं। इस योजना में आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 1.00 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिये। छात्रवृत्ति की दरें निम्नानुसार है :–

क्र.	मद	दर (छात्रावासी हेतु)	दर (डे–स्कालर हेतु)
1.	प्रवेश फीस कक्षा 6 व 10 तक	वास्तविक फीस या 500 रूपये वार्षिक जो भी कम हो	वास्तविक फीस या 500 रूपये वार्षिक जो भी कम हो

	ट्यूशन फीस कक्षा 6 व 10 तक	वास्तविक फीस या 350 रूपये मासिक जो भी कम हो	वास्तविक फीस या 350 रूपये मासिक जो भी कम हो
3.	अनुरक्षण भत्ता एक वर्ष में अधिकतम 10 माह का कक्षा 1 से 5 तक कक्षा 6 से 10 तक	शून्य वास्तविक फीस या 600 रूपये प्रतिमाह जो भी कम हो	100 रूपये प्रतिमाह 100 रूपये प्रतिमाह

आर्थिक विकास

समाज के कमजोर तथा पिछड़े वर्गों के लोग, जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं, के आर्थिक उत्थान हेतु विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :–

निगम द्वारा संचालित योजनाएं :

1.पैकेज ऑफ प्रोग्राम : शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में लक्षित व्यक्तियों को विभिन्न व्यवसायों को करने हेतु अनुदान एवं बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

2.ऑटोरिक्शा योजना : लक्षित व्यक्ति जिनके पास ऑटोरिक्शा का ड्राइविंग लाइसेन्स है, को ऑटोरिक्शा हेतु अनुदान एवं बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाता हैं।

3.व्यक्तिगत पम्पसैट योजना : लक्षित व्यक्तियों में से लघु एवं सीमान्त कृषकों को अपनी भूमि पर सिंचाई के साधन विकसित करने हेतु 5 से 10 अश्वशक्ति के पम्पसैट अनुदान एवं बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाता हैं।

4.उन्नत गाय/भैंस योजना : लक्षित व्यक्तियों को डेयरी विकास हेतु उन्नत नस्ल की गाय/भैंस हेतु अनुदान व बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाता हैं।

5.कार्यशाला योजना : लक्षित व्यक्तियों में से शिल्पियों/बुनकरों को कार्य करने हेतु कार्यशाला निर्माण के लिए 10,000/– रूपये का अनुदान उपलब्ध कराया जाता है ताकि वे स्वयं अपनी कार्यशाला में स्वयं का रोजगार चालू कर सकें।

6.कूप ब्लास्टिंग योजना : लक्षित व्यक्तियों में से कृषकों को उनके स्वयं के कूप को गहरा कराने हेतु भू–जल विभाग के माध्यम से बोरिंग/ब्लास्टिंग हेतु अनुदान अधिकतम 10,000/– रूपये उपलब्ध कराया जाता है। मलबा आदि निकालने का कार्य स्वयं कृषक द्वारा किया जाता है।

7.कूप विद्युतीकरण योजना : लक्षित कृषकों को कुओं पर विद्युतीकरण हेतु अनुदान उपलब्ध कराया जाता है जो व्यय का 50 प्रतिशत या अधिकतम रूपये 10,000 होता है।

8.कुटीर ज्योति योजना : लक्षित परिवार को राजस्थान राज्य विद्युत निगम के माध्यम से एक पाइण्ट (एक बल्ब) लगाया जाता है इसके लिए प्रति लाभार्थी 2017/– रूपये तक अनुदान दिया जाता है।

9.आधुनिक कृषि यंत्र योजना : लक्षित वर्ग के लघु एवं सीमान्त कृषकों को आधुनिक कृषि यंत्र अनुदान पर उपलब्ध कराये जाते हैं।

10.भूमि आवंटन योजना : इन्दिरा गाँधी नहर क्षेत्र में अनुसूचित जाति के व्यक्ति जो गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे है, उन्हें उपनिवेश विभाग द्वारा भूमि आवंटित की जा रही है। भूमि की कीमत का 50 प्रतिशत या 10,000 रूपये जो भी कम हो, उपनिवेशन विभाग को उपलब्ध कराया जायेगा एवं उपनिवेशन विभाग व्यक्ति को नियमानुसार कब्जा दिलायेगा।

11.मैनुअल स्केवेंजर्स पुनर्वास की स्वरोजगार योजना (एस॰आर॰एम॰एस॰) : भारत सरकार ने राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में "मैनुअल स्केवेन्जरों के पुनर्वास की योजना की राष्ट्रीय स्वच्छकार मुक्ति एवं पुनर्वास योजना के स्थान पर शुरू करने का निर्णय लिया है।

योजना के अंतर्गत लक्षित समूह को कौशल विकास हेतु एक वर्ष तक निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। माइक्रो वित (25000 रूपये तक) और आवधिक ऋण (5 लाख रूपये तक) दोनों रियायती ब्याज दर (अधिकतम 6 प्रतिशत) पर प्रदान किये जायेंगे। बैंकों द्वारा वसूल की जाने वाली ब्याज दर और इस योजना में निर्धारित ब्याज दरों के अंतर की सीमा तक ब्याज सब्सिडी बैंकों को निगम द्वारा उपलब्ध करवाई जायेगी। ऋण की अदायगी अधिकतम 5 वर्ष में की जायेगी। अनुदान सीमा न्यूनतम 12500 रूपये एवं अधिकतम 20000 रूपये नियमानुसार देय होगी।

नवीन योजनाएं

दक्षता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम : शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों को निगम द्वारा स्थानीय आवश्यकता के व्यवसायों में राज्य स्तर/जिला स्तर/कस्बा स्तर पर राजकीय प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थानों के द्वारा निःशुल्क दक्षता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रावधान है। प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष होनी चाहिए। योजनान्तर्गत मोबाइल फोन की मरम्मत एवं रखरखाव, रिटेल चेन मैनेजमेन्ट, कार्यालय प्रबन्धन प्रणाली, फ्रिज, एयर कन्डीशनर मरम्मत, फैशन टैक्नोलॉजी, ब्यूटी कल्चर एवं हेयर केयर ड्रेसिंग, आर्किटेक्चरल असिस्टेन्टशिप, मैकेनिक, डेस्क टॉप प्रिन्टिंग, ज्वैलरी डिजाइन, टैक्सटाइल डिजाइनिंग, टी.वी. रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिशियन, मैकेनिक, फिटर, टर्नर, वायरमैन, प्लम्बर, वेल्डर होम केयर अटेन्डेन्ट आदि।

सामाजिक उत्थान एवं संरक्षण

नागरिक अधिकार सुरक्षा अधिनियम, 1955 का कियान्वयन : संविधान के अनुच्छेद 17 के द्वारा "अस्पृश्यता" को निषिद्ध आचरण घोषित कर दिया गया है और नागरिक अधिकार सुरक्षा अधिनियम, 1995 के अन्तर्गत इसे दण्डनीय अपराध घोषित किया गया है।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 का कियान्वयन : अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों से छुआछूत करने, बेगार लेने, अपमान करने, शील भंग करने, शारीरिक क्षति पहुंचाने, उनको उनकी कृषि–भूमि से बेदखल करने इत्यादि अपराधों के दोषी पाये जाने वाले सवर्ण व्यक्तियों को न्यूनतम 6 माह से उम्र कैद तक के कारावास से दण्डित किये जाने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त पीड़ित व्यक्ति के सामाजिक एवं आर्थिक पुनर्वास हेतु सहायता प्रदान करना इसका महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

अत्याचारों से पीड़ित अनुसूचित जाति/जनजाति के व्यक्तियों को आर्थिक सहायता : अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है, के द्वारा किये गये अत्याचार के अंतर्गत पीड़ित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को तुरन्त आर्थिक सहायता राशि जिला कलेक्टर के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है।

अन्तर्जातीय विवाह : छुआछूत उन्मूलन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के युवक/युवतियों द्वारा सवर्ण जातियों के युवक/युवती से विवाह करने पर दम्पति को अन्तर्जातीय विवाह योजना अन्तर्गत प्रोत्साहन राशि रूपये 50,000 दी जाती है। अन्तर्जातीय विवाह करने वालों के परिवारों की आय सीमा को हटा दिया गया है।

समाज कल्याण प्रवृत्तियां

पालनहार योजना : पालनहार योजनान्तर्गत ऐसे अनाथ बच्चों जिनके माता एवं पिता दोनों की मृत्यु हो चुकी हो अथवा उनको न्यायिक आदेशों के तहत मृत्यु दण्ड या आजीवन कारावास की सजा हो चुकी हो अथवा माता–पिता दोनों में से एक की मृत्यु हो चुकी हो व दूसरे को मृत्यु दण्ड या आजीवन कारावास की सजा हो चुकी हो, को पात्र माना गया है। इन बच्चों के पालनहार (ऐसे व्यक्ति से है जो अनाथ बच्चों को भोजन, वस्त्र, आवास, कपड़े और प्रारम्भिक शिक्षा व अन्य आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति का दायित्व लेना चाहता है) को राज्य सरकार द्वारा अनुदान स्वीकृत किया जाता है पालनहार की वार्षिक आय 1.20 लाख रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। पालनहार को 5 वर्ष की आयु तक अनाथ बच्चों हेतु 500 रूपये प्रतिमाह की दर से तथा स्कूल में प्रवेशित होने के बाद 675 रूपये प्रतिमाह की दर से प्रति बालक अनुदान उपलब्ध कराया जाता है इसके अतिरिक्त वस्त्र, जूते, स्वेटर आदि के लिए 2000 रूपये प्रति अनाथ बच्चों की दर से वार्षिक अनुदान भी पालनहार को उपलब्ध कराया जाता है।

उक्त योजना में निराश्रित पेंशन की पात्र विधवा महिला को भी सम्मिलित किया जाकर उसकी द्वितीय संतान के 15 वर्ष की आयु पूर्ण करने तक एक संतान के लिए योजना के प्रावधानानुसार 500 रू से 675 रू प्रतिमाह अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है, किन्तु इन्हें वार्षिक अनुदान राशि रूपये 2000/– का प्रावधान नहीं है।

महिला कल्याण : विभाग द्वारा महिलाओं के पुनरूत्थान, सुरक्षा, जीविकोपार्जन आदि की दृष्टि से कई योजनाएं संचालित की जा रही है, जिनमें प्रमुख निम्न प्रकार है :–

1.महिला सदन : महिला सदन का मुख्य उद्देश्य अनैतिक एवं सामाजिक रूप से उत्पीड़ित महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करना एवं उनमें नवजीवन का संचार करना है इस सदन में महिलाओं को प्रवेश देकर उन्हे निःशुल्क आवास, भोजन, वस्त्र, चिकित्सा एवं शिक्षण प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है पुनर्वास व्यवस्था के अन्तर्गत जिन आवासनियों के विरूद्ध विभिन्न न्यायालयों में अपना पक्ष रखने हेतु भेजा जाता है तथा न्यायालय के निर्णय अनुसार आवासनियों को उनके अभिभावक व संरक्षकों को सौंप दिया जाता है। महिला सदन में निवासित आवासनियों के विवाह द्वारा पुनर्वासित किया जाता है।

2.विधवा पुनर्विवाह उपहार योजना : विधवा पेंशन की पात्रता रखने वाली महिलाओं को उनके पुनर्विवाह पर राज्य सरकार की ओर से उपहार स्वरूप राशि रूपये 15,000/– दिये जाते है योजना के नियमानुसार राज्य सरकार की विधवा पेंशन की पात्रताधारी महिला के पुनर्विवाह करने

पर राज्य सरकार की उक्त योजना का लाभ लेने के लिए उसे विभाग के सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी को आवेदन करना होगा, जिसकी आवश्यक जांच पश्चात् जिलाधिकारी द्वारा उपहार राशि भुगतान की जायेगी।

3.विधवाओं की पुत्रियों के विवाह पर सहायता योजना : आर्थिक दृष्टि से ऐसे कमजोर परिवारों की विधवाएं, जिनके कोई कमाने वाला वयस्क व्यक्ति नहीं है, की पुत्रियों के विवाह के लिए 10,000 रूपये दिये जाते हैं। सहायता केवल दो पुत्रियों के विवाह पर देय है।

4.सहयोग योजना : इस योजना के तहत 21 वर्ष व उससे अधिक आयु की कन्याओं को विवाह पर राशि रूपये 10 हजार की सहायता प्रदान की जाती है।

5.महिला स्वयंसिद्ध योजना : महिलाओं की समस्या के प्रसंग में महिला स्वयंसिद्ध योजना की रूपरेखा तैयार की गई है ताकि विधवा और निराश्रित जरूरतमंद महिलाएं विशेषकर आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों की महिलाओं की प्रशिक्षण देकर उन्हें आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाया जा सके। इन केन्द्रों पर महिलाओं को कम्प्युटर प्रशिक्षण, प्राथमिक चिकित्सा, दूरस्थ शिक्षा द्वारा शिक्षण, नशामुक्ति प्रशिक्षण तथा सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध प्रचार कार्य बाबत प्रशिक्षात दिया जायेगा। महिलाओं को विभिन्न ट्रेड्स में प्रशिक्षण कर प्रमाण पत्र दिये जायेंगे तथा उनके द्वारा उत्पादित सामान के मार्केटिंग की समुचित व्यवस्था भी की जायेगी।

पात्रता :

1.इस योजना के अन्तर्गत निराश्रित जरूरतमंद तथा विधवा महिलाओं को प्रवेश दिया जायेगा।

2.गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की महिलाओं को प्राथमिकता दी जायेगी। महिला स्वयंसिद्धा केन्द्रों में प्रवेशित महिलाओं को निःशुल्क आवास, भोजन, वस्त्र व अन्य जरूरत की वस्तुएं उपलब्ध कराई जायेंगी। इन केन्द्रों में प्रवेशित महिलाएं अपने 10 वर्ष तक के बच्चों को भी साथ रख सकेंगी।

1.राजस्थान राज्य समाज कल्याण बोर्ड, जयपुर : राजस्थान राज्य समाज कल्याण बोर्ड के अनुदान सहायता कार्यक्रम जैसे प्रौढ़ महिलाओं के लिए शिक्षा का संक्षिप्त पाठ्यक्रम योजना, कामकाजी एवं बीमार माताओं के शिशुओं के लिए राजीव गांधी राष्ट्रीय शिशुपालनगृह योजना, पारिवारिक तनावों के कारण परिवारों को विघटित होने से बचाने के लिए परिवार परामर्श केन्द्र योजना, ग्रामीण महिलाओं में सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध जागृति उत्पन्न करने के लिए महिला जागरूकता प्रसार परियोजना, निराश्रित महिलाओं को आश्रय हेतु महिला अल्पावास योजना आदि का संचालन किया जाता है।

निःशक्त कल्याण :

1.निःशक्तों को छात्रवृत्ति : निःशक्त छात्र/छात्राओं जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय 1.00 लाख रूपये तक है, उन्हें कक्षा 1 से 4 तक 40 रूपये, कक्षा 5 से 8 तक 50 रूपये एवं कक्षा 9 व अग्रिम कक्षा हेतु 150 रूपये से 750 रूपये प्रतिमाह की दर से छात्रवृत्ति एवं नेत्रहीन छात्र/छात्राओं को रूपये 100 से 200 प्रतिमाह वाचक भत्ता स्वीकृत करने का प्रावधान है। छात्रवृत्ति के लिए पात्र छात्रों द्वारा संबंधित शिक्षण संस्था के माध्यम से संबंधित जिलाधिकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के यहां आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

2.निःशक्तजनों को कृत्रिम अंग, उपकरण हेतु आर्थिक सहायता तथा "विश्वास" योजना अन्तर्गत स्वरोजगार हेतु सहायता : निःशक्त व्यक्तियों को शारीरिक रूप से सक्षम बनाने की दृष्टि से निःशुल्क अंग/उपकरण एवं स्वरोजगार प्रारम्भ करने हेतु आर्थिक सहायता दिये जाने का प्रावधान है। निःशक्तजनों को स्वरोजगार हेतु अधिक सहायता उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से वर्ष 2004–05 में "विश्वास" नामक नवीन योजना प्रारम्भ की गई थी, जिसमें निःशक्तजनों को स्वरोजगार हेतु रूपये 1.00 लाख तक के प्रोजेक्ट लागत वाले स्वरोजगार/व्यवसाय हेतु अधिकतम रूपये 70000 का ऋण व रूपये 30000 तक का अनुदान स्वीकृत किये जाने का प्रावधान किया गया है, जिसमें निःशक्तजनों को स्वरोजगार हेतु उक्त सहायता बैंको, राष्ट्रीय अनुसूचित

जाति/जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम, विकलांग वित एवं विकास निगम सफाई कर्मचारी वित एवं विकास सहकारी निगम, व राजस्थान ओ.बी.सी. वित्त एवं विकास सहकारी निगम एवं अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम के माध्यम से ऋण के रूप में उपलब्ध करवाये जाने का प्रावधान किया गया है।

राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में किराया राहत योजना : राजस्थान परिवहन निगम की बसों में यात्रा करने वाले दृष्टिबाधितों को शत प्रतिशत एवं अस्थि विकलांगों को किराये में 75 प्रतिशत छूट की सुविधा दी जा रही है। श्रवण बाधितों को राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में यात्रा हेतु किराये में 75 प्रतिशत तथा मानसिक रूप से निःशक्तों को शत–प्रतिशत एवं उनके सहायक को किराये में 50 प्रतिशत छूट दिये जाने की व्यवस्था 15 अगस्त, 1998 से की गई है।

निःशक्त व्यक्ति वैवाहिक परिचय सम्मेलन एवं विवाह आयोजन : निःशक्त व्यक्तियों द्वारा सामाजिक परिवेश में सुगम जीवन व्यतीत करने की दृष्टि से विभाग द्वारा वैवाहिक परिचय सम्मेलन आयोजित करने एवं विवाह करने पर सहायता दिये जाने की योजना है। दाम्पत्य सूत्र में बन्धने वाले प्रत्येक निःशक्त व्यक्ति को विभाग की ओर से 25000 रूपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। योजना की आय पात्रता 50000 रूपये वार्षिक है।

- जिन परिवारों में एक से अधिक निःशक्त हैं, उन परिवारों को बी.पी.एल. परिवारों के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध करवाने हेतु "आस्था" नामक नवीन योजना प्रारम्भ की गई हैं।
- निःशक्तजनों को रोजगार उपलब्ध करवाने की दृष्टि से "विश्वास" (विकलांगों को स्वरोजगार हेतु सहायता) योजना लागू की गई है, जिसके अन्तर्गत वित्तीय संस्थानों से 1.00 लाख रूपये तक के ऋण की व्यवस्था कराई जाती है एवं अधिकतम 30 हजार रूपये का अनुदान दिया जाता है।

अन्य सुविधाएं

1.राज्य सरकार द्वारा "राजस्थान निःशक्त व्यक्तियों का नियोजन नियम, 2000" के अन्तर्गत राजकीय सेवाओं के राज्य सेवा, अधीनस्थ, मंत्रालयिक एवं चतुर्थ श्रेणी सेवाओं में निःशक्त के लिए तीन प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था है।

2.राज्य सरकार द्वारा निर्मित राजकीय भवनों के आवंटन में दृष्टिबाधित एवं मूक–बधिर कर्मचारियों को प्राथमिकता देने का प्रावधान है।

3.नियोजन हेतु निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में, अनुसूचित जाति/जनजाति के निःशक्त अभ्यर्थियों को 15 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी को 13 वर्ष एवं सामान्य अभ्यर्थी को 10 वर्ष की छूट का प्रावधान है।

4.साक्षात्कार अथवा परीक्षा हेतु बुलाये गये निःशक्तों का रेल में द्वितीय श्रेणी का अथवा बस का वास्तविक किराया दिये जाने का प्रावधान है।

5.सेवारत कर्मचारियों के सेवा में रहते हुए निःशक्त हो जाने की दशा में उनके लिए उचित वैकल्पिक सेवा में समायोजन का प्रावधान है।

सामाजिक सुरक्षा योजना

कुष्ठ गृह एवं विशेष छात्रवृत्ति :

विभाग द्वारा कोढ़ पीड़ित माता–पिता के बच्चों की शैक्षणिक सहायता हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है विशेष छात्रवृत्ति, कक्षा 1 से 5 तक 40 रूपये, कक्षा 6 से 8 तक 50 रूपये, कक्षा 9 से 12 तक 85 रूपये, स्नातक स्तर तक 125 रूपये एवं स्नातकोत्तर व तकनीकी शिक्षा हेतु 170 रूपये प्रतिमाह की दर से 10 माह तक दी जाती है।

वृद्धावस्था, विधवा/परित्यक्ता एवं निःशक्त पेंशन :

राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा के तहत निराश्रित व्यक्तियों को विभाग द्वारा वृद्धावस्था और विधवा पेंशन वर्ष 1974 से एवं निःशक्त पेंशन वर्ष 1965 से दी जा रही है। वर्तमान में पात्र व्यक्तियों को निम्न प्रकार पेंशन राशि देय है :–

1.	58 वर्ष व अधिक किन्तु 65 वर्ष कम आयु की वृद्ध पुरूष	100 रूपये प्रतिमाह
2.	55 वर्ष से अधिक किन्तु 65 वर्ष से कम आयु की वृद्ध महिला	200 रूपये प्रतिमाह
3.	किसी भी आयु की विधवा	400 रू प्रतिमाह
4.	65 वर्ष व उससे अधिक आयु का वृद्ध पुरूष एवं महिला	400 रूपये प्रतिमाह
5.	पति एवं पत्नी (संयुक्त पेंशन) दोनों ही 65 वर्ष व अधिक आयु के हों	600 रूपये प्रतिमाह
6.	पति एवं पत्नी (संयुक्त पेंशन) दोनों ही 65 वर्ष से कम आयु के हों	300 रूपये प्रतिमाह
7.	पति एवं पत्नी (संयुक्त पेंशन) दम्पति में से किसी की आयु 65 वर्ष एवं अधिक होने पर	500 रूपये प्रतिमाह
8.	निःशक्त पेंशन (निःशक्त की आयु 8 वर्ष से अधिक हो)	400 रूपये प्रतिमाह

योजनान्तर्गत शहरी क्षेत्र में उपखण्ड अधिकारी एवं ग्रामीण क्षेत्र में विकास अधिकारी पेंशन स्वीकृत करते हैं।

व्यक्तित्व का आइना है वाणी

एक बार शिकार खेलते हुए राजा भोज और उनके सामंत जंगल में दूर तक निकल गये और एक दूसरे से बिछुड़ गए। राजा को अकेला देख कुछ लुटेरे उनके पीछे लग गये। तेज गर्मी से पीड़ित ये सभी जंगल के कोने में स्थित एक गाँव सें अलग–अलग समय में गुजरे जहां एक अंधी बुढ़िया प्याऊ पर पानी पिलाती थी। राजा ने पानी पिया और पूछा 'माता जी, क्या इधर से कोई और भी घोड़े पर निकला है ? जिसने आपके पास पानी पिया हो। तब तक कोई पहले नहीं निकला था अतः बुढ़िया ने नकारात्मक जवाब दिया। राजा का पीछा करते हुए लुटेरे भी वहां पहुंचे – एक ने पूछा– ए अंधी बुढ़िया, यहां से कोई घोड़ें पर निकला था क्या ? तूने देखा तो क्या होगा पर टापों की आवाज सुनी हो तो बोल बता दे।' बुढ़िया ने बता दिया कि 'एक महाराजा अभी– अभी निकले है। जब सामंत ढूंढते–ढूंढते पहुंचे तो उन्होंने भी पूछा–'माई, यहां से कोई और भी निकला हो और तुझे पता चला हो तो बता दे। बुढ़िया ने कहा 'पहले तो महाराजा साहब निकले थे फिर कोई अपराधी उनके पीछे–पीछे गया है। सामंत ने तुरन्त पीछा कर लुटेरों को पकड़ लिया। उन्होंने बुढ़िया को धन्यवाद देकर पूछा –'माई, तुम तो देख भी नहीं पातीं, फिर तुमने कैसे पहचाना की पहले राजा गये थे और फिर कोई अपराधी, क्योंकि इन दोनों नेतो अपना कोई भी अता–पता तुमको नहीं बताया था। बुढ़िया ने उत्तर दिया, बंधुओं, में देख नहीं पाती, पर वाणी की ओछाई और बड़ाई से में पूरा आभास पा जाती हूँ कि कौन क्या है ?आप लोग राजा के दरबारी हैं यह भी मैं समझ गयी हूँ। 'पूछने पर बुढ़िया ने बताया कि जो माताजी और आप जैसी इज्जत की वाणी बोलता है वह अवश्य राजा है जो ए बुढ़िया कहता है वह रद्दी आदमी, लुटेरा है और जो 'माई, तुम बताओं' कहता है वह मध्यमवर्गीय है।

सत्य है वाणी की गरिमा बोलने की गरिमा का पूरा पता दे सकती है। वास्तव में! व्यक्ति के व्यक्तित्व का आइना वाणी ही है जिसके माध्यम से उसकी तस्वीर प्रकट होती है। वाणी ही मनुष्य को महानता के शिखर पर पहुँचाती है। जिस व्यक्ति की वाणी में मिठास या पूर्णता नहीं वह कभी भी श्रेष्ठता हासिल नहीं कर सकता है। शायर नजीर बनारसी लिखते है

तुम्हारी शान घट जाती कि रूतबा घट जाता।
जो गुस्से से कहा तुमने, वहीं हँस कर कहा होता।

वेद वचन

सत्यं वद	सदा सच बोलो
धर्म चर	सदा धर्म का आचरण करो
सत्यान्न प्रमदित व्यम्	सत्य बोलने से जी मत चुराओं
धर्मान्न प्रमदित व्यम्	धर्म के पालन से मुँह मत मोड़ो
स्वाध्याया प्रमद	अध्ययन में चूक मत करो।
मातृ देवो भव :	माता को देवता मानो।
पितृ देवो भव :	पिता को देवता मानो।
आचार्य देवो भव :	गुरू को देवता मानो।
अतिथि देवो भव :	राष्ट्र को देवता मानो।
कृण्वन्तो विश्वमार्यम	सारे संसार को आर्य (श्रेष्ट) बनाओं

राजस्थान राज्य मानवधिकार आयोग

प्रत्येक व्यक्ति को समानता, स्वतंत्रता एवं गरिमापूर्ण तरीके से जीने का अधिकार है, जो भारतीय संविधान के भाग तीन में मूलभूत अधिकारों में वर्णित है। इन अधिकारों में प्रदूषणमुक्त वातावरण में जीने का अधिकार, चिकित्सा सुविधा का अधिकार, अभिरक्षा मे यातनापूर्ण और अपमानजनक व्यवहार न होने संबंधी अधिकार, महिलाओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार का अधिकार, स्त्री, पुरूष, बच्चों व वृद्ध लोगों के समान अधिकार आदि। इन अधिकारों का हनन जाति, धर्म, भाषा, लिंग भेद के आधार पर नहीं किया जा सकता। ये सभी अधिकार जन्मजात अधिकार हैं व उनके हनन का मामला राज्य मानवाधिकार के कार्यक्षेत्र में आता हैं।

क्या आप चाहते हैं कि आपके परिवाद/शिकायत पर आयोग द्वारा शीघ्र प्रभावी कार्यवाही हो ?

यदि हाँ, तो कृपया अपने परिवाद/शिकायत में यथासंभव निम्न सूचना अवश्य अंकित करें :–

(क) पीड़ित व्यक्ति का नाम, पिता/पति का नाम, जाति, निवास का पता /गाँव /शहर, डाकघर, पुलिस थाना, जिले सहित।

(ख) जिस व्यक्ति/अधिकारी/कार्यालय के विरूद्ध शिकायत है, उसका पूरा विवरण।

(ग) शिकायत/घटना/उत्पीड़न का पूरा विवरण (घटना, स्थान, तारीख, महीना, वर्ष) सहित।

(घ) घटना की पुष्टि करने वाले साक्षियों के नाम–पते, यदि ज्ञात हो तो।

(ड़) घटना की पुष्टि करने में दस्तावेजी सबूत, यदि कोई हो तो।

(च) यदि किसी अन्य अधिकारी/कार्यालय/मंत्रालय को शिकायत भेजी हो तो उसका नाम एवं उस पर यदि कोई कार्यवाही हुई हो तो उसका विवरण।

(छ) क्या आपने पूर्व में इस आयोग या राष्ट्रीय आयोग में इस विषय में कोई शिकायत की है ? यदि हाँ, तो उसका विवरण एवं परिणाम।

(ज) क्या इस मामले में किसी फौजदारी/दीवानी/राजस्व अदालत में या विभागीय कोई कार्यवाही हुई या लम्बित हैं ? हाँ, तो उसका विवरण।

नोट :

कृपया परिवाद/शिकायत पर हस्ताक्षर/अंगुष्ठ चिन्ह लगाना नहीं भूलें।

परिवाद/शिकायत अध्यक्ष/सचिव, राजस्थान मानवाधिकार आयोग, जयपुर के पते पर भिजवाएं।

सम्पर्क सूत्र :

राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग, शासन सचिवालय, जयपुर

टेलीफोन : 0141–2227868 (अध्यक्ष)

2227585 (सचिव), 2227738 (फैक्स)

Email: rshrc@raj.nic.in,

Website www.rshrc.nic.in

गिरफ्तारी करते समय ध्यान रखने योग्य बातें

1. पुलिस अधिकारी या अन्य व्यक्ति द्वारा, जो गिरफ्तारी का रहा है और जिसे गिरफ्तार किया जा रहा है, वह व्यक्ति वचन या कर्म से अपने को अभिरक्षा में समर्पित कर देता हैं तो बल का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।

2. गिरफ्तार किये जाने वाला व्यक्ति बल प्रयोग द्वारा अपनी गिरफ्तारी का प्रतिरोध करता है तो आवश्यक बल का प्रयोग किया जा सकता है। लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए कि गिरफ्तार किए जा रहे व्यक्ति को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष चोटें नहीं आनी चाहिए।

3. गिरफ्तार व्यक्ति की प्रतिष्ठा का ध्यान रखा जाना चाहिए। गिरफ्तार व्यक्ति की न तो परेड की जावें और न ही तमाशा बनाया जावे।

4. हथकड़ियों और बेड़ियों को प्रयोग करने से बचा जाए और यदि आवश्यक ही हो, तो माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों, दिशा–निर्देशों व नियमों की पूर्णपालना की जावे।

5. महिला की गिरफ्तारी अन्य महिला पुलिस द्वारा शिष्टता का पूरा ध्यान रखते हुए की जानी चाहिए।

6. जहां बच्चों या किशोरों की गिरफ्तारी की जानी हो वहां बल प्रयोग या मारपीट नहीं की जानी चाहिए।

बालकों के अधिकार

1. बाल अधिनियम 1933, इसमें बाल श्रमिक को बंध बनाने वालों के विरूद्ध 50 रू एवं दलाल या नियोक्ता के खिलाफ 200 रू जुर्माने का प्रावधान हैं।
2. न्यूनतम मजदूरी अधिनियम–1938, इसमें न्यूनतम मजदूरी तय की गई है। साथ ही 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के संदर्भ में साढ़े चार घंटे का सामान्य कार्य दिवस माना गया है।
3. खान अधिनियम–1952, संशोधित अधिनियम–1983 में 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को खदानों या जमीन के नीचे कार्य करने की अनुमति नहीं दी गई है।
4. प्रत्येक बालक अपने जन्म के साथ ही नाम और राष्ट्रीयता का हकदार एवं अधिकारी होगा।
5. मानसिक व शारीरिक रूप से विकलांग बच्चों को विशेष उपचार, देख–रेख व शिक्षा दी जायेगी।
6. छोटी आयु का बच्चा अपनी माँ से अलग नहीं किया जाएगा। बिना परिवार व सहारे वाले बच्चों की समाज व लोक–प्राधिकारियों द्वारा देखरेख प्रदान की जायेगी। बड़े परिवार वाले बच्चों को राज्य सहायता दिया जाना भी इच्छित है।
7. बालकों को कम से कम प्राथमिक स्तर तक मुक्त व अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है।
8. बलकों को सभी स्थितियों में सुरक्षा व राहत सबसे पहले पहुंचाई जायेगी।

महिलाओं के कानूनी अधिकार

दण्ड प्रकिया संहिता, 1973 – धारा 47 – किसी स्थान की तलाशी के समय ऐसी स्त्री हो जो रूढ़ि के अनुसार लोगों के सामने नहीं आती है तो वहां से हट जाने के लिए पुलिस अधिकारी उचित सुविधा देगा। धारा 51 – जब किसी स्त्री की तलाशी करना आवश्यक हो तब ऐसी तलाशी शिष्टता का पूरा ध्यान रखते हुए अन्य स्त्री द्वारा की जाएगी। धारा 53 (2) – किसी स्त्री की शारीरिक परीक्षा की जानी है तो ऐसी परीक्षा केवल किसी महिला द्वारा जो रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी है या उसके पर्यवेक्षण में की जाएगी। धारा 60 – साक्षियों की हाजिरी के लिए पुलिस अधिकारी द्वारा किसी स्त्री को उसके निवास स्थान से भिन्न किसी स्थान पर हाजिर होने की अपेक्षा नहीं की जाएगी। धारा 416 – यदि वह स्त्री, जिसे मृत्यु दण्डादेश दिया गया हैं एवं गर्भवती पाई जाती है तो उच्च न्यायालय दण्डादेश का निष्पादन मुल्तवी किए जाने के लिए आदेश देगा और यदि ठीक समझे तो दण्डादेश को आजीवन कारावास से रूप में लघुकरण कर सकेगा। धारा 437 – के अन्तर्गत अजमानतीय अपराध की दशा में भी स्त्री को जमानत पर छोड़ दिये जाने के विशेष प्रावधान है।

सिविल प्रकिया संहिता, 1908 धारा 56 – न्यायालय द्वारा धन की डिक्री के निष्पादन में स्त्रियों को गिरफ्तार करने और सिविल कारागार में निरूद्ध करने के लिए आदेश नहीं दिया जा सकता है। धारा 60 – के अनुसार भरण – पोषण की डिक्री के निष्पादन में वेतन का दो–तिहाई भाग की कुर्की की जा सकती है। निर्णित ऋणी की पत्नी के पहनने के आवश्यक वस्त्र, भोजन पकाने के बर्तन, चारपाई और बिछौने और ऐसे निजी आभूषण जिन्हें कोई स्त्री धार्मिक प्रथा के अनुसार अपने से अलग नहीं कर सकती है उसकी कुर्की नहीं होगी।

हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 –

हिन्दू चाहे वे किसी जाति या सम्प्रदाय के हों, बौद्ध, जैन या सिक्ख। कोई भी ऐसा व्यक्ति जिसने अपना मूल धर्म छोड़कर हिन्दू धर्म अपनाया हो, लेकिन अनुसूचित जनजातियों पर यह कानून लागू नहीं होगा। हिन्दू विवाह के लिए वर कन्या दोनों का हिन्दू होना जरूरी है, वर और कन्या दोनों की पहले शादी नहीं हुई होना चाहिए। वर की उम्र 21 वर्ष और कन्या की 18 वर्ष होना चाहिए। इससे कम आयु के वर या वधु का विवाह करना कानूनी अपराध है। किन्तु, ऐसा विवाह वैध माना जायेगा। पति या पत्नी के जीवित रहते हुए दूसरी शादी करना कानूनी अपराध है।पहली पत्नी चाहे तो पति के खिलाफ मजिस्ट्रेट के कोर्ट में शिकायत दर्ज कर सकती है, ऐसे पति को सात साल तक की कैद की सजा हो सकती है। ऐसी दूसरी शादी कानून में वैध नहीं मानी जाती। पत्नी की सहमति से की गई दूसरी शादी भी गैर–कानूनी है। दूसरी पत्नी को वास्तव में पत्नी का कोई हक नहीं मिलेगा। उसे न तो खर्चा मांगने का कोई हक होगा, न ही पति की सम्पति में कोई अधिकार मिलेगा। हां, अगर पहली पत्नी की मौजूदगी दूसरी स्त्री से छिपाई गई हो, तो दूसरी पत्नी पति के खिलाफ धोखे का मुकदमा कर सकती है। वह पति से मुआवजा लेने के लिए भी मुकदमा कर सकती है। ऐसी शादी से पैदा हुए बच्चों को पिता की सम्पति में वह सभी हक मिलेंगे जो कि जायज औलाद को मिलते है।

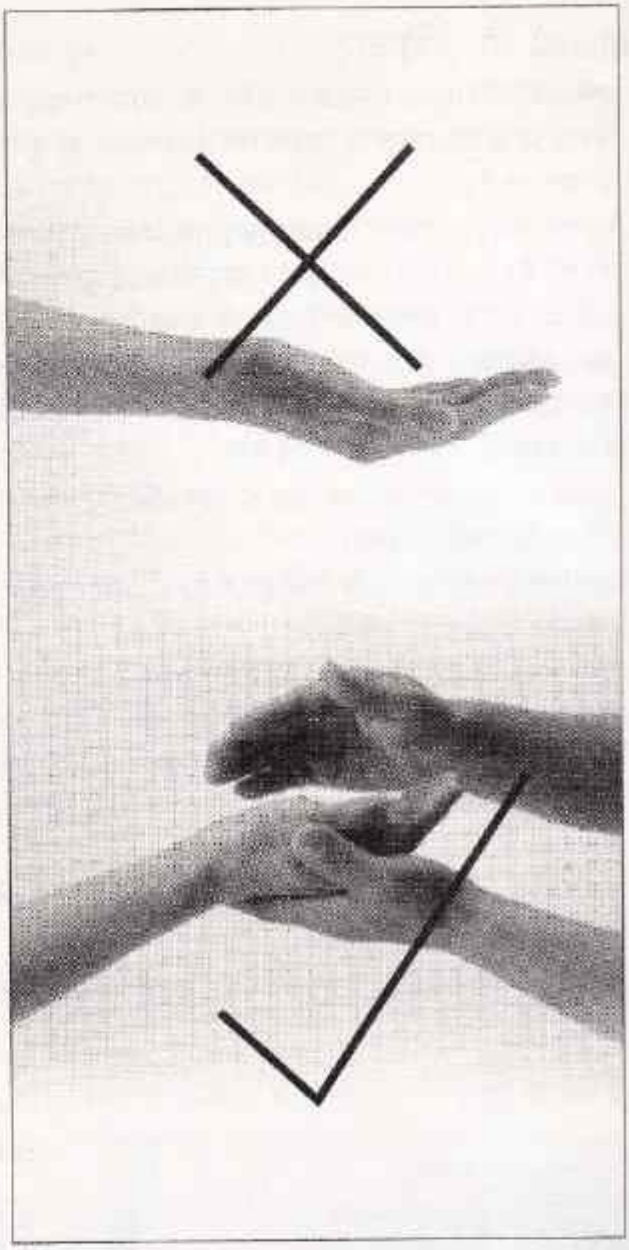

हिन्दू दत्तक तथा भरण–पोषण अधिनियम, 1956 धारा 11 – यदि दत्तक किसी नारी द्वारा लिया जाना हैं और दत्तक लिया जाने वाला व्यक्ति पुरुष है तो दत्तक माता दत्तक लिये जाने वाले व्यक्ति से आयु में कम से कम इक्कीस वर्ष बड़ी हो। धारा 19,20 – में विधवा पुत्रवधू, अपत्यों और वृद्धजनों का भरण – पोषण। धारा 23 – में भरण – पोषण की रकम का अवधारण है।

जायज और नाजायज नाबालिग (18 साल से कम उम्र के) बच्चों को माता–पिता से खर्चा मिलने का हक है। बूढ़े या शारीरिक रूप से दुर्बल मां–बाप को अपने बच्चों से (बेटे या बेटियां) खर्चा मिलने का हक है। यह खर्चा लेने का हक सिर्फ ऐसे लोगों को है, जो अपनी कमाई या सम्पति में से अपना खर्चा नहीं चला सकते।

मानवता की आधारशिला

परोपकार

परोपकार का शाब्दिक अर्थ है "दूसरों का भला करना" "पर" का अर्थ है दूसरा और उपकार का अर्थ है भला करना अर्थात दूसरो की भलाई सोचना।

आज के इस भौतिकवादी युग में एक नजर फैलाकर देखा जाये तो हर इंसान सीमित व स्वार्थ के दायरों में बंधा हुआ है संसार में चार प्रकार के लोग देखने को मिलते है एक व्यक्ति वह होता है जो केवल मात्र स्वयं के बारे में सोचता है उसे और किसी की भी चिन्ता नहीं होती है। दूसरे प्रकार के व्यक्ति अपने स्वयं व परिवार तक ही सीमित रहते हैं। तीसरे प्रकार का वह व्यक्ति होता है जो स्वयं, परिवार तथा अपने देश की सोचता है। चौथे प्रकार का व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ होता है जो पूरे विश्व के बारे में सोचता है वह किसी भी प्रकार के स्वार्थ पूरित दायरे में बंद नहीं होता है। इस श्रेणी के मानव को ही सन्त को उपाधि दी जाती है जिनकी दृष्टि में हमेशा समानता कायम रहती है।

प्रकृति में पेड़ हमेशा दूसरों का ही भला करते हैं चाहे लोग उनको काटे या उखाड़े, लेकिन वे हमेशा सबको छाया प्रदान करते है इसी प्रकार नदी भी सबको समान जल वितरित करती है वह किसी के साथ पक्षपात कायम नहीं करती है। बरसात का पानी भी सबके लिए समान बरसता है यह नहीं कि किसी विशेष व्यक्ति के पास अधिक व किसी अन्य व्यक्ति के पास कम बरसता है ठीक इसी प्रकार ब्रह्मज्ञानी सन्त भी हमेशा सारे संसार की निःस्वार्थ सेवा करता है। हर मानव की भलाई करना ही उसका लक्ष्य होता है क्योंकि वह संसार को भौतिक दृष्टि से न देखकर आत्मिक दृष्टि से देखता है प्रत्येक मानव में समान आत्मा व्याप्त है किसी में कम अधिक नहीं। इसी प्रकार सन्त भी आत्मा को महत्व देकर हर इन्सान की पूजा करते है क्योंकि मानव–मात्र की पूजा करना ही ईश्वर की पूजा करना होता है। एक स्त्री बहुत सुन्दर थी वह अपने से अधिक सुन्दर किसी को भी नहीं समझती थी। सारे संसार में उसके अनुसार उससे अधिक सुन्दर कोई नहीं था। संयोगवश उसकी कोख से जब एक पुत्री ने जन्म लिया तो उसको अपनी पुत्री में अपना प्रतिबिम्ब दिखाई दिया वह अपनी सुन्दरता भूल गई और अपनी लड़की को अधिक सुन्दर कहने लगी।

इस प्रकार जब मानव को आत्मिक ज्ञान होता है तो वह सब मनुष्यों में अपना ही प्रतिबिम्ब देखता है फिर उसके मोह दायरे मे न बंधकर सम्पूर्ण सृष्टि से हो जाता है। अन्ततः वह परोपकारी सन्त बन जाता है।

आज के इस युग में मानव मन में चोरी, पाप, हत्या, झूठ, बेईमानी आदि भंयकर अवगुण समाहित है। परोपकार का आलोप होता जा रहा है। मानव मन में दया, क्षमा, परोपकार, सेवा, प्यार, नम्रता, सहनशीलता आदि गुणों को समाहित करने के लिए केवल मात्र ब्रह्मज्ञान की जरूरत है। ब्रह्मज्ञान ही एक वह औषधि है जो मन की बुराईयों को मिटाकर इसमें सद्गुणों को प्रवाहित करती है।

परमसत्ता परमात्मा का ज्ञान होने पर ही मन में परोपकार की भावना पनप सकती है सन्त वाणी में भी कहा कि "जिस मनुष्य ने जन्म लेकर अपना और दूसरों का कल्याण किया और तत्व ज्ञान को प्राप्त कर लिया उसी का जीवन सार्थक है" इसी प्रकार महात्मा भृर्तहरि भी कहते है कि "कान की शोभा शास्त्र श्रवण से है कुण्डल से नहीं, हाथ की शोभा दान से है कंगन से नहीं, दयालु लोगों के शरीर की शोभा परोपकार से है चन्दन से नहीं।" "आध्यात्मिक क्षेत्र में परोपकार का ही स्थान सबसे ऊंचा होता है।" सन्त महापुरूषों की तो प्रत्येक पल यही भावना रहती है कि –

अपनी जैसी सबकी पीड़ा, अपने जैसा सबका गम।
जिनका कोई नहीं सहारा, उनका दर्द हरेंगे हम।।
हंसी खुशी के फूलों से, सारा संसार भरेंगे हम।
नफरत करना हमें न आता, सबसे प्यार करेंगे हम।।

मुख्यमंत्री सहायता कोष

गम्भीर रोग के इलाज हेतु सहायता

आवेदन पत्र, डॉक्टर का एस्टीमेट, आय प्रमाण–पत्र, शपथ–पत्र, राशन कार्ड की प्रति एस्टीमेट का 40 प्रतिशत या अधिकतम 60000/–

सहायता राशि का बैकर चैक/ड्राफ्ट सम्बन्धित चिकित्सालय का उपचार पश्चात शेष बची राशि चिकित्सालय द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रेषित

बी.पी.एल. कार्डधारियों को सहायता

मान्यता प्राप्त निजी चिकित्सालय में उपचार कराने पर 40 प्रतिशत या अधिकतम 60000/– प्रकिया उपरोक्तानुसार

प्राकृतिक आपदा एवं दुर्घटना में मृतक/घायलों को सहायता

समस्त जिला कलक्टरों को 30000/– रिवालविंग फण्ड हेतु अग्रिम

जिला कलक्टरों द्वारा तत्काल सहायता स्वीकृत

जिला कलक्टर से प्रस्ताव प्राप्त होने पर मुख्यमंत्री सहायता कोष द्वारा पुनर्भरण मृतक के आश्रित को 10000/– (दिनांक 26.12.2008 से संशोधित 20000/–) एवं गम्भीर घायल को 5000/–, साधारण घायल को 500/– से 2500/– तक

हत्या के प्रकरणों में सहायता

हत्या के प्रकरणों में सामन्यतया सहायता देय नहीं विशेष प्रकरणों में जिला कलक्टर की अनुशंषा पर 10000/–

शहीद सैनिक के परिजन/विकलांग सैनिकों की सहायता

दिनांक 01.04.1999 के पश्चात कारगिल युद्ध/अन्य ऑपरेशनों में शहीद सैनिक के परिजनों को

जिला कलक्टर/निदेशक सैनिक कल्याण विभाग से प्रस्ताव प्राप्त होने पर कारगिल पैकेज के अनुसार सहायता देय

शहीद की विधवाओं/माता–पिता को सम्मान भत्ता

दिनांक 01.04.19999 से पहले शहीद को विधवा/माता–पिता को 450/– की दर से प्रति माह सम्मान भत्ता

सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार कानून के तहत भारतीय नागरिक सरकारी और गैर सरकारी विभाग या संस्था से सवाल पूछ सकते हैं। उनके कार्य और दस्तावेज देख सकते हैं। तय फीस दे दस्तावेजों की प्रमाणित कॉपी ले सकते है। सामग्री के प्रमाणित नमूने ले सकते हैं। जानकारियां सीडी में ले सकते हैं।

सूचना के लिए आवेदन : सादे कागज पर संबंधित कार्यालय में लोक सूचना अधिकारी के नाम आवेदन किया जा सकता है। जिसमें वांछित सूचना के साथ मांगने वाले को अपने नाम और पते की जानकारी देनी होती है। आवेदन 10 रूपए नकद या इतने ही मूल्य के पोस्टल ऑर्डर के साथ जमा कराना होता है। स्वयं उपस्थित हो या डाक से भी आवेदन किया जा सकता है।

सूचना न मिलने पर : लोक सूचना अधिकारी के 30 दिन में सूचना नहीं देने पर उसके उच्चाधिकारी के यहां अपील की जा सकती है। एक माह में अपील की सुनवाई नहीं होने पर राज्य सूचना आयोग में अपील की जा सकती है। आवेदन लेने से इंकार करने, गलत, अपूर्ण, भ्रामक सूचना देने या 30 दिन में सूचना नहीं देने पर रोजना 250 रूपए का जुर्माना सूचना अधिकारी से वसूलने का प्रावधान है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो

राज्य सरकार के समस्त विभागों, कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपकमों, विश्व विद्यालयों, बोर्ड, निगम, प्राधिकरण, जिला परिषद, पंचायत समिति, सहकारी समिति, बैंक एवं राज्य सरकार से वित्तीय अनुदान / सहायता प्राप्त संस्थाओं में भ्रष्टाचार तथा रिश्वत की मांग किये जाने पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों के मुख्य कार्यालय, जिला कार्यालय अथवा चौकी पर सम्पर्क किया जा सकता है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को तत्काल सूचित करें यदि –

कोई लोक सेवक रिश्वत की मांग करता है।

किसी कार्यालय में रिश्वत के लिए दलाल / बिचौलिये सक्रिय हैं।

आपको विश्वसनीय जानकारी है कि किसी लोक सेवक ने अवैध एवं भ्रष्ट तरीके से अकूत चल एवं अचल सम्पत्ति अर्जित की है।

कोई लोक सेवक अपने पद का दुरूपयोग कर स्वयं अथवा अन्य व्यक्ति को आर्थिक लाभ पहुँचा रहा है।

आपके पास विश्वसनीय सूचना है कि कोई भ्रष्ट लोक सेवक बड़ी मात्रा में अवैध राशि लेकर जा रहा है।

नोट :

1.सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जाती है।

2.सही एवं तथ्यों पर आधारित विश्वसनीय सूचना ही देवें ताकि ब्यूरो के समय एवं सीमित साधनों का अपव्यय नहीं हो।

सम्पर्क :

कार्यालय महानिदेशक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो

जे–9, झालाना संस्थानिक क्षेत्र,

जयपुर – 302004

फोन : 0141–2712553, 2712554 फैक्स : 2712263

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की चौकियां राजस्थान राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यरत है।

भवन निर्माण में ध्यान देने योग्य आवश्यक बातें

रामप्रसाद लोदिया
(निदेशक – एवन आर्किटेक्टस प्रा. लि.)

हर एक व्यक्ति का सबसे बड़ा सपना होता है कि उसका रहने के लिए अपना एक घर हो, इसके लिए भवन निर्माण में लगने वाले मैटोरियल का सही अन्दाजा होना जरूरी है। सही मात्रा व अनुपात में मैटेरियल का उपयोग करने से मकान मजबूत व सुन्दर बनता है। मकान बनाते समय एक व्यक्ति को जिन महत्वपूर्ण बातों और सूत्रों की जरूरत पड़ती है। उन्हें अपनाकर एक आरामदायक घर बनायें और सन्तुष्टि भरा जीवन जीयें।

ईंट की चिनाई

सौ वर्ग फुट 9" की दीवार में 933 ईंटे, 8.07 घन फुट बजरी व 54.0 किलोग्राम सीमेंट लगती है।

सौ वर्ग फुट " की दीवार में 478.50 ईंटे, 3.06 घन फुट बजरी व 30.80 किलोग्राम सीमेंट लगती है।

सौ वर्ग फुट 3" की दीवार में 327 ईंटे, 1.48 घन फुट बजरी व 19.60 किग्रा सीमेंट लगती है।

सरियें का वजन

8mm. के एक मीटर लम्बे सरिये का वजन 400 ग्राम होता है।
10 mm. के एक मीटर लम्बे सरिये का वजन 620 ग्राम होता है।
12 mm. के एक मीटर लम्बे सरिये का वजन 900 ग्राम होता है।
16 mm. के एक मीटर लम्बे सरिये का वजन 1.6 किग्रा. होता है।
20 mm. के एक मीटर लम्बे सरिये का वजन 2.5 किग्रा. होता है।
25 mm. के एक मीटर लम्बे सरिये का वजन 3.85 किग्रा. होता है।
1 घन मीटर लोहे का वजन 7850 किग्रा. होता है।
1 घन फुट लोहे का वजन 222.50 किग्रा. होता है।
1 घन इन्च लोहे का वजन 0.13 किग्रा. होता है।

चिनाई में सीमेंट व बजरी का अनुपात

12" की चिनाई में मसाला 1:8 (1 सीमेंट : 8 बजरी) के अनुपात में मिलायें।

9" की चिनाई में मसाला 1:6 (1 सीमेंट : 6 बजरी) के अनुपात में मिलायें।

" की चिनाई में मसाला 1:4 (1 सीमेंट : 4 बजरी) के अनुपात में मिलायें।

3" की चिनाई में मसाला 1:3 (1 सीमेंट : 3 बजरी) के अनुपात में मिलायें।

आर॰ सी॰ सी॰ का कार्य

आर॰ सी॰ सी॰ की छत में मसाला 1:2:4 (1 सीमेंट : 2 बजरी : 4 कंकीट) के अनुपात में मिलायें।

आर॰ सी॰ सी॰ कॉलम व बीम में मसाला 1: :3 (1 सीमेंट : बजरी : 3 कंकीट) के अनुपात में मिलायें।

आर॰ सी॰ सी॰ कॉलम की फुटिंग व फुटिंग बीम में मसाला 1:2:4 (1 सीमेंट : 2 बजरी : 4 कंकीट) के अनुपात में मिलायें।

सामान्य जानकारी

1 बोरी में 1.25 घन फुट सीमेंट होता है।
100 वर्ग फुट (5" मोटी) छत में लगभग 6 बोरी सीमेंट लगता है।
1 घन फुट छत में लगभग 8.5 किग्रा.सीमेंट लगता है।
1 घन मीटर छत में लगभग बोरी सीमेंट लगता है।
1 बोरी में 0.0354 घन मीटर सीमेन्ट होता है।
1 घन मीटर में 1000 लीटर पानी होता है।
1 घन फुट में 28.34 लीटर पानी होता है।

Conversion Table

In Cubic

1 Cu. Mtr. = 35.28 Cu. Fts.
1 Cu. Yard = 27 Cu. Fts.
1 Cu. Mtr. = 1.31 Cu. Yds.

In Cubic

1 Cu. Mtr. = 35.28 Cu. Fts.
1 Cu. Yard = 27 Cu. Fts.
1 Cu. Mtr. = 1.31 Cu. Yds.

In squire

1 Sq. Inch = 6.45 Sq. cm
1 Sq. Foot = 929.03 Sq. cm
1 Sq. Yard = 0.83 Sq. Mtr.
1 Sq. Mile = 2.59 Sq. Kms.
1 Sq. Yard = 9 Sq. Fts.
1 Sq. Mtr. = 10.76 Sq. Fts.
1 Sq. Mtr. = 1.195 Sq. Yds.
1 Sq. Km. = 0.39 Sq. Miles
1 Sq. Km. = 247.105 Acres
1 Sq. Km. = 100 Hactares
1 Hactare = 10,000 Sq. Mts.
1 Acre = 4000 Sq. Mts.
1 Air = 1000 Sq. Mts.
1 Beega = 2530.20 Sq. Mts.
1 Beega = 27,225 Sq. Fts.
1 Beega = 3025 Sq. Yds.
1 Hactare = 2.5 Acres
1 Hactare = 3.95 Beega
1 Hactare = 10 Aires
1 Acre = 1.6 Beega
1 Acre = 4 Aires
1 Beega = 2.5 Aires

In Distance

1 Inch = 2.54 cm
1 Foot = 30.48 cm
1 Yard = 0.91 Mtr.
1 Mile = 1.61 Km.
1 Mtr. = 3.28 Fts.
1 Yard = 3 Fts.
1 Mtr. = 1.093 Yds.
1 Km. = 0.62 Miles

Formula Table

1. Circle = $3.14 \times r^2$
2. Ellipse = $3.14 \times a \times b$
3. Rectangle = $a \times b$
4. Square = a^2
5. समलम्ब चतुर्भुज = $\frac{1}{2}(a+b) \times$ dist.
6. समान्तर चतुर्भुज = $a \times b \times \sin\square$
7. सम चतुर्भुज = $a \times \sin\square$
8. Triangle = $\sqrt{[s(s-a)(s-b)(s-a)]}$

   where $s = (a+b+c)/2$
9. Triangle = $\frac{1}{2}$ (Base x Ht.)

   (समकोण त्रिभुज)
10. Triangle = $a/4\sqrt{(4c-a)}$

    (समद्विबाहु त्रिभुज)
11. Triangle = $0.433 \times a^2$

    (समबाहु त्रिभुज)

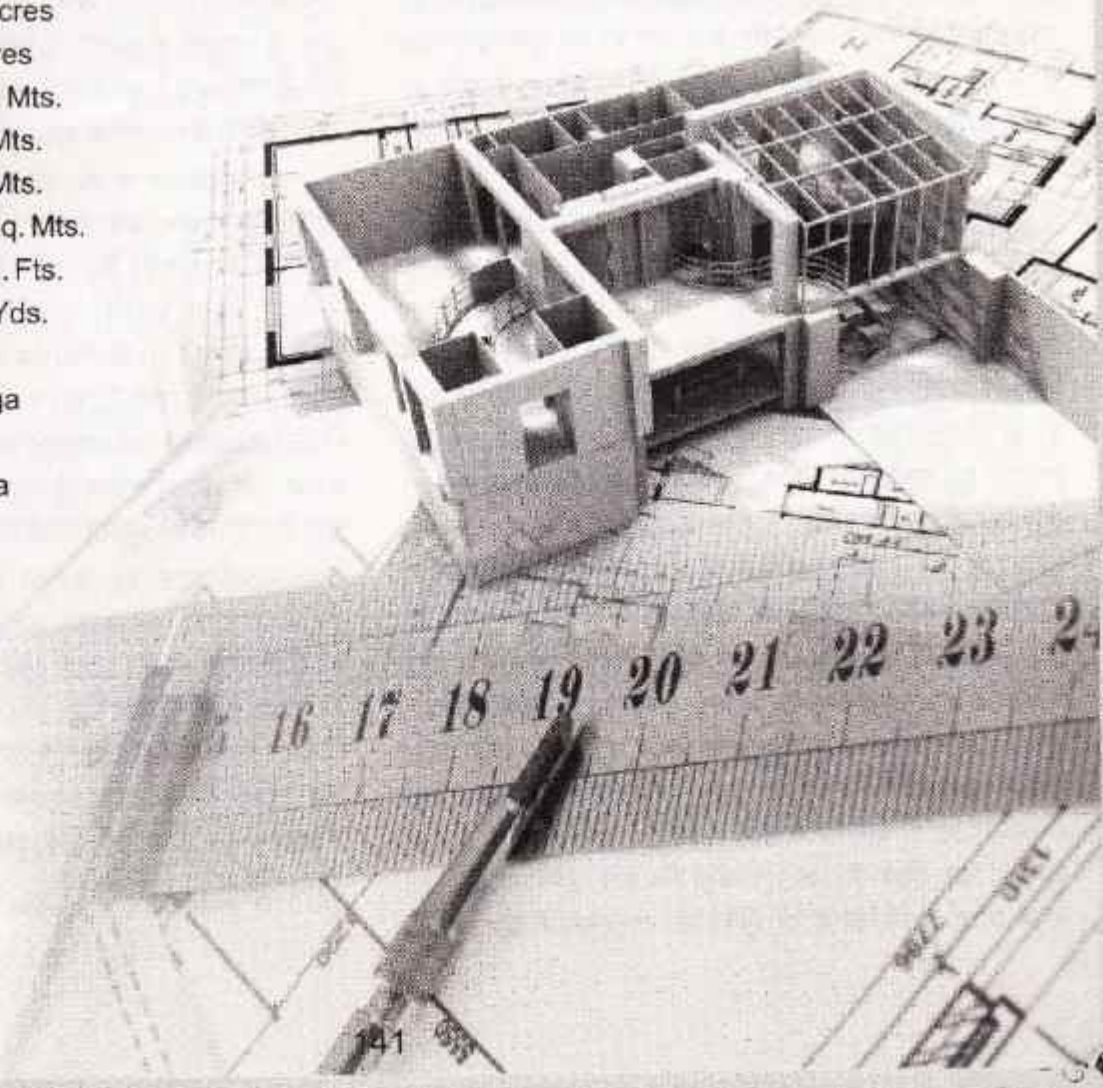

आत्मविश्वास

✍ लेखराम साहू
(गायत्री सदन कालीपुर जगदलपुर, जिला बस्तर)

किसी भी कार्य की सफलता उस व्यक्ति के विश्वास पर निर्भर रहती है।

विश्वास के अभाव में हम दुनिया की बहुत सी श्रेष्ठतम उपलब्धियों से वंचित रह जाते हैं। असफलताओं का कारण यही है कि लोग अपनी महत्ता को पहचान नहीं पाते और अपने को अयोग्य समझते हैं। जब हम पहले ही अपने को अयोग्य, असमर्थ, और अभागा समझेंगे तो फिर योग्य, समर्थ और सौभाग्यशाली कैसे बन सकते हैं? बड़े बड़े काम कर सकने में समर्थ होने वाले व्यक्ति भी अपनी पूरी शक्ति से अपरिचित होने के कारण उसका सदुपयोग नहीं कर पाते। जब व्यक्ति अपने अन्दर छिपी हुई शक्तियों के स्रोत को जान लेता है तो वह भी देव तुल्य बन जाता है। हमारे अन्दर आत्म विश्वास जागृत होने पर आत्मा में छिपी हुई शक्ति जागृत होती है और श्रेष्ठ विचार महत्वपूर्ण कार्य के रुप में बदल जाते हैं।

व्यक्ति आज अशक्त होकर अंधेरे में भटक रहा है। वह रास्ता ढूंढ रहा है किन्तु उसे यदि अपनी शक्तियों का भान हो जाय तो दुख, भय, चिन्ता, आपत्ति, शोक, द्वेष आदि दुष्ट मनोविकार उसका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकते। सफलता के बारे में हमारा विश्वास अधूरा नहीं होना चाहिये। जब तक हम किसी कार्य में अपनी समस्त शक्तियाँ नहीं लगा पाते, मन एकाग्र नहीं कर पाते तब तक वह कार्य पूर्ण नहीं हो सकता। मानवजाति की उन्नति का श्रेय ऐसे ही महापुरुषों को है जिनका आत्मविश्वास असीम था। महापुरुषों ने ऐसे रास्ते तय किये जिसमें असफलता दिखाई देती थी लेकिन उन्होंनें विश्वास नहीं छोड़ा और सफलता पाई।

अमेरिका के अब्राहम लिंकन जितने महान हुये उससे कहीं अधिक वे साधनहीन थे। उनके पास अन्न, वस्त्र, निवास, शिक्षा, सुरक्षा और सहयोग सभी साधनों का अभाव था। उनके पास केवल एक ही पारसमणि थी वह था अदम्य आत्मविश्वास। एक अकेले आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने अपने उस असंभव जैसे संकल्प को पूरा कर दिखाया। उन्होंने कहा कि मैंनें अपने भगवान को वचन दिया है कि दासों के मुक्ति के कार्य को मैं अवश्य पूरा करुंगा। स्वामी विवेकानन्द, महात्मा बुद्ध, ईसामसीह, सन्त सुकरात, महात्मा गाँधी आदि ने अपनी आत्मशक्ति का सहारा लेकर ही उन्नति की है। महात्मा गाँधी के विपक्ष में शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य था। भारत सदियों से पराधीनता, अशिक्षा और जड़ता से ग्रसित था। भारतवासियों के दुःख के आँसू महात्मा गाँधी देख न सके और अपनी दृढ़ संकल्प शक्ति और आत्मविश्वास के सहारे उस वैभवशाली ब्रिटिश साम्राज्य को उन्होंने हराया।

फ्रांस के महान नायक नेपोलियन के पास प्रारंभ में साधनों के नाम पर न तो पेट भर रोटी थी और न ही तन पर कपड़ा, तब भी उसने अपने को न केवल फ्रांस का इतिहास पुरुष बनाया बल्कि संसार के इतिहास में अपना नाम अंकित कराया। आत्मविश्वास के आधार पर उसने साधन अर्जित किये और फ्रांस को एक अदम्य राष्ट्र बनाने का श्रेय पाया। उनके सैनिकों ने कहा आगे आल्पस पर्वत है, बढ़ा नहीं जा सकता। नेपोलियन ने कहा – यदि आल्पस पर्वत हमारा मार्ग रोकता है तो आल्पस पर्वत ही नहीं रहेगा। जिसका परिणाम यह हुआ कि आल्पस पर्वत को काटकर रास्ता निकाल लिया गया।

छोटे से बीज में विराट् शक्ति छिपी रहती है। बीज खेत में बोये जाने पर उपयोगी खाद पानी पाकर बड़े वृक्ष के रुप में प्रकट होता है। मनुष्य के अन्दर भी सारी संभावनायें और शक्तियाँ बीज रुप में छिपी हुई है जो विवेक रुपी जल के अभिसिंचन करने तथा श्रेष्ठ विचारों की उपजाऊ खाद को पाकर जागृत होती है।

आत्मविश्वास मनुष्य को सभी प्रकार के भय, संदेह और आशंकाओं से मुक्त बना देता है। आत्मविश्वास उन्नति, प्रगति और सफलता का मूलमंत्र है। उसे जगाकर उसकी वृद्धि और समृद्धि करते ही रहना चाहिये। छोटी छोटी बैटरियाँ जल्दी समाप्त हो जाती है, किन्तु जिन बैटरियों का संबंध पावर हाऊस से होता है वह निरन्तर जलती रहती है। हम भी अपने आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को प्रशस्त करें सद्गुणों को धारण करें। आत्मशक्ति का ही दूसरा नाम आत्मविश्वास है। आत्मविश्वास के आगे दुनिया की बड़ी से बड़ी शक्ति झुकती है और झुकती रहेगी।

आत्मविश्वास वह अद्भुत शक्ति है जिसके सहारे मनुष्य हजारों विपत्तियों का सामना अकेला कर सकता है, अपनी मंजिल तक पहुँच सकता है। हमारी सभी शारीरिक और मानसिक शक्ति की बागडोर आत्मविश्वास के हाथ में है। हमारा जीवन भार बन कर जीने के लिये नहीं हैं उसे श्रेष्ठता पूर्ण ढंग से जीना चाहिये। यह तभी संभव है जब हम भगवान के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का सदुपयोग कर ऊँचा उठें और दूसरों को भी उँचा उठा सकें तभी मनुष्य जीवन की सार्थकता है।

जीना इसी का नाम है

✍ दीपक महान

ज़िंदगी में किसी के लिये आपके दिल में मोहब्बत हो, किसी के दुख दर्द को आप बांट कर कम कर सकें, किसी की मुस्कुराहट पर जॉ लुटा सकें, तो ज़िंदगी का क्या कहना। यकीनन ज़िंदगी की असली खुषी इंसानी रिष्तों की खुष्बु से है ना कि रूपये–पैसे या शोहरत से। वो ज़िंदगी क्या जो किसी दूसरे के काम ना आ सके । किसी ने क्या खूब कहा है

'किसी की चार दिन की ज़िंदगी सौ काम करती है

किसी की सौ बरस की ज़िंदगी से कुछ नहीं होता'।

मानव जीवन घटनाओं से ओत प्रोत है। कुछ घटनाए जहां कुण्ठा और निराष को जन्म देती हैं तो दूसरी प्रेरक होती हैं, मनुष्य को आगे बढ़ने को उत्साहित करती हैं, जीवन में जूझने की ताकत देती हैं और सबसे महत्वपूर्ण, इस सामाजिक संसार के प्रति विष्वास और उमंग जगाती हैं। हाल ही में एक घटना से मन को बेहद प्रसन्नता हुई और इंसानियत के प्रति हमारी आस्था और विष्वास और सुदृढ़ हो गया।

शहरों के निवासियों को अक्सर आटो रिक्षा व टैक्सी चालकों से यह षिकायत रहती है कि वे उन्हें मन माफिक तंग करते हैं और मनमाने पैसे वसूल करते हैं। अक्सर यह चालक अपना मीटर बढ़ा कर रखते हैं जिससे कि कम दूरी का भी अधिक किराया वसूला जा सके।

ऐसे ही एक तिपहिये को एक बूढ़े सरदार जी रात्रि के समय चला रहे थे। सवारी यात्री जब गन्तव्य स्थल पर उतरा तो उसने मीटर के हिसाब से रूपये निकालकर सरदार जी के हाथ पर रखे और जाने लगा। सरदार जी ने पैसे गिने और जाते यात्री को पीछे से आवाज़ दी।

सरदार जीः 'भैया जी, जरा सुनना।

यात्री (आम नागरिक की तरह झल्ला कर)– 'क्यों, क्या पैसे कम पड़ गये क्या? मैंने तो तुम्हारे मीटर के हिसाब से ही दिये हैं।

सरदार जी (धीरे से): 'नहीं, ऐसी बात नहीं है'।

यात्रीः 'तो फिर क्या बात है?' (उसने चिढ़कर पूछा)

सरदार जीः 'भैया जी, पैसे आपने ज्यादा दे दिये हैं।'

यात्रीः 'किन्तु मीटर से तो इतने ही आये थे' ।(थोड़ा सा हैरान)

सरदार जीः 'यह मीटर कुछ तेज चलता है'।

यात्रीः 'तो फिर मीटर तेज क्यूं रखते हो'।

सरदार जीः 'यह ऑटो मेरा नहीं है'।

यात्रीः 'तो फिर किसका है'?

सरदार जी (गंभीरता से): 'जी, मेरे बेटे का। मेरा छोटा बेटा मेरे कहने में नहीं है। मीटर बढ़ाकर ही रखता है। पर मुझे हराम की कमाई नहीं चाहिये। इसलिये जितना ईमानदारी से बनता है, उतना ही लेता हूं। तीन घण्टे के लिये ऑटो मांगकर चलाता हूं, उस दौरान जितनी सवारियां मिलती हैं उन की कमाई से रूखी सूखी बनाकर आराम से पेट भरता हूं और वाहे गुरू का नाम लेता हूं।'

इसके साथ ही सरदार जी ने अधिक पैसे यात्री की हथेली पे रखे और ऑटो ले के चल दिये। यात्री कभी अपने हाथ पे रखे पैसों को देख रहा था तो कभी दूर जाते बूढ़े सरदारजी को – जिनके चेहरे पे एक आलौकिक शान्ति का तेज था।

आधुनिक युग में मनुष्य की लालसा इतनी अधिक बढ़ गई है कि किसी भी मुकाम पर पहुंचने के बावजूद मनुष्य को अपने आसपास के समाज, वातावरण, प्रकृति, समय आदि से कुछ न कुछ षिकायत जरूर रहती है। हम अपने और अपने भाग्य पर अफसोस करते रहते हैं जब कि ईश्वर की इस प्रकृति और संसार में ऐसी ढ़ेरों चीज़े हैं जिनके लिये हमें कृतज्ञता से परिपूर्ण होना चाहिये।

कहते हैं जब ईसामसीह को सूली पर लटकाया जा रहा था तब भी वो ईश्वर की प्रार्थना कर धन्यवाद दे रहे थे। जब उनके प्राण पखेरू होने को हुए, उस वक्त भी उन्होंने ईष्वर से प्रार्थना की कि 'हे प्रभू, इन लोगों को क्षमा करना क्योंकि ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं और धन्यवाद है इन सबका कि इन्होंने आपके और मेरे बीच के फासले को खत्म करने में नदद की'। उन्हें कोई रोष ना था। किसी के प्रति घृणा नहीं थी और ना ईष्वर से कोई षिकायत। उनके हृदय में कुछ था तो बस अपार करूणा और कृतज्ञता – इतने जुल्मों–सितम के बावजूद वो इंसान; प्रेम और विष्वास से परिपूर्ण था, सौम्य था, शान्त था और एक हम हैं जो थोड़ी सी विपत्ति से विचलित हो उठते हैं और सब चीज़ों को कोसने लगते हैं। समय कभी एक सा नहीं रहता और जहाँ में सुख–दुख की धूप–छांव से सभी को गुज़रना पड़ता है ।

शहरों की तंग गलियों की गगनचुंबी इमारतों में रहनेवाले बाशिंदे, काश सरदार जी सरीखे लोगों से कुछ सीखें तो ये देश सुख–शान्ती का पर्याय बन जाये ।

जनहित के पथ में करें,
हर कोई पद अर्पण।
मानवता का दर्पण है,
परहित के लिए समर्पण।

समाचार पत्रो की नज़र मे समर्पण संस्था

3 जयपुर, 16 से 31 अक्टूबर, 2009 दीक्षा दर्पण (हिन्दी पाक्षिक)

दीक्षा दर्पण

अभी बहुत अंधेरा बाकी है, बहुत से दीये जलाने

तन, मन, धन को समाज के प्रति समर्पित करे–सतीश खुराना

दैनिक नवज्योति

करंट ज्वाला

शुक्रवार, 8 जनवरी 2010

मुख्यमंत्री ने किया वेबसाइट का शुभारंभ

इवनिंग प्लस

समर्पण संस्था इंटरनेट पर

राजस्थान

महका भारत

राष्ट्रदूत

समर्पण संस्था की कार्यकारिणी गठित

शिक्षा का उद्देश्य सेवा, सहयोग, समर्पण हो–महान

दैनिक भास्कर

महका भारत

कवि सम्मेलन में गूंजी आध्यात्मिक रचनाएं

दैनिक भास्कर

कवि सम्मेलन में बहा भक्तिरस

Samarpan Sanstha (Regd.)

(Registration No.599/ Jaipur/2009-10, Under Raj. Society Act 1958,)
Office : 192/38, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur (Raj.) 302033
Phone : 0141-6595726, E-mail : malyaaone@gmail.com
Website : www.samarpansanstha.org

PHOTO

Application for Membership

To,
President,
Samarpan Sanstha
Jaipur(Raj.)

Sir,
I wish to enroll Chief Patron/ Patron/ Associate Member/ Member of the Samarpan Sanstha. I am sending Rs. .....(in words.....) by Cash/ Cheque/ Draft No. .....of Bank.....Dated..... as fee accordingly. Oblige me by accepting Membership.

PERSONAL DETAILS

1. Name : .....
2. Father's Name : .....
3. Date of Birth : .....
4. Date of Marriage : .....
5 Address : .....
6 Occupation/ Office Address : .....
7. Phone/ Mobile No. : .....
8. E-mail : .....

I agree to abide with the rules and objects of the Samarpan Sanstha and assure you my full and sincere cooperation in achieving the goal set out by the Samarpan Sanstha.

Date :
Place :

Signature :

FOR OFFICE USE

Received Rs.....Vide Receipt No. .....Date.....accepts the Chief Patron/ Associate Member/ Member of Shri/ Smt./ Ms .....Membership No.....Date .....

President/ Vice President

Sanstha Authorized Member

MEMBERSHIP

Fee : Chief Patron : 11000 Patron : 5100 Associate Member : 1100 Member : 500 Student : free

Note: 1. Membership fee will be accepted by case/ cheque/ draft in favour of "Samarpan Sanstha" payble at JAIPUR only along write two copies of passport size photograph.

With Best Compliments From

M/s Shree Siddhi Vinayak Induction Pvt.Ltd.

C-184-185,RIICO Industrial Area,
Bagru (Extn.),Phase-II,Jaipur
(Manufacturer of M.S.Ingots)

M/s Bagru Ferro Alloys Pvt.Ltd.

G-169-170,RIICO Industrial Area,
Bagru (Extn.) Phase-I.Jaipur
(Manufacturer of M.S.Angle)

Head Office :
617-Vaibhav Cine-Multiplex,
Gautam Marg,Vaishali Nagar
Jaipur
Ph.No.0141-4023410
Fax:0141-4023409

With Best Complements
PITAMBER CONSTRUCTIONS CO.
All Type work of Elevations Stones
• Bansi Pahadpur Stone
• Dholpur Stone
• Karauli Stone
• Himachal Stone
And All type Stone Work
Prop. :- Jagdish Prasad Sharma
S-7 Pitamber Nagar, Gopal Pura Byepass, Jaipur
Off : 0141-6502351 Mob : 9828536060

Shiv Iron Work.
All Type of Fabrication work
P. No. 40-41 Pitamber Nagar, Gopal Pura Byepass Jaipur Mob : 9828536060
Prop. :- Jagdish Prasad Sharma